मुक्त चिंतन News Letter

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

A Quarterly News Bulletin of U.P. Rajarshi Tandon Open University, Allahabad

हम पहुँचे वहाँ, पहुँचा न कोई जहाँ

01 अगस्त, 2018

माननीय सदस्य,
विधान परिषद
उत्तर प्रदेश
डा0 यज्ञदत्त शर्मा जी
से
वार्ता
करते हुए
माननीय कुलपति
प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह
जी।

दैनिक जागरण

युवा जागरण

मुक्त विश्वविद्यालय बनाएगा परामर्शदाताओं का डेटा बैंक

जागरण संवाददाता, इलाहाबाद

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रदेशभर में स्थापित अपने अध्ययन केंद्रों में पढ़ाने एवं मूल्यांकन करने वाले नियोजित शिक्षक परामर्शदाताओं का डेटा बैंक बनाएगा। इससे प्रदेशभर के अध्ययन केंद्रों पर अवैध रूप से शिक्षण-परामर्श एवं मूल्यांकन कार्य कर रहे लोगों पर लगाम लगाई जा सकेगी। नई योजना के अनुसार विश्वविद्यालय द्वारा अनुमोदित सभी शिक्षकों को एक विशेष कोड प्रदान किया जाएगा। यही वैध शिक्षक अपने मूल नगर एवं प्रदेश के सुदूर स्थानों के अध्ययन केंद्रों में शिक्षण, प्रशिक्षण कार्य करा सकेंगे।

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में अब जालसाजी कर कापियां जांचने, वायवा लेने एवं अन्य शैक्षिक गतिविधियों पर रोक लगाई जा सकेगी। मुक्त विश्वविद्यालय के अध्ययन केंद्रों से संबद्ध नियोजित शिक्षक, परामर्शदाताओं को विशेष कोड आवंटित किया जाएगा। कुलपति प्रो. केएन सिंह ने बताया कि अध्ययन केंद्रों से तमाम ऐसी विसंगतियों की शिकायतें आ रही थीं जिसमें अयोग्य एवं मानक को न पूरा करने वाले लोग भी परामर्शदाता एवं नियोजित शिक्षक के रूप में कार्य कर रहे थे। कई ऐसे भी थे जो दूसरे विषयों का मूल्यांकन कार्य भी किया करते थे। विवि ने ऐसे शिक्षकों-परामर्शदाताओं की पड़ताल करनी शुरू कर दी है। अब विवि के अध्ययन केंद्रों में केवल उन्हीं लोगों को स्थान मिलेगा जो संबंधित विषय में योग्यता रखते हैं। शिक्षक-परामर्शदाताओं का डेटा बैंक परीक्षा के अतिरिक्त समय-समय पर होने वाली शैक्षिक गतिविधियों में भी सहायक होगा। सभी वैध शिक्षकों का कोड 15 दिनों के भीतर जारी भी कर दिया जाएगा। इसके लिए परामर्शदाताओं को विवि की वेबसाइट पर निर्धारित प्रारूप पर वांछित सूचनाएं भेजनी होंगी।

जनसंदेश टाइम्स

इलाहाबाद मिरर

मुक्त विश्वविद्यालय में राजर्षि टण्डन जयंती आज

इलाहाबाद। उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद के तत्वावधान में पहली अगस्त को सरस्वती परिसर स्थित लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में पूर्वाह्न 10.30 बजे भारत रत्न राजर्षि पुरुषोत्तम दास टण्डन की जयन्ती के अवसर पर जयन्ती समारोह का आयोजन किया गया है। उक्त जानकारी कुलसचिव प्रो. गिरिजा शंकर शुक्ल ने देते हुए बताया है कि समारोह के मुख्य अतिथि सदस्य, विधान परिषद डा. यज्ञदत्त शर्मा होंगे तथा अध्यक्षता कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह करेंगे। इस अवसर पर विशिष्ट वक्तागण राजर्षि टण्डन के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालेंगे।

अमर उजाला

राजर्षि टंडन का जयंती समारोह आज

इलाहाबाद। उप्र राजर्षि टंडन मुक्त विवि और राजर्षि टंडन महिला महाविद्यालय में बुधवार, एक अगस्त को राजर्षि पुरुषोत्तम दास टंडन की 136वीं जयंती पर कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। राजर्षि टंडन महिला महाविद्यालय में सुबह 11 बजे से आयोजित कार्यक्रम के मुख्य अतिथि इविवि कुलपति प्रो. रतन लाल हांगलू होंगे। वहीं, मुविवि में सरस्वती परिसर स्थित लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में सुबह 10.30 बजे आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि एमएलसी डॉ. यज्ञ दत्त शर्मा होंगे।

इलाहाबाद एक्सप्रेस

इलाहाबाद, बुधवार, 1 अगस्त 2018 — इलाहाबाद एक्सप्रेस

मुक्त विश्वविद्यालय में राजर्षि टण्डन जयन्ती आज

इलाहाबाद, 31 जुलाई (हि.स.)। उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद के तत्वावधान में पहली अगस्त को सरस्वती परिसर स्थित लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में पूर्वाह्न 10.30 बजे भारत रत्न राजर्षि पुरुषोत्तम दास टण्डन की जयन्ती के अवसर पर जयन्ती समारोह का आयोजन किया गया है। उक्त जानकारी कुलसचिव प्रो. गिरिजा शंकर शुक्ल ने देते हुए बताया है कि समारोह के मुख्य अतिथि सदस्य, विधान परिषद डा. यज्ञदत्त शर्मा होंगे तथा अध्यक्षता कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह करेंगे। इस अवसर पर विशिष्ट वक्तागण राजर्षि टण्डन के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालेंगे।

मुक्त चिंतन News Letter

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

A Quarterly News Bulletin of U.P. Rajarshi Tandon Open University, Allahabad

हम पहुँचे वहाँ, पहुँचा न कोई जहाँ

01 अगस्त, 2018

मुक्त विश्वविद्यालय में राजर्षि टण्डन जयंती समारोह का आयोजन

दिनांक 01 अगस्त, 2018 को उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद के सरस्वती परिसर स्थित लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में में राजर्षि टण्डन जयन्ती समारोह आयोजित की गयी। समारोह के मुख्य अतिथि माननीय सदस्य, विधान परिषद उत्तर प्रदेश डा0 यज्ञदत्त शर्मा जी रहे एवं समारोह की अध्यक्षता माानीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी ने की।

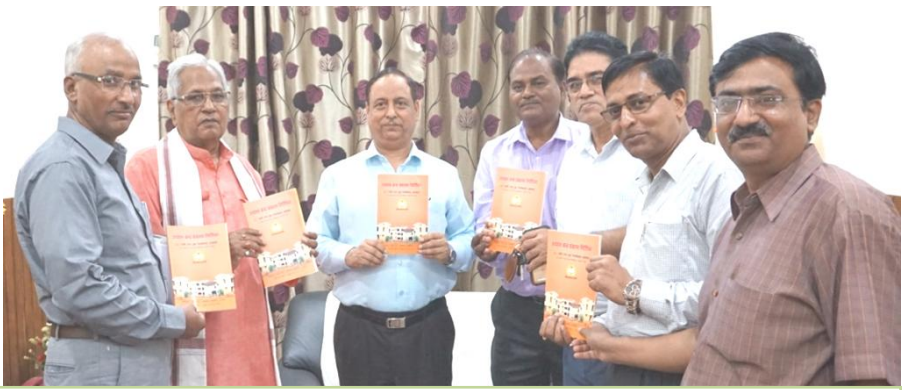

मुख्य अतिथि डा0 यज्ञदत्त शर्मा जी को विश्वविद्यालय द्वारा प्रकाशित पुस्तक अध्ययन केन्द्र निर्देशिका की प्रति भेट करता हुआ विश्वविद्यालय परिवार।

इस अवसर पर निदेशक कृषि विज्ञान विद्याशाखा प्रो0 प्रेम प्रकाश दुबे ने कहा कि राजर्षि टण्डन की ख्याति स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, साहित्य प्रेमी एवं समाजसेवी के रूप में थी। निदेशक प्रबन्धन अध्ययन विद्याशाखा प्रो0 ओम जी गुप्ता ने कहा कि राजर्षि टण्डन का स्वभाव ऋषि की तरह था। इलाहाबाद से उनका गहरा नाता था। वे महामना मदन मोहन मालवीय और लाला लाजपत राय से प्रभावित थे। उनके जीवन में निराला के फक्कड़पन की छाप भी दिखायी देती है।

प्रारम्भ में सरस्वती वन्दना डॉ0 अभिषेक सिंह, डॉ0 अमित सिंह ने प्रस्तुत की। अतिथियों का स्वागत सह संयोजक डॉ0 विनोद कुमार गुप्ता ने किया। संचालन डॉ0 स्मिता अग्रवाल तथा धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव प्रो0 गिरिजाशंकर शुक्ल ने किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि डॉ0 शर्मा एवं कुलपति प्रो0 सिंह ने विश्वविद्यालय के उपकुलसचिव डॉ0 राजेश कुमार पाण्डेय कृत ''प्रबन्धकीय निर्णयन हेतु लेखांकन'' पुस्तक का विमोचन किया। समारोह में संयोजक प्रो0 आर0पी0एस0 यादव, प्रो0 पी0के0 पाण्डेय, प्रो0 सुधांशु त्रिपाठी, डॉ0 टी0एन0 दुबे विश्वविद्यालय के कर्मचारी एवं शिक्षकगण आदि उपस्थित रहे।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि डा0 यज्ञदत्त शर्मा जी को विश्वविद्यालय द्वारा प्रकाशित पुस्तक अध्ययन केन्द्र निर्देशिका की प्रति विश्वविद्यालय की तरफ से भेंट की गयी।

समारोह का संचालन करती हुई डॉ0 स्मिता अग्रवाल एवं मंचासीन माननीय अतिथि।

दीप प्रज्ज्वलित कर समारोह का उद्घाटन करते हुए माननीय अतिथि।

राजर्षि टण्डन जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण करते हुए माननीय कुलपति जी एवं मुख्य अतिथि डा0 यज्ञदत्त शर्मा जी।

सरस्वती वन्दना करते हुए डॉ0 अभिषेक सिंह, डॉ0 अमित सिंह

मुख्य अतिथि डा0 यज्ञदत्त शर्मा जी को पुष्पगुच्छ प्रदान कर उनका स्वागत करते हुए डॉ0 अनिल सिंह भदौरिया एवं माननीय कुलपति जी को पुष्पगुच्छ प्रदान कर उनका स्वागत करते हुए डॉ0 विनोद कुमार गुप्ता।

मुख्य अतिथि डा0 यज्ञदत्त शर्मा जी को अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर उनका स्वागत करते हुए माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी एवं माननीय कुलपति जी को अंगवस्त्र प्रदान करते हुए मुख्य अतिथि डा0 यज्ञदत्त शर्मा जी

अतिथियों का स्वागत करते हुए
समारोह के सह संयोजक
डॉ० विनोद कुमार गुप्ता
एवं
समारोह में अपने–अपने विचार
व्यक्त करते हुए
निदेशक कृषि विज्ञान विद्याशाखा
प्रो० प्रेम प्रकाश दुबे
तथा
निदेशक प्रबन्धन अध्ययन
विद्याशाखा
प्रो० ओम जी गुप्ता।

डा0 यज्ञदत्त शर्मा

हिन्दी के पक्षधर थे राजर्षि पुरूषोत्तम दास टण्डन– डॉ0 शर्मा

समारोह को सम्बोधित करते हुए मुख्य अतिथि डा0 यज्ञदत्त शर्मा जी ने कहा कि राजर्षि पुरूषोत्तम दास टण्डन हिन्दी के बहुत बड़े पक्षधर थे। उन्हीं के प्रयासों से हिन्दी राष्ट्रभाषा बनी। टंण्डन जी अपनी विचारधारा से पीछे हटने वाले व्यक्ति नही थे । वह अपने सिद्धान्त पर अडिग रहते थे। डॉ0 शर्मा ने कहा कि आज के अवसर पर सभी यह प्रतिज्ञा लें कि टण्डन जी जैसा सादगी भरा जीवन जिएं । उन्होंने सारा जीवन समाजसेवा में लगा दिया। उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के कार्यक्रम उपयोगी सिद्ध हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि टंडन जी के आदर्शों को आत्मसात करने की आवश्यकता है। डॉ0 शर्मा ने कहा कि उन्हें राजर्षि टण्डन, महामना मदन मोहन मालवीय एवं पं0 बाल कृष्ण भट्ट जैसे महापुरूषों के घर के समीप रहने का अवसर मिला और उनके जीवन में इन महापुरूषों की अमिट छाप पड़ी और इनके जीवन से महान प्रेरणा मिली।

विश्वविद्यालय के उपकुलसचिव
डॉ0 राजेश कुमार पाण्डेय
कृत
''प्रबन्धकीय निर्णयन हेतु लेखांकन''
पुस्तक का विमोचन
करते हुए
मुख्य अतिथि
डा0 यज्ञदत्त शर्मा जी
एवं
माननीय कुलपति
प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी।

प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह

ध्रुवतारा के रूप में विद्यमान हैं राजर्षि टण्डन– प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह

अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह ने कहा कि महापुरूष कभी मरते नहीं है। राजर्षि टण्डन आज हमारे बीच नहीं है लेकिन उनकी काया छाया के रूप में है। ध्रुवतारा के रूप में वे विद्यमान है। प्रो0 सिंह ने कहा कि भारतीय राजनैतिक क्षितिज में जब किसी राजनीतिज्ञ को दिशाबोध करना होगा तो वे राजर्षि टण्डन जैसे ध्रुवतारा की तरफ देखेगा। राजर्षि टण्डन का जीवन अपने परिवार के लिए न होकर देश एवं राष्ट्रीयता के लिए था। उन्होंने कहा कि जो अपने पेट के लिए जीता है उसे दुनिया भुला देती है। दुनिया उसी को याद करती है जो समाज के लिए जीता है। समाजहित और देशहित में अपने को स्वाहा कर देता है। राजर्षि टण्डन इसीलिए याद किए जाते हैं क्योंकि उन्होंने अपना सम्पूर्ण जीवन दीन दुखियों एवं समाज के बेसहारा लोगों की सेवा में लगा दिया। ऐसे महापुरूषों की जयन्ती मनाना आस्था एवं निष्ठा का विषय है। रिफ्रेशर कोर्स की तरह है यह। अनौपचारिक शिक्षा की तरह है यहा राजर्षि टण्डन के जीवन से हमें यह शिक्षा मिलती है कि व्यक्ति के पद से उसका कद नहीं बढ़ता बल्कि कद से पद बढ़ता है। उन्होंने कहा कि समाज में फैली विसंगतियों को दूर करने के लिए आशावादी होना पड़ेगा तभी वांछित परिणाम सामने आयेंगे।

मुख्य अतिथि डा0 यज्ञदत्त शर्मा जी को विश्वविद्यालय द्वारा प्रकाशित पुस्तक अध्ययन केन्द्र निर्देशिका की प्रति भेट करता हुआ विश्वविद्यालय परिवार।

धन्यवाद ज्ञापन

करते हुए कुलसचिव

प्रो0 गिरिजाशंकर शुक्ल

एवं

सभागार में उपस्थित

श्रोतागण।

अमर उजाला

इलाहाबाद | बृहस्पतिवार, 2 अगस्त 2018 5

राजर्षि ने सिद्धांतों से कभी समझौता नहीं किया

इलाहाबाद। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विवि में बुधवार को राजर्षि पुरुषोत्तम दास टंडन की जयंती मनाई गई। मुविवि की ओर से आयोजित संगोष्ठी में राजर्षि टंडन को हिंदी का पक्षधर बताया गया। इस मौके पर मुख्य अतिथि एमएलसी डॉ. यज्ञदत्त शर्मा ने कहा कि राजर्षि टंडन अपने सिद्धांत पर अडिग और विचारधारा से कभी पीछे नहीं हटने वाले व्यक्ति थे। संगोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने कहा कि राजर्षि का जीवन देश एवं राष्ट्रीयता के लिए था। इस मौके पर डॉ. पीपी दुबे ने भी विचार रखे। निदेशक प्रबंधन अध्ययन विद्याशाखा प्रो. ओमजी गुप्ता ने कहा कि राजर्षि का स्वभाव ऋषि की तरह था। संचालन डॉ. स्मिता अग्रवाल तथा धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव डॉ. गिरिजाशंकर शुक्ल ने किया।

इलाहाबाद, बुधवार, १ अगस्त, २०१८
जनसंदेश टाइम्स
परख सच की
डोकलाम में तिलभर भी परिवर्तन नहीं : सुषमा - 15
www.jansandeshtimes.net

इलाहाबाद

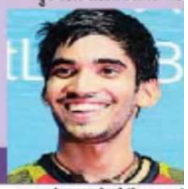

मुक्त विवि में राजर्षि टण्डन जयंती समारोह का आयोजन

जनसंदेश न्यूज

हिन्दी के पक्षधर थे राजर्षि पुरूषोतम दास टण्डन : डॉ शर्मा

ध्रुवतारा के रूप में विद्यमान है राजर्षि टण्डन : कुलपति

इलाहाबाद। राजर्षि पुरूषोत्तम दास टण्डन हिन्दी के बहुत बड़े पक्षधर थे, उन्हीं के प्रयासों से हिन्दी राष्ट्रभाषा बनी। टण्डनजी अपनी विचारधारा से पीछे हटने वाले व्यक्ति नही थे, वह अपने सिद्धान्त पर अडिग रहते थे। उनके आदर्शों को आत्मसात करने की आवश्यकता है।

उक्त बातें सदस्य, विधान परिषद उत्तर प्रदेश डा. यज्ञदत्त शर्मा ने बुधवार को उ.प्र राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय इलाहाबाद में राजर्षि टण्डन जयन्ती समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में कही। उन्होंने राजर्षि टण्डन के प्रति श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए कहा कि आज के अवसर पर सभी यह प्रतिज्ञा लें कि टण्डनजी जैसा सादगी भरा जीवन जियें। उन्होंने सारा जीवन समाज सेवा में लगा दिया। उन्होंने आगे कहा कि उ.प्र राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के कार्यक्रम उपयोगी सिद्ध हो रहे हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो.कामेश्वर नाथ सिंह ने कहा कि महापुरूष कभी मरते नहीं हैं। राजर्षि टण्डन आज हमारे बीच नहीं है, लेकिन उनकी काया छाया के रूप में है, वे ध्रुवतारा के रूप में विद्यमान हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय राजनैतिक क्षितिज में जब किसी राजनीतिज्ञ को दिशा बोध करना होगा तो वे राजर्षि टण्डन जैसे ध्रुवतारा की तरफ देखेगा। उनका जीवन अपने परिवार के लिए न होकर देश एवं राष्ट्रीयता के लिए था। उन्होंने कहा कि दुनिया उसी को याद करती है जो समाज के लिए जीता है। समाज और देश हित में अपने को स्वाहा कर देता है। राजर्षि टण्डन इसीलिए याद किए जाते हैं क्योंकि उन्होंने अपना सम्पूर्ण जीवन दीन दुखियों एवं समाज के बेसहारा लोगों की सेवा में लगा दिया। ऐसे महापुरूषों की जयन्ती मनाना आस्था एवं निष्ठा का विषय है। उन्होंने कहा कि राजर्षि टण्डन के जीवन से हमें यह शिक्षा मिलती है कि व्यक्ति के पद से उसका कद नहीं बढ़ता बल्कि कद से पद बढ़ता है। समाज में फैली विसंगतियों को दूर करने के लिए आशावादी होना पड़ेगा तभी वांछित परिणाम सामने आयेंगे। इस अवसर पर निदेशक कृषि विज्ञान विद्याशाखा प्रो.प्रेम प्रकाश दुबे ने कहा कि राजर्षि टण्डन की ख्याति स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, साहित्य प्रेमी एवं समाजसेवी के रूप में थी। निदेशक प्रबन्धन अध्ययन विद्याशाखा प्रो. ओमजी गुप्ता ने कहा कि उनका स्वभाव ऋषि की तरह था, प्रयाग से उनका गहरा नाता था। वे मदन मोहन मालवीय और लाला लाजपत राय से प्रभावित थे। उनके जीवन में निराला के फक्कड़पन की छाप भी दिखायी देती है। कार्यक्रम का संचालन डा.स्मिता अग्रवाल तथा धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव प्रो. गिरिजा शंकर शुक्ल ने किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि एवं कुलपति ने विश्वविद्यालय के उपकुलसचिव डा.राजेश कुमार पाण्डेय कृत ह्यप्रबन्धकीय निर्णयन हेतु लेखांकनह्न पुस्तक का विमोचन भी किया। समारोह में संयोजक प्रो. आरपीएस यादव, प्रो.आशुतोष गुप्ता, प्रो. पी.के पाण्डेय, प्रो.सुधांशु त्रिपाठी, डा. टी.एन दुबे आदि उपस्थित रहे।

पुस्तक का विमोचन करते अतिथिगण

राष्ट्रीय एकता के प्रति समर्पित
यूनाइटेड भारत
UNITED
संस्थापक स्व. श्री शिवरामदास गुलाटी
बिक्री हेतु नहीं
इलाहाबाद, बृहस्पतिवार 02 अगस्त 2018 - मूल्य 1.50 रुपया, पृष्ठ 8
RNI UP HIN/2001/2941 AD/227/09-15-17

राजर्षि टण्डन जयंती समारोह

हिन्दी के पक्षधर थे राजर्षि पुरुषोत्तम दास टण्डन: डॉ. शर्मा

ध्रुवतारा के रूप में विद्यमान हैं राजर्षि टण्डन : कुलपति

पुस्तक का विमोचन करते अतिथिगण

इलाहाबाद, ०१ अगस्त । राजर्षि पुरुषोत्तम दास टण्डन हिन्दी के बहुत बड़े पक्षधर थे, उन्हीं के प्रयासों से हिन्दी राष्ट्रभाषा बनी। टण्डनजी अपनी विचारधारा से पीछे हटने वाले व्यक्ति नहीं थे, वह अपने सिद्धान्त पर अडिग रहते थे। उनके आदर्शों को आत्मसात करने की आवश्यकता है।

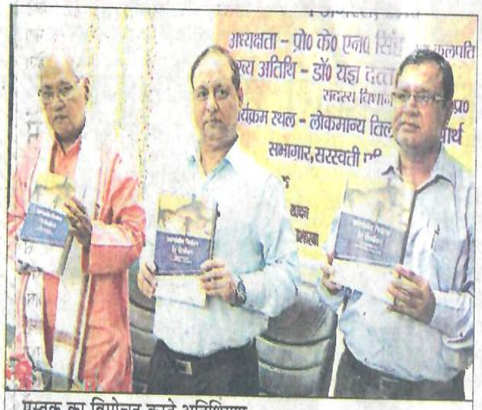

उक्त बातें सदस्य, विधान परिषद उत्तर प्रदेश डा. यज्ञदत्त शर्मा ने बुधवार को उ.प्र राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय इलाहाबाद में राजर्षि टण्डन जयन्ती समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में कही। उन्होंने राजर्षि टण्डन के प्रति श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए कहा कि आज के अवसर पर सभी यह प्रतिज्ञा लें कि टण्डनजी जैसा सादगी भरा जीवन जियें। उन्होंने सारा जीवन समाज सेवा में लगा दिया। उन्होंने आगे कहा कि उ.प्र राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के कार्यक्रम उपयोगी सिद्ध हो रहे हैं।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो.कामेश्वर नाथ सिंह ने कहा कि महापुरूश कभी मरते नहीं हैं। राजर्षि टण्डन आज हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन उनकी काया छाया के रूप में है, वे ध्रुवतारा के रूप में विद्यमान हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय राजनैतिक क्षितिज में जब किसी राजनीतिज्ञ को दिशा बोध करना होगा तो वे राजर्षि टण्डन जैसे ध्रुवतारा की तरफ देखेगा। उनका जीवन अपने परिवार के लिए न होकर देश एवं राष्ट्रीयता के लिए था। उन्होंने कहा कि दुनिया उसी को याद करती है जो समाज के लिए जीता है। समाज और देश हित में अपने को स्वाहा कर देता है।इस अवसर पर निदेशक कृषि विज्ञान विद्या ाखा प्रो.प्रेम प्रकाश दुबे ने कहा कि राजर्षि टण्डन की ख्याति स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, साहित्य प्रेमी एवं समाजसेवी के रूप में थी।कार्यक्रम का संचालन डा.स्मिता अग्रवाल तथा धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव प्रो. गिरिजा शंकर शुक्ल ने किया।

आज

वेंकैया नायडू
अमित शाह की भाषा अमर्यादित नहीं
पश्चिम बंगाल में नहीं लागू होने दूंगी एनआरसी
ममता बनर्जी

मुक्त विवि में मनायी गयी राजर्षि टण्डन जयंती

ध्रुवतारा के रूप में विद्यमान हैं राजर्षि टण्डन- कुलपति

राजर्षि पुरूषोत्तम दास टण्डन हिन्दी के बहुत बड़े पक्षधर थे, उन्हीं के प्रयासों से हिन्दी राष्ट्रभाषा बनी। टण्डनजी अपनी विचारधारा से पीछे हटने वाले व्यक्ति नही थे, वह अपने सिद्धान्त पर अडिग रहते थे। उनके आदर्शों को आत्मसात करने की आवश्यकता है।

उक्त बातें सदस्य, विधान परिषद उत्तर प्रदेश डा. यज्ञदत्त शर्मा ने बुधवार को उ.प्र राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय इलाहाबाद में राजर्षि टण्डन जयन्ती समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में कही। उन्होंने राजर्षि टण्डन के प्रति श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए कहा कि आज के अवसर पर सभी यह प्रतिज्ञा लें कि टण्डनजी जैसा सादगी भरा जीवन जियें। उन्होंने सारा जीवन समाज सेवा में लगा दिया। उन्होंने आगे कहा कि उ.प्र राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के कार्यक्रम उपयोगी सिद्ध हो रहे है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो.कामेश्वर नाथ सिंह ने कहा कि महापुरूष कभी मरते नहीं है। राजर्षि टण्डन आज हमारे बीच नहीं है, लेकिन उनकी काया छाया के रूप में है, वे ध्रुवतारा के रूप में विद्यमान है। उन्होंने कहा कि भारतीय राजनैतिक क्षितिज में जब किसी राजनीतिज्ञ को दिशा बोध करना होगा तो वे राजर्षि टण्डन जैसे ध्रुवतारा की तरफ देखेगा। उनका जीवन अपने परिवार के लिए न होकर देश एवं राष्ट्रीयता के लिए था। उन्होंने कहा कि दुनिया उसी को याद करती है जो समाज के लिए जीता है। समाज और देश हित में अपने को स्वाहा कर देता है। राजर्षि टण्डन इसीलिए याद किए जाते है क्योंकि उन्होंने अपना सम्पूर्ण जीवन दीन दुखियों एवं समाज के बेसहारा लोगों की सेवा में लगा दिया। ऐसे महापुरूषों की जयन्ती मनाना आस्था एवं निष्ठा का विषय है। उन्होंने कहा कि राजर्षि टण्डन के जीवन से हमें यह शिक्षा मिलती है कि व्यक्ति के पद से उसका कद नहीं बढ़ता बल्कि कद से पद बढ़ता है। समाज में फैली विसंगतियों को दूर करने के लिए आशावादी होना पड़ेगा तभी वांछित परिणाम सामने आयेंगे। इस अवसर पर निदेशक कृषि विज्ञान विद्याशाखा प्रो.प्रेम प्रकाश दुबे ने कहा कि राजर्षि टण्डन की ख्याति स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, साहित्य प्रेमी एवं समाजसेवी के रूप में थी।

निदेशक प्रबन्धन अध्ययन विद्याशाखा प्रो. ओमजी गुप्ता ने कहा कि उनका स्वभाव ऋषि की तरह था, प्रयाग से उनका गहरा नाता था। वे मदन मोहन मालवीय और लाला लाजपत राय से प्रभावित थे। उनके जीवन में निराला के फक्कड़पन की छाप भी दिखायी देती है। कार्यक्रम का संचालन डा.स्मिता अग्रवाल तथा धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव प्रो. गिरिजा शंकर शुक्ल ने किया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि एवं कुलपति ने विश्वविद्यालय के उपकुलसचिव डा.राजेश कुमार पाण्डेय कृत 'प्रबन्धकीय निर्णयन हेतु लेखांकन' पुस्तक का विमोचन भी किया। समारोह में संयोजक प्रो. आरपीएस यादव, प्रो.आशुतोष गुप्ता, प्रो. पी.के पाण्डेय, प्रो.सुधांशु त्रिपाठी, डा. टी.एन दुबे आदि उपस्थित रहे।

सूचना-मेरा नाम राजेश सिंह पुत्र तेज प्रताप के बजाय राजेश कुमार सिंह पुत्र तेज प्रताप सिंह के नाम से जाना पहचाना व लिखा जाय। ग्राम चौकठा थाना घूरपुर जनपद इलाहाबाद

NOTICE

My Son is the Student of IXth Class Due to mistake the name of my son is mentioned in the college record as ANGRAJ. Therefore my sons name is ANGRAJ KUMAR. It is his real and correct. Brijesh Kumar S/o Sajiwan Lal R/o-5A, Shambhoo Barack Cantt. Allahabad

मुक्त चिंतन News Letter

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

A Quarterly News Bulletin of U.P. Rajarshi Tandon Open University, Allahabad

हम पहुँचे वहाँ, पहुँचा न कोई जहाँ

02 अगस्त, 2018

इलाहाबाद क्षेत्रीय केन्द्र से सम्बद्ध अध्ययन केन्द्रों के समन्वयकों की कार्यशाला

दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यशाला का उद्घाटन करते हुए माननीय अतिथि

कौशल विकास के कार्यक्रम रोजगार में मददगार : प्रो सिंह

दिनांक 02 अगस्त, 2018 को विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर स्थित लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में इलाहाबाद क्षेत्रीय केन्द्र के अन्तर्गत आने वाले अध्ययन केन्द्रों के प्राचार्य एवं समन्वयकों की कार्यशाला **''मुक्त शिक्षाः चुनौतियाँ एवं संभावनायें''** विषय पर आयोजित की गयी। कार्यशाला के मुख्य अतिथि इलाहाबाद मण्डल के पूर्व आयुक्त श्री वी0के0 सिंह जी रहे एवं कार्यशाला की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी ने की।

मुख्य अतिथि का स्वागत क्षेत्रीय केन्द्र इलाहाबाद के निदेशक डॉ0 अभिषेक सिंह ने किया। संचालन उपनिदेशक मानविकी डॉ0 विनोद कुमार गुप्त एवं कार्ययोजना के बारे में प्रभारी निदेशक प्रो0 गिरिजा शंकर शुक्ल ने जानकारी दी। सरस्वती वन्दना अमृता उपाध्याय ने प्रस्तुत की। धन्यवाद ज्ञापन निदेशक मानविकी प्रो0 आर0पी0एस0 यादव ने किया।

इस अवसर पर अनौपचारिक सत्र में समन्वयकों द्वारा केन्द्र पर सुविधा बढ़ाने की मांग की गयी। अन्य तकनीकी सत्रों में परीक्षा नियंत्रक डॉ0 जी0के0 द्विवेदी, अध्ययन केन्द्र प्रभारी प्रो0 पी0पी0 दुबे, प्रवेश प्रभारी प्रो0 आर0पी0एस0 यादव, तकनीकी अधिकारी श्री शहबाज अहमद आदि ने परीक्षाफलों के निस्तारण, अधिन्यास, ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया का प्रस्तुतिकरण, वित्त संबंधी, योग पाठयक्रम, दीक्षान्त समारोह, स्वअध्ययन सामग्री, नये कार्यक्रम तथा पाठ्यक्रम के विषय में विस्तार से जानकारी दी। नवनिर्मित अध्ययन केन्द्र संचालन निर्देशिका की प्रति मुख्य अतिथि श्री सिंह एवं केन्द्र समन्वयकों को प्रदान की गयी।

अनौपचारिक सत्र

प्रारम्भ में सभी अध्ययन केन्द्रों के प्राचार्य/समन्वयकों की एक अनौपचारिक सत्र का आयोजन किया गया, जिसमें प्राचार्य/समन्वयकों ने अपने–अपने क्षेत्र से सम्बन्धित समस्यायें एवं सुझावों को आपस में साझा किया।

अनौपचारिक सत्र का संचालन करते हुए सह प्रभारी निदेशक क्षेत्रीय केन्द्र इलाहाबा डॉ0 विनोद कुमार गुप्ता एवं अनौपचारिक सत्र को सम्बोधित करते हुए मानविकी विद्याशाखा के निदेशक प्रो0 आर0पी0एस0 यादव तथा मंचासीन कुलसचिव एवं प्रभारी निदेशक क्षेत्रीय केन्द्र इलाहाबाद प्रो0 जी0एस0 शुक्ल व क्षेत्रीय केन्द्र निदेशक डॉ0 अभिषेक सिंह।

अनौपचारिक सत्र में अध्ययन केन्द्रों के प्राचार्य एवं समन्वयकों ने अपने–अपने क्षेत्र से सम्बन्धित समस्यायें एवं सुझावों को आपस में साझा करते हुए।

आन लाइन प्रवेश प्रकिया के बारे में बताते हुए टेक्निकल आफिसर श्री सहवाज अहमद, अनौपचारिक सत्र में बोलते हुए कुलसचिव एवं प्रभारी निदेशक क्षेत्रीय केन्द्र इलाहाबाद प्रो0 जी0एस0 शुक्ल एवं निदेशक कृषि विज्ञान विद्याशाखा प्रो0 पी0पी0 दुबे।

उद्घाटन सत्र

कार्यशाला का संचालन करते हुए उपनिदेशक मानविकी विद्याशाखा डॉ0 विनोद कुमार गुप्त एवं मंचासीन माननीय अतिथि

दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यशाला का उद्घाटन करते हुए माननीय अतिथि

सुमधुर स्वर में सरस्वती वन्दना एवं वन्देमातरम प्रस्तुत करती हुई अमृता उपाध्याय

मुख्य अतिथि इलाहाबाद मण्डल के पूर्व आयुक्त श्री वी0के0 सिंह जी को पुष्पगुच्छ प्रदान कर उनका स्वागत करते हुए प्रभारी निदेशक क्षेत्रीय केन्द्र इलाहाबाद एवं विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी पुष्पगुच्छ प्रदान कर उनका स्वागत करते हुए इलाहाबाद क्षेत्रीय केन्द्र निदेशक डॉ0 अभिषेक सिंह।

माननीय मुख्य अतिथि श्री वी0के0 सिंह जी को अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर उनका स्वागत करते हुए माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी

माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी अंगवस्त्र प्रदान करते हुए माननीय मुख्य अतिथि श्री वी0के0 सिंह जी एवं सभागार में उपस्थित समन्वयक एवं प्राचार्यगण।

माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी स्मृति चिन्ह प्रदान कर उनका स्वागत करते हुए उपरदहा डिग्री कालेज इलाहाबाद के समन्वयक डॉ0 धीरज सिंह एवं साथ में इलाहाबाद क्षेत्रीय केन्द्र निदेशक डॉ0 अभिषेक सिंह।

माननीय अतिथियों का स्वागत करते हुए क्षेत्रीय केन्द्र इलाहाबाद के निदेशक डॉ0 अभिषेक सिंह

विश्वविद्यालय के कार्ययोजना के बारे में बताते हुए प्रभारी निदेशक प्रो0 गिरिजा शंकर शुक्ल

मुख्य अतिथि श्री बी0के0 सिंह जी को नवनिर्मित अध्ययन केन्द्र संचालन निर्देशिका की प्रति प्रदान करता हुआ विश्वविद्यालय परिवार

श्री वी0के0 सिंह

मुक्त शिक्षा देश के लिए वरदान – पूर्व मण्डलायुक्त

मुख्य अतिथि इलाहाबाद मण्डल के पूर्व आयुक्त श्री वी0के0 सिंह ने कहा कि मुक्त शिक्षा देश के लिए वरदान है। ऐसे लोग जो गरीबी के कारण आगे की शिक्षा ग्रहण नहीं कर पाते या जो सेवा में आ गए हैं वे मुक्त शिक्षा के जरिए अपना ज्ञानार्जन कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि दक्षिण भारत में मनरेगा में काम करने वाला युवक ने मुक्त शिक्षा पद्धति से शिक्षा ग्रहण करते हुए भारतीय प्रशासनिक सेवा में अपना स्थान बनाया। उन्होंने कहा कि यह समन्वयकों की जिम्मेदारी है कि वे अपने केन्द्रों से ऐसे मेधावियों की पहचान कर उन्हें आगे बढ़ायें।

कौशल विकास के कार्यक्रम रोजगार में मददगार– प्रो0 सिंह

कार्यशाला को सम्बोधित करते हुए माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी

कार्यशाला को सम्बोधित करते हुए माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी ने कहा कि मौजूदा डिजीटल युग में मुक्त शिक्षा के क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं। कौशल विकास पर आधारित कार्यक्रम पूर्ण करके युवा विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार प्राप्त कर सकते हैं। मुक्त विश्वविद्यालय ने कई नए रोजगार प्राप्त कर सकते हैं। मुक्त विश्वविद्यालय ने कई नए रोजगार परक पाठ्यक्रम प्रारम्भ करके इस दिशा में तेजी से कदम बढ़ाये हैं।

प्रो0 सिंह ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि मुक्त विश्वविद्यालय को उच्च शिक्षा से वंचित वर्ग की अंतर्निहित क्षमता का विकास व विस्तार करना है। इसमें केन्द्र समन्वयक महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। उन्होंने कहा कि केन्द्र समन्वयकों के सामने सबसे बड़ी चुनौती है। ऐसे में उन्हें प्रवेश के इच्छुक लोगों को विश्वविद्यालय के रोजगारपरक कार्यक्रमों के बारे में अधिकाधिक जानकारी देनी चाहिए। आज के इस प्रतियोगी दौर में केवल बी0ए0 का कोई महत्व नहीं रह गया है। इसलिए बी0ए0 के साथ डिप्लोमा एवं प्रमाणपत्र कार्यक्रम भी साथ में करने की सुविधा मुक्त शिक्षा पद्धति में है। यह जानकारी दूर दराज के क्षेत्रों में पहुंचनी चाहिए।

परीक्षाफलों के निस्तारण के सम्बन्ध में जानकारी देते हुए परीक्षा नियंत्रक डॉ0 जी0के0 द्विवेदी,

धन्यवाद ज्ञापित करते हुए निदेशक प्रो0 आर0पी0एस0 यादव,

हिन्दी दैनिक

इलाहाबाद एक्सप्रेस

....सच का आधार

वर्ष : 9 अंक : 125 इलाहाबाद, शुक्रवार 3 अगस्त 2018 पृष्ठ 8 मूल्य : 1 रुपया

विविध :पोत परिवहन क्षेत्र की हालत ... | विचार : दर्शन का मूल उद्देश्य विश्व... | सिनेमा :दिमाग से लड़ रहे इरफान, मरने के ...

इलाहाबाद — इलाहाबाद, शुक्रवार, 3 अगस्त 2018 — इलाहाबाद एक्सप्रेस

मुक्त शिक्षा देश के लिए वरदान : पूर्व आयुक्त

इलाहाबाद। मुक्त शिक्षा देश के लिए वरदान हैं, ऐसे लोग जो गरीबी के कारण आगे की शिक्षा ग्रहण नहीं कर पाते या जो सेवा में आ गए हैं वे मुक्त शिक्षा के जरिए अपना ज्ञानार्जन कर सकते हैं।उक्त विचार मुख्य अतिथि इलाहाबाद मण्डल के पूर्व आयुक्त वी.के सिंह ने गुरूवार को उ.प्र राजर्षि टण्डन मुक्त विवि में इलाहाबाद क्षेत्रीय केन्द्र से सम्बद्ध अध्ययन केन्द्रों के समन्वयकों की कार्यशाला में संबोधित करते हुए व्यक्त किया। उन्होंने बताया कि दक्षिण भारत में मनरेगा में काम करने वाले एक युवक ने मुक्त शिक्षा पद्धति से शिक्षा ग्रहण करते हुए भारतीय प्रशासनिक सेवा में अपना स्थान बनाया। उन्होंने कहा कि यह समन्वयकों की जिम्मेदारी है कि वे अपने केन्द्रों से ऐसे मेधावियों की पहचान कर उन्हें आगे बढ़ायें।कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए उ.प्र राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.कामेश्वर नाथ सिंह ने कहा कि मौजूदा डिजिटल युग में मुक्त शिक्षा के क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं। कौशल विकास पर आधारित कार्यक्रम पूर्ण करके युवा विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार प्राप्त कर सकते हैं। मुक्त विवि ने कई नए

कौशल विकास के कार्यक्रम रोजगार में मददगार : प्रो सिंह

रोजगार परक पाठ्यक्रम प्रारम्भ करके इस दिशा में तेजी से कदम बढ़ाये हैं। उन्होंने कहा कि मुक्त विवि को उच्च शिक्षा से वंचित वर्ग की अंतर्निहित क्षमता का विकास व विस्तार करना है। इसमें केन्द्र समन्वयक महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। कहा कि केन्द्र समन्वयकों के सामने सबसे बड़ी चुनौती है। ऐसे में उन्हें प्रवेश के इच्छुक लोगों को विश्वविद्यालय के रोजगारपरक कार्यक्रमों के बारे में अधिकाधिक जानकारी देनी चाहिए। आज के इस प्रतियोगी दौर में केवल बी.ए का कोई महत्व नहीं रह गया है। इसलिए स्नातक के साथ डिप्लोमा एवं प्रमाणपत्र कार्यक्रम भी साथ में करने की सुविधा मुक्त शिक्षा पद्धति में है। यह जानकारी दूर दराज के क्षेत्रों में पहुंचनी चाहिए। कार्यक्रम का संचालन उपनिदेशक मानविकी डा.विनोद कुमार गुप्त एवं कार्ययोजना के बारे में प्रभारी निदेशक प्रो. गिरिजा शंकर शुक्ल ने जानकारी दी। धन्यवाद ज्ञापन निदेशक मानविकी प्रो. आरपीएस यादव ने किया। इस अवसर पर अन्य तकनीकी सत्रों में परीक्षा नियंत्रक डा. जी.के द्विवेदी, अध्ययन केन्द्र प्रभारी प्रो. पी.पी दुबे, तकनीकी अधिकारी शहबाज अहमद आदि ने परीक्षाफलों के निस्तारण, अधिन्यास, ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया का प्रस्तुतिकरण, वित्त संबंधी, योग पाठ्यक्रम, दीक्षान्त समारोह, स्व अध्ययन सामग्री, नये कार्यक्रम तथा पाठ्यक्रम के विषय में जानकारी दी।

इलाहाबाद, शुक्रवार, 3 अगस्त, 2018

परख सच की

जनसंदेश टाइम्स

काउंटी क्रिकेट से मिला फायदा : अश्विन - 13

ओबामा ने भारतीय मूल के तिब्बती का चुनाव के लिए किया समर्थन - 15

शुक्रवार, 3 अगस्त, 2018

इलाहाबाद

मुक्त शिक्षा देश के लिए वरदानः पूर्व आयुक्त

जनसंदेश न्यूज

कौशल विकास के कार्यक्रम रोजगार में मददगार : प्रो सिंह

इलाहाबाद क्षेत्रीय केन्द्र से सम्बद्ध अध्ययन केन्द्रों के समन्वयकों की कार्यशाला

इलाहाबाद। मुक्त शिक्षा देश के लिए वरदान है, ऐसे लोग जो गरीबी के कारण आगे की शिक्षा ग्रहण नही कर पाते या जो सेवा में आ गए हैं वे मुक्त शिक्षा के जरिए अपना ज्ञानार्जन कर सकते हैं। उक्त विचार मुख्य अतिथि इलाहाबाद मण्डल के पूर्व आयुक्त वी.के सिंह ने गुरूवार को उ.प्र राजर्षि टण्डन मुक्त विवि में इलाहाबाद क्षेत्रीय केन्द्र से सम्बद्ध अध्ययन केन्द्रों के समन्वयकों की कार्यशाला में संबोधित करते हुए व्यक्त किया। उन्होंने बताया कि दक्षिण भारत में मनरेगा में काम करने वाले एक युवक ने मुक्त शिक्षा पद्धति से शिक्षा ग्रहण करते हुए भारतीय प्रशासनिक सेवा में अपना स्थान बनाया। उन्होंने कहा कि यह समन्वयकों की जिम्मेदारी है कि वे अपने केन्द्रों से ऐसे मेधावियों की पहचान कर उन्हें आगे बढ़ायें।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए उ.प्र राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.कामेश्वर नाथ सिंह ने कहा कि मौजूदा डिजिटल युग में मुक्त शिक्षा के क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं। कौशल विकास पर आधारित कार्यक्रम पूर्ण करके युवा विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार प्राप्त कर सकते हैं। मुक्त विवि ने कई नए रोजगार परक पाठ्यक्रम प्रारम्भ करके इस दिशा में तेजी से कदम बढ़ाये हैं। उन्होंने कहा कि मुक्त विवि को उच्च शिक्षा से वंचित वर्ग की अंतर्निहित क्षमता का विकास व विस्तार करना है। इसमें केन्द्र समन्वयक महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। कहा कि केन्द्र समन्वयकों के सामने सबसे बड़ी चुनौती है। ऐसे में उन्हें प्रवेश के इच्छुक लोगों को विश्वविद्यालय के रोजगारपरक कार्यक्रमों के बारे में अधिकाधिक जानकारी देनी चाहिए। आज के इस प्रतियोगी दौर में केवल बी.ए का कोई महत्व नही रह गया है। इसलिए स्नातक के साथ डिप्लोमा एवं प्रमाणपत्र कार्यक्रम भी साथ में करने की सुविधा मुक्त शिक्षा पद्धति में है। यह जानकारी दूर दराज के क्षेत्रों में पहुंचनी चाहिए। कार्यक्रम का संचालन उपनिदेशक मानविकी डा.विनोद कुमार गुप्त एवं कार्ययोजना के बारे में प्रभारी निदेशक प्रो. गिरिजा शंकर शुक्ल ने जानकारी दी। धन्यवाद ज्ञापन निदेशक मानविकी प्रो. आरपीएस यादव ने किया। इस अवसर पर अन्य तकनीकी सत्रों में परीक्षा नियंत्रक डा. जी.के द्विवेदी, अध्ययन केन्द्र प्रभारी प्रो. पी.पी दुबे, तकनीकी अधिकारी शहबाज अहमद आदि ने परीक्षाफलों के निस्तारण, अधिन्यास, ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया का प्रस्तुतिकरण, वित्त संबंधी, योग पाठ्यक्रम, दीक्षान्त समारोह, स्व अध्ययन सामग्री, नये कार्यक्रम तथा पाठ्यक्रम के विषय में जानकारी दी।

संबोधित करते पूर्व आयुक्त वीके सिंह

राष्ट्रीय एकता के प्रति समर्पित

युनाइटेड भारत

मुक्त शिक्षा देश के लिए वरदान : पूर्व आयुक्त

संबोधित करते पूर्व आयुक्त वीके सिंह

इलाहाबाद, ०२ अगस्त । मुक्त शिक्षा देश के लिए वरदान है, ऐसे लोग जो गरीबी के कारण आगे की शिक्षा ग्रहण नहीं कर पाते या जो सेवा में आ गए हैं वे मुक्त शिक्षा के जरिए अपना ज्ञानार्जन कर सकते हैं।उक्त विचार मुख्य अतिथि इलाहाबाद मण्डल के पूर्व आयुक्त वी.के सिंह ने गुरूवार को उ.प्र राजर्षि टण्डन मुक्त विवि में इलाहाबाद क्षेत्रीय केन्द्र से सम्बद्ध अध्ययन केन्द्रों के समन्वयकों की कार्य शाला में संबोधित करते हुए व्यक्त किया। उन्होंने बताया कि दक्षिण भारत में मनरेगा में काम करने वाले एक युवक ने मुक्त शिक्षा पद्धति से शिक्षा ग्रहण करते हुए भारतीय प्रशासनिक सेवा में अपना स्थान बनाया। उन्होंने कहा कि यह समन्वयकों की जिम्मेदारी है कि वे अपने केन्द्रों से ऐसे मेधावियों की पहचान कर उन्हें आगे

कौशल विकास के कार्यक्रम रोजगार में मददगार : प्रो सिंह

बढ़ायें।कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए उ.प्र राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.कामेश्वर नाथ सिंह ने कहा कि मौजूदा डिजिटल युग में मुक्त शिक्षा के क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं। कौशल विकास पर आधारित कार्यक्रम पूर्ण करके युवा विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार प्राप्त कर सकते हैं। मुक्त विवि ने कई नए रोजगार परक पाठ्यक्रम प्रारम्भ करके इस दिशा में तेजी से कदम बढ़ाये हैं। कार्यक्रम का संचालन उपनिदेशक मानविकी डा.विनोद कुमार गुप्त एवं कार्ययोजना के बारे में प्रभारी निदेशक प्रो. गिरिजा शंकर शुक्ल ने जानकारी दी। धन्यवाद ज्ञापन निदेशक मानविकी प्रो. आरपीएस यादव ने किया। इस अवसर पर अन्य तकनीकी सत्रों में परीक्षा नियंत्रक डा. जी.के द्विवेदी, अध्ययन केन्द्र प्रभारी प्रो. पी.पी दुबे, तकनीकी अधिकारी शाहबाज अहमद खान ने परीक्षाफलों के निस्तारण, अधिन्यास, ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया का प्रस्तुतिकरण, वित्त संबंधी, योग पाठयक्रम, दीक्षान्त समारोह, स्व अध्ययन सामग्री, नये कार्यक्रम तथा पाठ्यक्रम के विशय में जानकारी दी।

मुक्त चिंतन News Letter

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

A Quarterly News Bulletin of U.P. Rajarshi Tandon Open University, Allahabad

हम पहुँचे वहाँ, पहुँचा न कोई जहाँ

03 अगस्त, 2018

विद्या परिषद् की 54वीं बैठक आयोजित

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय की विद्या परिषद् की 54वीं बैठक दिनांक 03 अगस्त 2018 को अपराह्न 03:00 बजे कमेटी कक्ष में आहूत की गई। बैठक की अध्यक्षता प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह, कुलपति, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद ने की। बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिये गये।

माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह

बैठक में प्रो0 ओमजी गुप्ता, निदेशक, प्रबन्धन अध्ययन विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद, प्रो0 पी0पी0 दुबे, निदेशक, कृषि विज्ञान विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद, प्रो0 आर0पी0एस0 यादव, निदेशक, मानविकी विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद, प्रो0 आशुतोष गुप्ता निदेशक, विज्ञान विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद, प्रो0 पी0के0 पाण्डेय, शिक्षा विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद, प्रो0 सुधाशु त्रिपाठी, समाज विज्ञान विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद, डॉ0 सन्तोषा कुमार, एसोसिएट प्रोफेसर, समाज विज्ञान विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद, डॉ0 विनोद कुमार गुप्ता उपनिदेशक/एसोसिएट प्रोफेसर, मानविकी विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद, डॉ0 साधना श्रीवास्तव असिस्टेन्ट प्रोफेसर, मानविकी विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, श्री सुनील कुमार, असिस्टेन्ट प्रोफेसर, मानविकी विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद एवं प्रो0 गिरिजा शंकर शुक्ल निदेशक, स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा/कुलसचिव, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद उपस्थित रहे।

विद्या परिषद की बैठक की अध्यक्षता करते हुए माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी एवं बैठक में उपस्थित सदस्यगण।

मुक्त चिंतन News Letter

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

A Quarterly News Bulletin of U.P. Rajarshi Tandon Open University, Allahabad

हम पहुँचे वहाँ, पहुँचा न कोई जहाँ

04 अगस्त, 2018

लखनऊ क्षेत्रीय केन्द्र से सम्बद्ध अध्ययन केन्द्रों के प्रचार्य एवं समन्वयकों की कार्यशाला

दिनांक 04 अगस्त, 2018 को विश्वविद्यालय के अध्ययन केन्द्र लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ में लखनऊ क्षेत्रीय केन्द्र के अन्तर्गत आने वाले अध्ययन केन्द्रों के प्राचार्य एवं समन्वयकों की कार्यशाला **"मुक्त शिक्षाः चुनौतियॉ एवं संभावनायें"** विषय पर तथा अध्ययन केन्द्र लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ का उद्घाटन समारोह आयोजित की गयी। कार्यशाला के मुख्य अतिथि लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ के माननीय कुलपति प्रो0 एस0पी0 सिंह जी, विशिष्ट अतिथि समाज शास्त्र विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ प्रो0 आर0के0 सिंह जी रहे एवं कार्यशाला की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी ने की।

दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यशाला का उद्घाटन करते हुए मुख्य अतिथि
माननीय कुलपति प्रो0 एस0पी0 सिंह जी एवं माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी

माननीय अतिथियों का स्वागत विश्वविद्यालय के अध्ययन केन्द्र लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ के समन्वयक प्रो0 डी0के0 सिंह ने किया। संचालन समाज शास्त्र विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ डॉ0 संध्या एवं कार्ययोजना के बारे में प्रभारी निदेशक प्रो0 ओमजी गुप्ता ने जानकारी दी। निदेशक मानविकी विद्याशाख एवं प्रवेश प्रभारी प्रो0 आर0पी0एस0 यादव ने विश्वविद्यालय की नयी योजनाओं पर प्रकाश डाला। धन्यवाद ज्ञापन लखनऊ क्षेत्रीय केन्द्र की निदेशिका डॉ0 निराजंली सिन्हा ने किया।

इस अवसर पर अनौपचारिक सत्र में समन्वयकों द्वारा केन्द्र पर सुविधा बढ़ाने की मांग की गयी। अन्य तकनीकी सत्रों में परीक्षा प्रवेश प्रभारी प्रो0 आर0पी0एस0 यादव, प्रभारी निदेशक प्रो0 ओमजी गुप्ता एवं तकनीकी अधिकारी श्री शहबाज अहमद आदि ने परीक्षाफलों के निस्तारण, अधिन्यास, ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया का प्रस्तुतिकरण, वित्त संबंधी, योग पाठयक्रम, दीक्षान्त समारोह, स्वअध्ययन सामग्री, नये कार्यक्रम तथा पाठ्यक्रम के विषय में विस्तार से जानकारी दी। नवनिर्मित अध्ययन केन्द्र संचालन निर्देशिका की प्रति मुख्य अतिथि प्रो0 एस0पी0 सिंह एवं केन्द्र समन्वयकों को प्रदान की गयी।

राजर्षि टंडन मुक्त विवि द्वारा आयोजित कार्यशाला

कार्यशाला का संचालन करती हुई डॉ0 संध्या

अनौपचारिक सत्र

प्रारम्भ में सभी अध्ययन केन्द्रों के प्राचार्य एवं समन्वयकों की एक अनौपचारिक सत्र का आयोजन किया गया, जिसमें प्राचार्य/समन्वयकों ने अपने–अपने क्षेत्र से सम्बन्धित समस्यायें एवं सुझावों को आपस में साझा किया।

उद्घाटन सत्र

माननीय अतिथियों का स्वागत विश्वविद्यालय के अध्ययन केन्द्र लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ के समन्वयक प्रो0 डी0के0 सिंह

कार्यशाला के मुख्य अतिथि माननीय कुलपति प्रो0 एस0पी0 सिंह जी को पुष्पगुच्छ प्रदान कर उनका स्वागत कारती हुई लखनऊ क्षेत्रीय केन्द्र की निदेशिका डॉ0 निराजंली सिन्हा एवं माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी को पुष्पगुच्छ प्रदान कर उनका स्वागत करते हुए समन्वयक प्रो0 डी0के0 सिंह तथा विशिष्ट अतिथि प्रो0 आर0के0 सिंह जी, प्रभारी निदेशक प्रो0 ओमजी गुप्ता व निदेशक मानविकी विद्याशाख एवं प्रवेश प्रभारी प्रो0 आर0पी0एस0 यादव को पुष्पगुच्छ प्रदान कर उनका स्वागत कारती हुई लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ की शिक्षकायें एवं समन्वयक प्रो0 डी0के0 सिंह जी को पुष्पगुच्छ प्रदान कर उनका स्वागत कारती हुई लखनऊ क्षेत्रीय केन्द्र की निदेशिका डॉ0 निराजंली सिन्हा

कार्यशाला में सरस्वती वन्दना प्रस्तुत करती हुई लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ की छात्रायें एवं सभागार में उपस्थित अध्ययन केन्द्रों के प्राचार्य एवं समन्वयकगण

विश्वविद्यालय के कार्ययोजना के बारे में बताते हुए लखनऊ क्षेत्रीय केन्द्र के प्रभारी निदेशक प्रो0 ओमजी गुप्ता एवं प्रवेश प्रक्रिया के सम्बन्ध में बताते हुए निदेशक मानविकी विद्याशाख एवं प्रवेश प्रभारी प्रो0 आर0पी0एस0 यादव

कार्यशाला में अपने विचार व्यक्त करते हुए विशिष्ट अतिथि प्रो0 आर0के0 सिंह जी

मुख्य अतिथि माननीय कुलपति प्रो0 एस0पी0 सिंह जी को अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर उनका स्वागत करते हुए

विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी ।

विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी को अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान करते हुए
मुख्य अतिथि माननीय कुलपति प्रो0 एस0पी0 सिंह जी

प्रो0 एस0पी0 सिंह

परम्परागत तथा दूरस्थ शिक्षा एक समान : प्रो0 एस0पी0 सिंह

मुख्य अतिथि प्रो0 एस0पी0 सिंह ने लखनऊ क्षेत्रीय केन्द्र के अध्ययन केन्द्रों के समन्वयकों एवं प्राचार्यों की कार्यशाला को सम्बोधित करते हुए कहा कि परम्परागत तथा दूरस्थ शिक्षा दोनों एक समान है। गुरु और शिक्षार्थी का रिस्ता बहुत पवित्र रिस्ता है।यह दोनों के रिस्ते पर निर्भर करता है कि शिक्षार्थी किस तरह ज्ञान ग्रहण कर रहा है और गुरु अपने शिष्य को किस तरह की शिक्षा दे रहा है। शिक्षार्थी मुक्त पद्धति में मिले अवसर का सही उपयोग करके अपने कैरियर को सवार सकते हैं।उन्होंने कहा कि हमें मंथन करना पड़ेगा कि मुक्त शिक्षा पद्धति का अधिकतम उपयोग कैसे करें। निरंतरता का प्रवाह जारी रखना होगा।

प्रो0 सिंह ने मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे ऐसे पहले कुलपति हैं जिन्होंने लखनऊ विश्वविद्यालय को मुक्त विश्वविद्यालय के दूरस्थ शिक्षा केन्द्र के रुप में अपने विश्वविद्यालय को जोड़ा। नेशनल पी0जी0 कालेज इस मुक्त विश्वविद्यालय का बेहतरीन केन्द्र रहा है। उस कालेज को भी अध्ययन केन्द्र के रुप में प्रारम्भ करके प्रो0 सिंह ने बहुत श्रेष्ठ कार्य किया है। आने वाले समय में राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय उच्च शिक्षा के क्षेत्र में सर्व श्रेष्ठ विश्वविद्यालय सिद्ध होगा।

प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह

वंचित वर्ग तक मुक्त शिक्षा पहुचाना विश्वविद्यालय का लक्ष्य : प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 के0एन0 सिंह ने लखनऊ क्षेत्रीय केन्द्र के अध्ययन केन्द्रों के समन्वयकों एवं प्राचार्यों की कार्यशाला को सम्बोधित करते हुए कहा कि शैक्षिक क्षेत्र में डिजिटल तकनीकी क्रान्ति के बाद मुक्त शिक्षा के विकास का भविष्य प्रशस्त होता जा रहा है एवं मुक्त शिक्षा ही भविष्य की शिक्षा है। आज देश में 60 करोड़ लोग स्मार्ट फोन एवं 50 करोड़ लोग इन्टरनेट के उपभोक्ता है जिसका उपयोग उच्च शिक्षा के क्षेत्र में करके उच्च शिक्षा में गुणात्मक परिवर्तन सम्भव है। प्रो0 सिंह ने कहा कि भारत में उच्च शिक्षा में एक नामांकन अनुपात 2016–17 में 25 प्रतिशत रहा, जबकि यू0एस0ए0 में यह अनुपात 85 प्रतिशत है। भारत में ही इसके अन्तर प्रादेशिक भिन्नता है। एक तरफ चण्डीगढ़ में 54 प्रतिशत है जबकि बिहार में 14 प्रतिशत एवं उत्तर प्रदेश में 24 प्रतिशत है। मानव संशाधन विकास मंत्रालय इस नामांकन अनुपात को 2020 तक 30 प्रतिशत तक पहुंचाने का लक्ष्य निर्धारित किया है, जिसे पूरा करने में उ0प्र0 मुक्त विश्वविद्यालय की निर्णायक भूमिका है, क्योंकि जनसंख्या की दृष्टि से यह वृहतक राज्य है। राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय ने उ0प्र0 के अनाभिगम्य क्षेत्रों एवं उच्च शिक्षा से वंचित वर्ग तक गुणात्मक उच्च शिक्षा को सर्व सुलभ बनाने का संकल्प लिया है। वंचित वर्ग तक मुक्त शिक्षा पहुचाना विश्वविद्यालय का लक्ष्य है। इस पुनीत कार्य में क्षेत्रीय केन्द्र समन्वयक महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

प्रो0 सिंह ने कहा कि स्नातक एवं स्नातकोत्तर की पढाई के साथ–साथ किसी रोजगार परक शिक्षा में सर्टीफिकेट कोर्स, डिप्लोमा पाठ्यक्रम एवं पी0जी0 डिप्लोमा की पढाई का अवसर राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के अध्ययन केन्द्र प्रदान कर रहें हैं। जी0एस0टी0 एवं बिजनेस, वैदिक गणित, रिमोर्ट सेन्सिंग, साईबर लॉ, योग, डेरी, बागवानी आदि के पाठयक्रमों के माध्यम से युगानुकूल दक्षतापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना हमारी प्राथमिकता है एवं इसके लिये अध्ययन केन्द्रों को सशक्त बनाने का प्रयास जारी है। देश एवं प्रदेश में समसामायिक समस्याओं एवं महत्वपूर्ण कार्यक्रमों के प्रति सक्रिय करने की दृष्टि से कुम्भ, उन्नयत भारत अभियान, स्वच्छ भारत अभियान, नमामि गंगे, अन्त्योदय एवं एकात्म मानववाद पर भी ''जागरूकता पाठ्यक्रम'' इस सत्र से लागू कर दिये गये हैं एवं इस रूप में राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय समाज एवं देश के प्रति अपने सामाजिक, सांस्कृतिक दायित्व का निर्वाह करने के लिए सचेष्ट है।

धन्यवाद ज्ञापन करती हुई लखनऊ क्षेत्रीय केन्द्र की निदेशिका डॉ0 निराजंली सिन्हा

हिन्दुस्तान

रविवार,05 अगस्त, 2018

लखनऊ LIVE

रविवार , 05 अगस्त 2018

लखनऊ विश्वविद्यालय के अध्ययन केन्द्र के उद्घाटन के मौके पर 'मुक्त शिक्षा : चुनौतियां एवं संभावनाएं' विषय पर शनिवार को कार्यशाला का आयोजन किया गया

सुधरेंगे हालात, व्यवस्था में जल्द कर रहे हैं बदलाव

लखनऊ | कार्यालय संवाददाता

राजर्षि टंडन विवि के कुलपति प्रो. केएन सिंह ने केन्द्र आश्वासन दिया कि व्यवस्थाओं में सुधार किया जा रहा है।

उन्होंने बताया कुछ पाठ्यक्रमों में अब ओएमआर शीट पर ऑब्जेक्टिव प्रश्नों के आधार पर परीक्षा कराई जाएगी। तर्क है कि इससे रिजल्ट जारी करने में आसानी होगी और पहले के मुकाबले जल्दी रिजल्ट जारी किया जा सकेगा। इसमें हमने योग, आपदा प्रबंधन, पर्यावरण, गांधी के विचार समेत कुछ कोर्सों के साथ किया है। इसके बाद इसे अन्य कोर्सों में भी लागू किया जाएगा। इसके अलावा योग के कोर्स में अंकों की जगह ग्रेडिंग की भी व्यवस्था लागू की गई है।

केंद्र पर ही जमा व चेक होंगे असाइनमेंट

वीसी प्रो. केएन सिंह

वीसी ने बताया कि असाइनमेंट अब अध्ययन केन्द्र पर ही जमा होंगे। अभी तक इन्हें क्षेत्रीय कार्यालय भेजा जाता था। जिससे, काफी समय लगता था और नतीजे तैयार करने में गलतियां भी होती थी। केंद्र पर असाइमेंट जमा होने के बाद ही विद्यार्थियों को उनका गलतियों के बारे में भी बताया जाएगा। उन्होंने बताया कि जिस असाइनमेंट में 75 प्रतिशत से ज्यादा अंक दिए जाएंगे, उसे इलाहाबाद मंगवाकर क्रॉस चेक भी करवाएंगे।

छात्रों के लिए टोल फ्री नंबर

प्रो. सिंह ने बताया कि छात्रों की समस्याओं को दूर करने के लिए एक टोल फ्री नंबर 1800-120-111-333 शुरू किया है। इस नंबर पर कोई भी विद्यार्थी या शिक्षक अपनी शिकायत या समस्या सुना सकता है।

लखनऊ विवि अध्ययन केन्द्र का उद्घाटन

कार्यशाला के दौरान लविवि में बने नए अध्ययन केन्द्र का उद्घाटन भी किया गया। समाज कार्य विभाग के प्रो. डीके सिंह को इसका समन्वयक बनाया गया है। उद्घाटन कार्यक्रम में लविवि के कुलपति प्रो. एसपी सिंह मुख्य अतिथि रहे। उनके साथ राजर्षि टंडन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केएन सिंह समेत अन्य भी मौजूद रहे।

वॉयस ऑफ लखनऊ

मेट्रो

वॉयस ऑफ लखनऊ|05

लविवि अध्ययन केन्द्र का उद्घाटनः कार्यशाला के दौरान ही लखनऊ विश्वविद्यालय में बने नए अध्ययन केन्द्र का उद्घाटन भी हुआ। इसका समन्वयक समाज कार्य विभाग के प्रो. डीके सिंह को बनाया गया है। उद्घाटन कार्यक्रम में लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. एसपी सिंह बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रहे। उनके साथ उप्र राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केएन सिंह सहित केंद्र समन्वयक व शिक्षक मौजूद रहें।

अमर उजाला mycity लखनऊ

लविवि में खुला राजर्षि टंडन मुक्त विवि का अध्ययन केंद्र

लखनऊ। लविवि में शनिवार को उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विवि के अध्ययन केंद्र का शुभारंभ किया गया। मुक्त विवि के कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने केंद्र का उद्घाटन किया। इस मौके पर 'मुक्त शिक्षा : चुनौतियां एवं संभावनाएं' विषय पर कार्यशाला का आयोजन भी किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में लविवि कुलपति प्रो. एसपी सिंह उपस्थित रहे। व्यूरो

वॉयस ऑफ लखनऊ

मानसिकता पर काम हो

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विवि, इलाहाबाद के कुलपति प्रो कामेश्वर नाथ सिंह मानते हैं कि केवल तकनीकी उपादानों से ही नकल-मुक्त व्यवस्था वाला समाधान नहीं मिलने वाला। क्योंकि जब तक इस में व्यक्ति की मानसिकता सहीं नहीं बनती, तब तक वह साधनों का उपयोग करना नहीं चाहेगा। शुचितापूर्ण परिक्षा व्यवस्था के साथ-साथ हमें शुचितापूर्ण शिक्षा व्यवस्था भी देखनी है। वैसे तो हमारे विश्वविद्यालय की प्रणाली में संस्थागत प्रणाली से व्यवस्था बिलकुल भिन्न ही होती है लेकिन हमारी पूरी प्रणाली और पारदर्शी, समयबद्ध, अनुशासित हो, इसके लिए प्रयास कर रहे हैं। हम अपने अध्ययन केंद्रों को जागरूक और जिम्मेदार बना रहे हैं। इस बार परीक्षा के लिए समय से से हमने शपथ पत्र लिए कि जिनके यहां सीसीटीवी की व्यवस्था होगी और मांगने पर फुटेज उपलब्ध होंगे, उन्ही को परीक्षा केंद्र बनाया। जहां तक सीसीटीवी के साथ साथ ऑडियो रिकॉर्डिंग की बात है, वह भी हमें देखना है। अगली परिक्षा से हम इसको लागू करेंगे। परीक्षा केंद्रों पर शुचितापूर्ण हो इसके लिए भविष्य में हम अच्छे परीक्षा केंद्रों को आदर्श परीक्षा केंद्रों का नाम दे कर पुरस्कार और उपहार देंगे। वैसे उत्तर प्रदेश सरकार ने जो नियम परीक्षा के लिए लागू किये हैं, उन पर अगर कॉलेज थोड़ा भी ध्यान दें तो परीक्षा व्यवस्था बहुत भली प्रकार से निपट सकती है। वैसे, हमारे परीक्षा केंद्रों पर परीक्षा में नकल की बात ज्यादा इसलिए भी नहीं होती क्योंकि अधिकाँश विद्यार्थी सेना, पुलिस, नौकरी-पेशा से होते हैं, जिन्हे अपना सम्मान बहुत प्रिय होता है इसलिए हमारे सामने चुनौती उतनी बड़ी नहीं, जितनी कि अन्य संस्थागत विश्वविद्यालयों की होती है। फिर मैं मानता हूं कि परीक्षा प्रणाली ऐसी होनी चाहिए जिससे मेधावी छात्रों के साथ पूरी तरह से इंसाफ हो ओर दायें-बायें करके मेधावी बच्चों के अधिकारों का हनन करने वालों पर ठोस कार्रवाई की जा सके। मुझसे सरकार जब कोई सुझाव मांगेगी, मैं इस दिशा में मदद के लिए तैयार रहूंगा।

प्रो. कामेश्वर सिंह, कुलपति,
उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विवि, इलाहाबाद

केशव संवाद

कामेश्वर नाथ सिंह

पत्रकारिता समग्र जीवन दृष्टि

पत्रकारिता केवल प्रशिक्षण नहीं बल्कि समग्र जीवन दृष्टि है। इसके बारे में आपको यहां विस्तार से बताया गया। साथ ही, आपको यहां ऐसी दिनचर्या सिखाई गई जो आपको एक दृष्टिकोण देती है। पत्रकार सब की व्यथा लिख सकता है। समाज की व्यथा-कथा को लिख सकता है। लेकिन, वह अपनी पीड़ा को नहीं लिख सकता। मीडिया समाज में नैतिकता, एकता और सामाजिकता को बढ़ाए, तभी इसकी सार्थकता है। इसके बिना राष्ट्रीयता अधूरी है। पत्रकार अपना दीपक खुद बने। आपको समाज की समस्याओं को रेखांकित करना है। पत्रकारिता जिम्मेदारी का कार्य है। इसका उत्तरदायित्व आपने लिया है।

पत्रकारिता मात्र जीविकोपार्जन हेतु नहीं, अपितु नैतिक और सामाजिक दायित्व है। आपको समाज एवं राष्ट्रोत्थान के लिए संकल्पित व प्रयत्नशील बने रहना है। आपने इस कार्यशाला के सत्रों में भाग लेकर न केवल अपने व्यक्तित्व एवं साधना को प्रखर बनाया हैं, अपितु राष्ट्रीयता का बोध प्राप्त किया है। यह बोध ही आपको विषमताओं से लड़ने के लिए सतत मार्ग दर्शन करेगा। आप अपनी ऊर्जा सकारात्मक दिशा में ही लगाएं। भारत देवताओं का देश है। पूरी दुनिया को भारत ने दिया ही है और सारे पदार्थ हमारे देश में ही मौजूद हैं। भारत मां का पुत्र होने के कारण हमारी क्या भूमिका होनी चाहिए, यह आपको तय करना है? मनुष्य के दिमाग से ही सारी समस्याओं का समाधान होता है। आपकी समृद्धि, सम्पन्नता राष्ट्र के काम आए, तभी पत्रकारिता की सार्थकता है। आपका भविष्य अच्छा हो। हमारी भी शुभकामनाएं भी आपके साथ हैं। लेकिन, एक बात याद रखें कि करियर निर्माण ही सब कुछ नहीं है और यह हमारे लिए नहीं हैं। हम और हमारा करियर समाज और राष्ट्र के लिए होना चाहिए। हमारा भविष्य और हमारी समृद्धि, हमारी सम्पन्नता हमारे और हमारे परिवार के काम नहीं बल्कि इस देश के काम आए। राष्ट्र सर्वोपरि है। जब आप कहीं अन्य देश में जाएंगे तो आपका कोई नाम नहीं लेगा। वे आपको भारतीय ही कहेंगे। व्यक्ति की कोई पहचान नहीं होती। व्यक्ति की पहचान उसके देश से होती है। ऐसे भाव लेकर आप यहां से जाएं। पत्रकारिता का यही भाव है। पत्रकारिता का बहुत बड़ा आयाम होता है। लिखने के लिए विषय कम नहीं पड़ेंगे। हम जो भी कार्य करें, राष्ट्रहित को सर्वोपरि मानकर कार्य करें। वंचितों और गरीबों के लिए कार्य करना है। पत्रकारिता समस्याओं को रेखांकित करती है और संभावनाओं के रास्ते खोलती है। ○○○

(लेखक उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन ओपेन युनिवर्सिटी के कुलपति हैं। लेख प्रेरणा मीडिया संस्थान की कार्यशाला में व्यक्त उनके विचारों का सारांश है)

> पत्रकार अपना दीपक खुद बनें। आपको समाज की समस्याओं को रेखांकिता करना है। पत्रकारिता जिम्मेदारी का कार्य है। इसका उत्तरदायित्व आपने लिया है। पत्रकारिता मात्र जीविकोपार्जन हेतु नहीं, अपितु नैतिक और सामाजिक दायित्व है।

मुक्त चिंतन News Letter

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

A Quarterly News Bulletin of U.P. Rajarshi Tandon Open University, Allahabad

हम पहुँचे वहाँ, पहुँचा न कोई जहाँ

05 अगस्त, 2018

कार्य परिषद् की 98वीं बैठक आयोजित

माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, कार्य परिषद् की 98वीं बैठक दिनांक 05 अगस्त, 2018 को पूर्वाह्न 11:00 बजे कमेटी कक्ष में आहूत की गई। बैठक की अध्यक्षता प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह, कुलपति, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद ने की। बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गये।

बैठक में डॉ0 आर0पी0एस0 यादव, निदेशक, मानविकी विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद, डॉ0 आशुतोष गुप्ता, निदेश, विज्ञान विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद, प्रो0 पी0के0 पाण्डेय, प्रोफेसर, शिक्षा विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद, डॉ0 सन्तोषा कुमार, एसोसिएट प्रोफेसर, समाज विज्ञान विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद डॉ0 जी. के. द्विवेदी असि. प्रोफेसर, शिक्षा विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, श्री डी0पी0 त्रिपाठी, वित्त अधिकारी, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद (विशेष आमंत्रित) एवं डॉ0 गिरिजा शंकर शुक्ल, कुलसचिव, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद, उपस्थित रहे।

कार्य परिषद की बैठक की अध्यक्षता करते हुए माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी एवं बैठक में उपस्थित सदस्यगण।

मुक्त चिंतन News Letter

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

A Quarterly News Bulletin of U.P. Rajarshi Tandon Open University, Allahabad

हम पहुँचे वहाँ, पहुँचा न कोई जहाँ

06 अगस्त, 2018

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विवि के अध्ययन केंद्रों के प्राचार्यों की कार्यशाला का हुआ आयोजन

कार्यशाला

पढ़ाई से वंचित लोगों को शिक्षित बना रहे मुक्त विवि: डॉ. अनीता

गुणात्मक परिवर्तन के लिए प्रयासरत : वीसी

दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यशाला का उद्घाटन करते हुए मा0 अतिथिगण।

दिनांक 06 अगस्त, 2018 को बी0एन0एस0 गर्ल्स डिग्री कालेज बाईपास रोड परिक्रमा मार्ग जनौरा, फैजाबाद के कैम्पस में स्थित उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद के फैजाबाद क्षेत्रीय केन्द्र के अन्तर्गत आने वाले अध्ययन केन्द्रों के प्राचार्य एवं समन्वयकों की कार्यशाला **"मुक्त शिक्षाः चुनौतियॉं एवं संभावनायें"** विषय पर आयोजित की गयी। कार्यशाला के मुख्य अतिथि जी रही एवं कार्यशाला की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी ने की।

माननीय अतिथियों का स्वागत एवं धन्यवाद ज्ञापन फैजाबाद क्षेत्रीय केन्द्र के निदेशक डॉ0 शशि भूषण राम त्रिपाठी ने किया। संचालन अवध विवि फैजाबाद कर्मचारी संघ के अध्यक्ष डॉ0राजेश सिंह ने किया एवं कार्ययोजना के बारे में प्रभारी निदेशक प्रो0 सुधाशुं त्रिपाठी ने जानकारी दी। सरस्वती वन्दना बी0एन0एस0 गर्ल्स डिग्री कालेज की छात्राओं ने प्रस्तुत की।

इस कार्यक्रम में अध्ययन केन्द्रों के प्राचार्य एवं समन्वयक, बी0एन0 गर्ल्स डिग्री कालेज के प्रबन्धक लालजी सिंह, फैजाबाद क्षेत्रीय केन्द्र के कर्मचारी पवन कुमार उपाध्याय, दुर्वेश सिंह, प्रो0 वी0के0 श्रीवास्तव, डॉ0 अंजनी कुमार सिंह, डॉ0 विवेक कुमार सिंह, डॉ0 आदित्य प्रकाश दूबे, डॉ0 गोपाल नन्दन श्रीवास्तव, डॉ0 वीरेन्द्र कुमार पाण्डेय, डॉ0 नीलमणि सिंह, कृष्ण कुमार सिंह, डॉ0 जितेन्द्र सिंह , श्री विश्वामित्र राम त्रिपाठी, भाजपा के वरिष्ठ नेता विशम्भर सिंह, अवधेश सिंह, डॉ0 शिवेन्द्र सिंह, धनंजय सिंह, एल0बी0 सिंह, राजकरन महाविद्यालय के प्रबन्धक शैलेन्द्र सिंह, पूर्व छात्र संघ उपाध्यक्ष मानस भूषण राम त्रिपाठी, आशुतोष शुक्ल, प्रेम कुमार सिंह, के0एन0 सिंह, अनिकेश मिश्र, सन्तोष कुमार सिंह एवं अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

- सर्वांगीण विकास के लिए चलाए जा रहे शैक्षिक कार्यक्रमों की कार्ययोजना पेश
- पारम्परिक शिक्षा के अनुशासन रूपी बंधनों से मुक्त होकर दी जाती है शिक्षा

अनौपचारिक सत्र

प्रारम्भ में सभी अध्ययन केन्द्रों के प्राचार्य/समन्वयकों की एक अनौपचारिक सत्र का आयोजन किया गया, जिसमें प्राचार्य/समन्वयकों ने अपने–अपने क्षेत्र से सम्बन्धित समस्यायें एवं सुझावों को आपस में साझा किया।

कार्यशाला अनौपचारिक सत्र का संचालन करते हुए अवध विवि फैजाबाद कर्मचारी संघ के अध्यक्ष डॉ0 राजेश सिंह

अनौपचारिक सत्र में अध्ययन केन्द्र के प्राचार्यो एवं समन्वयकों का स्वागत करते हुए फैजाबाद क्षेत्रीय केन्द्र के निदेशक डॉ0 शशि भूषण राम त्रिपाठी।

अपने अध्ययन केन्द्र के संचालन एवं प्रवेश में आने वाली समस्याओं एवं उनके निराकरण हेतु समाधान प्रस्तुत करते हुए अध्ययन केन्द्रों से आये हुये समन्वयकगण।

उद्घाटन सत्र

कार्यशाला के उद्घाटन सत्र का संचालन करते हुए अवध विवि फैजाबाद कर्मचारी संघ के अध्यक्ष डॉ0 राजेश सिंह

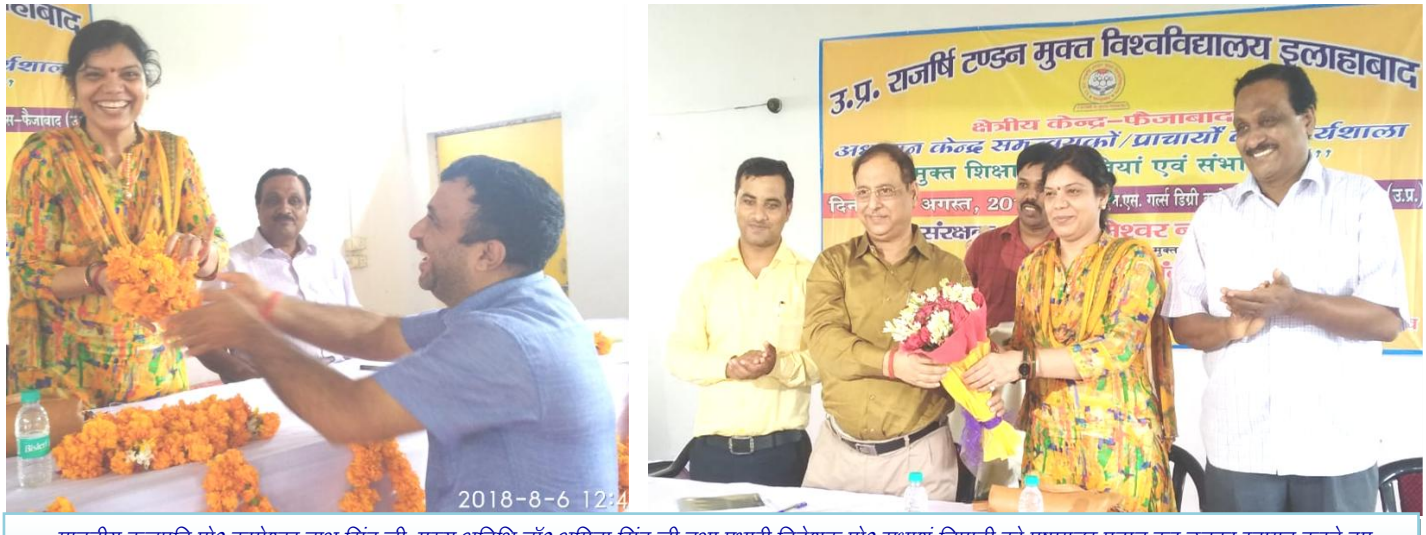

माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी, मुख्य अतिथि डॉ0 अमिता सिंह जी तथा प्रभारी निदेशक प्रो0 सुधाशुं त्रिपाठी को पुष्पगुच्छ प्रदान कर उनका स्वागत करते हुए अध्ययन केन्द्रो के समन्वयकगण एवं मुख्य अतिथि डॉ0 अमिता सिंह जी को पुष्पगुच्छ प्रदान कर उनका स्वागत करते हुए माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी।

कार्यशाला में सरस्वती वन्दना प्रस्तुत करती हुई बी0एन0एस0 गर्ल्स डिग्री कालेज की छात्रायें एवं मंचासीन माननीय अतिथि।

फैजाबाद क्षेत्रीय केन्द्र के प्रभारी निदेशक प्रो0 सुधान्शु त्रिपाठी ने विश्वविद्यालय के उच्च शिक्षा के सर्वांगीण विकास के लिए चलाये जा रहे शैक्षिक कार्यक्रमों की कार्ययोजना प्रस्तुत करते हुए कहा कि पारम्परिक शिक्षा के अनुशासन रूपी बन्धनों से मुक्त होकर विश्वविद्यालय द्वारा संचालित व्यवसाय एवं रोजगार परक कार्यक्रम नौकरी कर रहे व्यक्तियों एवं गृहणियों द्वारा घर पर बैठकर भी प्राप्त की जा सकती है।

विश्वविद्यालय के कार्ययोजना के बारे में जानकारी देते हुए फैजाबाद क्षेत्रीय केन्द्र के प्रभारी निदेशक प्रो0 सुधाशुं त्रिपाठी एवं मंचासीन माननीय अतिथि।

माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी को पुष्पगुच्छ, अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित करते हुए फैजाबाद क्षेत्रीय केन्द्र निदेशक डॉ0 शशि भूषण राम त्रिपाठी एवं मुख्य अतिथि डॉ0 अमिता सिंह जी ।

मुख्य अतिथि डॉ0 अमिता सिंह जी को स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित करते हुए माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी

फैजाबाद क्षेत्रीय केन्द्र के प्रभारी निदेशक प्रो0 सुधाशुं त्रिपाठी को स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित करते हुए फैजाबाद क्षेत्रीय केन्द्र निदेशक डॉ0 शशि भूषण राम त्रिपाठी एवं मा0 कुलपति जी।

ग्रामोदय आश्रम स्नातकोत्तर महाविद्यालय, सया, अम्बेडकरनगर के वार्षि पत्रिका ''ग्रामोदय सुरभि'' का विमोचन करते हुए मुख्य अतिथि डॉ0 अमिता सिंह जी, माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी एवं प्रभारी निदेशक प्रो0 सुधाशुं त्रिपाठी तथा साथ समन्वयक नरेन्द्र कुमार पाण्डेय।

डॉ0 अनीता सिंह

पढ़ाई से वंचित लोगों को शिक्षित बना रहे मुक्त विश्वविद्यलय : डॉ0 अनीता सिंह

कार्यशाला को सम्बोधित करती हुई मुख्य अतिथि डॉ0 अनीता सिंह ने कहा कि उच्च शिक्षा के विकास में विश्वविद्यालय द्वारा संचालित कोर्सो की उपयोगिता के बारे में बताया ''सबको शिक्षा सबको ज्ञान राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय का है अभियान'' के बोध वाक्य को लेकर वंचित वर्ग तक उच्च शिक्षा को पहुंचाने के लिए राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यलय संकल्पित है।

कार्यशाला

उच्च शिक्षा में भारत का नामांकन अनुपात मात्र 25.5 प्रतिशत, चीन में 46 व अमेरिका में 86 प्रतिशत

गुणात्मक परिवर्तन के लिए प्रयासरत : प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह

प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह सिंह ने फैजाबाद क्षेत्रीय केन्द्र के अध्ययन केन्द्रों के समन्वयकों एवं प्राचार्यों की कार्यशाला को सम्बोधित करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय का यह प्रयास है कि संख्यात्मक वृद्धि के साथ–साथ शिक्षा में गुणात्मक परिवर्तन हो, जिसे लेकर संरचनात्मक परिवर्तन किये गये हैं। मुक्त विश्वविद्यालय उच्च शिक्षा के सर्वांगीण प्रचार–प्रसार तथा इसे जन सुलभ बनाने में संकल्पित है। प्रो0 सिंह ने कहा कि शैक्षिक क्षेत्र में डिजिटल तकनीकी क्रान्ति के बाद मुक्त शिक्षा के विकास का भविष्य प्रशस्त होता जा रहा है एवं मुक्त शिक्षा ही भविष्य की शिक्षा है। आज देश में 60 करोड़ लोग स्मार्ट फोन एवं 50 करोड़ लोग इन्टरनेट के उपभोक्ता है जिसका उपयोग उच्च शिक्षा के क्षेत्र में करके उच्च शिक्षा में गुणात्मक परिवर्तन सम्भव है। प्रो0 सिंह ने कहा कि भारत में उच्च शिक्षा में एक नामांकन अनुपात 2016–17 में 25.5 प्रतिशत रहा, चीन में 46 जबकि यू0एस0ए0 में यह अनुपात 86 प्रतिशत है। भारत में ही इसके अन्तर प्रादेशिक भिन्नता है। एक तरफ चण्डीगढ़ में 54 प्रतिशत है जबकि बिहार में 14 प्रतिशत एवं उत्तर प्रदेश में 24 प्रतिशत है। मानव संशाधन विकास मंत्रालय इस नामांकन अनुपात को 2020 तक 30 प्रतिशत तक पहुंचाने का लक्ष्य निर्धारित किया है, जिसे पूरा करने में उ0प्र0 मुक्त विश्वविद्यालय की निर्णायक भूमिका है, क्योंकि जनसंख्या की दृष्टि से यह वृहतक राज्य है। वंचित वर्ग तक मुक्त शिक्षा पहुचाना विश्वविद्यालय का लक्ष्य है। इस पुनीत कार्य में क्षेत्रीय केन्द्र समन्वयक महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

प्रो0 सिंह ने कहा कि स्नातक एवं स्नातकोत्तर की पढाई के साथ–साथ किसी रोजगार परक शिक्षा में सर्टीफिकेट कोर्स, डिप्लोमा पाठ्यक्रम एवं पी0जी0 डिप्लोमा की पढाई का अवसर राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के अध्ययन केन्द्र प्रदान कर रहें हैं। जी0एस0टी0 एवं बिजनेस, वैदिक गणित, रिमोर्ट सेन्सिंग, साईबर लॉ, योग, डेरी, बागवानी आदि के पाठयक्रमों के माध्यम से युगानुकूल दक्षतापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना हमारी प्राथमिकता है एवं इसके लिये अध्ययन केन्द्रों को सशक्त बनाने का प्रयास जारी है। देश एवं प्रदेश में समसामायिक समस्याओं एवं महत्वपूर्ण कार्यक्रमों के प्रति सक्रिय करने की दृष्टि से कुम्भ, उन्नयत भारत अभियान, स्वच्छ भारत अभियान, नमामि गंगे, अन्त्योदय एवं एकात्म मानववाद पर भी ''जागरूकता पाठ्यक्रम'' इस सत्र से लागू कर दिये गये हैं एवं इस रूप में राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय समाज एवं देश के प्रति अपने सामाजिक, सांस्कृतिक दायित्व का निर्वाह करने के लिए सचेष्ट है।

धन्यवाद ज्ञापन करते हुए फैजाबाद क्षेत्रीय केन्द्र के निदेशक डॉ0 शशि भूषण राम त्रिपाठी।

कार्यशाला के समापन सत्र में अपने विचार व्यक्त करते हुए ऋषिराज पी0जी0 कालेज सुल्तानपुर के प्राचार्य डॉ0 जितेन्द्र सिंह एवं डॉ0 विवेक सिंह।

कार्यशाला के समापन सत्र में ऑन लाइन प्रवेश प्रक्रिया के बारे में बताते हुए टेक्निकल आफिसर श्री शहवाज अहमद एवं मंचासीन क्षेत्रीय केन्द्र फैजाबाद क्षेत्रीय केन्द्र के प्रभारी प्रो0 सुधाशुं त्रिपाठी जी।

कार्यशाला के समापन सत्र में अपने विचार व्यक्त करते हुए ग्रामोदय आश्रम स्नातकोत्तर महाविद्यालय, सया, अम्बेडकरनगर के समन्वयक नरेन्द्र कुमार पाण्डेय।

मंगलवार,07 अगस्त, 2018

पिछले अंक

खेती संग दुग्ध उत्पादन से दोगुनी होगी आयःयोगी पेज 02 | छत्तीसगढ़ में मुठभेड़ के दौरान 15 नक्सली ढेर पेज 16

हिन्दुस्तान
तरक्की को चाहिए नया नजरिया

फास्ट टैग लेन 6 माह में

परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने कहा है कि सभी टोल प्लाजा पर फास्ट टैग लेन की व्यवस्था अगले छह माह में पूरी तरह लागू हो जाएगी।

मंगलवार, 07 अगस्त 2018, लखनऊ, पांच प्रदेश, 21 संस्करण, फैजाबाद संस्करण | www.livehindustan.com | वर्ष 23, अंक 185, 16 पेज, मूल्य ₹ 5.00, भाद्रपद कृष्ण पक्ष, दशमी, विक्रम संवत् 2075

फैजाबाद

आज का दिन 1820 में पहली बार हवाई में आलू की खेती हुई।

उच्च शिक्षा में भारत का नामांकन अनुपात मात्र 25.5 प्रतिशत, चीन में 46 व अमेरिका में 86 प्रतिशत

गुणात्मक परिवर्तन के लिए प्रयासरत : वीसी

कार्यशाला

फैजाबाद | हिन्दुस्तान संवाद

- सर्वांगीण विकास के लिए चलाए जा रहे शैक्षिक कार्यक्रमों की कार्ययोजना पेश
- पारम्परिक शिक्षा के अनुशासन रूपी बंधनों से मुक्त होकर दी जाती है शिक्षा

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केन्द्र ने अध्ययन केन्द्र के समन्वयकों व प्राचार्यों की एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में विविध विषयों की समीक्षा सहित कार्ययोजना पर चर्चा की गई। बीएनएस गर्ल्स डिग्री कॉलेज के सभागार में आयोजित कार्यशाला की मुख्य अतिथि जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अमिता सिंह रहीं। अध्यक्षता उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केएन सिंह ने की।

कार्यशाला में अतिथि का स्वागत क्षेत्रीय निदेशक डॉ.शशिभूषण राम त्रिपाठी ने किया। क्षेत्रीय केन्द्र के प्रभारी प्रो. सुधांशु त्रिपाठी ने विश्वविद्यालय की लिए चलाए जा रहे विभिन्न शैक्षिक कार्यक्रमों की कार्ययोजना प्रस्तुत की। उन्होंने कहा कि पारम्परिक शिक्षा के अनुशासन रूपी बंधनों से मुक्त होकर की जा रही है। मुख्य अतिथि बीएसए श्रीमती सिंह ने उच्च शिक्षा के विकास में विश्वविद्यालय की ओर से संचालित कोर्स की उपयोगिता के बारे में से

जनौरा स्थित एक स्कूल में आयोजित कार्यशाला में मौजूद कुलपति व बीएसए

शिक्षा- सबको ज्ञान राजर्षि टंडन मुक्त विवि का है अभियान' के बोध वाक्य को लेकर वंचित वर्ग तक उच्च शिक्षा को पहुंचाने के लिए राजर्षि टंडन विश्वविद्यालय के संकल्पित होने की बात कही। उन्होंने कहा कि देश में सम्प्रति नौ सौ विश्वविद्यालय एवं 43 हजार महाविद्यालय हैं। बावजूद इसके उच्च शिक्षा में नामांकन अनुपात मात्र 25.5 प्रतिशत है। जबकि चीन में 46 प्रतिशत व संयुक्त राज्य अमेरिका में 86 प्रतिशत है। मानव संसाधन विकास मंत्रालय ने 2020 तक नामांकन अनुपात को 30 फीसदी पहुंचाने का लक्ष्य लिया है।

उन्होंने कहा कि ऐसे में मुक्त विश्वविद्यालय संख्यात्मक वृद्धि के साथ- साथ शिक्षा में गुणात्मक परिवर्तन के लिए प्रयासरत है। ऐसे में संरचनात्मक परिवर्तन करके वैदिक गणित, रिमोट सेंसिंग, एग्री बिजनेस, जीएसटी जैसे शामिल किया गया है। कार्यशाला का अवध विश्वविद्यालय कर्मचारी संघ के अध्यक्ष डॉ.राजेश सिंह ने संचालन किया। दूसरे सत्र में राजर्षि टंडन विश्वविद्यालय के तकनीकी अधिकारी शाहबाज ने प्रवेश प्रक्रिया को स्लाइड के माध्यम से समझाया। समापन समारोह के मुख्य अतिथि डॉ.विवेक कुमार सिंह व विशिष्ट अतिथि डॉ.जितेन्द्र सिंह ने उपयोगिता का जिक्र किया।

कार्यशाला में समन्वयक डॉ.फौजदार यादव, डॉ.सीताराम, डॉ.जनार्दन त्रिपाठी, डॉ.नरेन्द्र कुमार पाण्डेय, डॉ.शिवेन्द्र मोहन पाण्डेय, डॉ.गोपाल नंदन श्रीवास्तव, डॉ.शिवेन्द्र सिंह, पवन उपाध्याय, संजय सिंह, डॉ.एसएन पाण्डेय, डॉ.आदित्य सिंह, बीएनएस कॉलेज के प्रबंधक लालजी सिंह, दुर्वेश सिंह, सोनी स्वर्णकार, योगेश्वर सिंह, प्रज्ञा द्विवेदी व धनंजय सिंह सहित महाविद्यालय के प्राध्यापक

अमर उजाला

my city

सुप्रभात

श्रावण कृष्ण पक्ष दशमी, विक्रम संवत 2075

मंगलवार • 7.08.2018

फैजाबाद

04 बाढ़ में बही बस, बाल-बाल बचे यात्री

Lucknow.amarujala.com

पढ़ाई से वंचित लोगों को शिक्षित बना रहे मुक्त विवि: डॉ. अनीता

अमर उजाला ब्यूरो

फैजाबाद। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विवि के प्राचार्यों की कार्यशाला में को संबोधित करते कार्यक्रम की मुख्यातिथि जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ. अनीता सिंह ने कहा कि मुक्त विश्वविद्यालयों की उपयोगिता अपने आप में महत्वपूर्ण है। किन्हीं कारणों से पढ़ाई से वंचित लोगों को शिक्षित बना रहा है। साथ ही मुक्त विश्वविद्यालयों ने प्रोफेशनल कोर्सों को शुरू करके अच्छे क्लास के छात्रों को भी जोड़ने का कार्य किया है।

इससे पूर्व शहर के बीएन डिग्री कॉलेज में अध्ययन केंद्रों के समन्वयकों एवं प्राचार्यों की कार्यशाला का उद्घाटन कुलपति प्रो. केएन सिंह ने किया। उन्होंने कहा कि देश में 900 विश्वविद्यालयों व 43 हजार महाविद्यालयों के बाद भी उच्च शिक्षा में छात्रों के नामांकन का अनुपात मात्र 25.5 प्रतिशत है। छात्र-छात्राएं इंटरमीडिएट की परीक्षा पास करने के स्नातक की परीक्षाओं में विभिन्न कारणों से दाखिला नहीं ले पाते हैं। ऐसे में मुक्त विश्वविद्यालयों की उपयोगिता बढ़ी है व आने वाले समय में यह विदेशों की भांति अधिक प्रभावी होगी। उन्होंने कहा कि मौजूदा नामांकन के अनुपात को 30 प्रतिशत तक लाना मुक्त विश्वविद्यालय का लक्ष्य है। इसके लिए संख्यात्मक व गुणात्मक परिवर्तन लाने के प्रयास किया जा रहा है। कार्यक्रम के दौरान विवि के तकनीक अधिकारी शहबाज ने स्लाइड के माध्यम से प्रवेश किए जाने की जानकारी अध्ययन केंद्रों के समन्वयकों को दी। कार्यक्रम का संचालन अवध विवि के कर्मचारी संघ के अध्यक्ष डॉ. राजेश सिंह ने किया। कार्यक्रम के दौरान मुख्य रूप से क्षेत्रीय निदेशक डॉ. शशि भूषण राम त्रिपाठी, डॉ. जितेंद्र सिंह सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

बीएनएस डिग्री कॉलेज में आयोजित कार्यशाला में मंचस्थ कुलपति, बीएसए व अन्य।

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विवि के अध्ययन केंद्रों के प्राचार्यों की कार्यशाला का हुआ आयोजन

खनऊ, मंगलवार
अगस्त 2018
योध्या (फैजाबाद)
य ₹ 5.00
ठ 16

दैनिक जागरण

ww.jagran.com
उत्तरप्रदेश, दिल्ली, मध्यप्रदेश, हरियाणा, उत्तराखंड, बिहार, झारखंड, पंजाब, जम्मू कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और प. बंगाल से प्रकाशित

नासा के क्यूरियोसिटी रोवर ने मंगल पर पूरे किए छह साल 16

इंद्रा नूई छोड़ेंगी पेप्सीको सीईओ का पद 11

एग्री बिजनेस व जीएसटी कोर्स भी अब लोकप्रिय

राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के समन्वयकों व प्रभारी की कार्यशाला में कोर्स की उपयोगिता व मांग पर हुई चर्चा

संसू, फैजाबाद : उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केंद्र बीएनएस गर्ल्स डिग्री कॉलेज में विभिन्न केंद्रों के समन्वयकों व प्रभारियों की कार्यशाला हुई, इसमें कई सत्र आयोजित हुए। इस मौके पर अध्यक्षता कर रहे वीसी प्रो. केएन सिंह ने कहा कि विवि का लक्ष्य केंद्रों की संख्यात्मक वृद्धि के साथ ही शिक्षा में गुणात्मक सुधार है। उन्होंने विवि के संचालित कोर्स की जानकारी दी। कहा कि इसमें वैदिक गणित, रिमोट सेसिंग, एग्री बिजनेस, जीएसटी जैसे समसामायिक एवं उपयोग कोर्स भी इसी सत्र में चालू कर दिया गया जो लोकप्रिय हो रहे हैं। महाकुंभ अंत्योदय, सुशासन, स्वच्छ भारत जैसे विषयों का पाठ्यक्रम लोगों को लुभा रहे हैं। मुख्य अतिथि बीएसए अमिता सिंह से उन्होंने विवि के केंद्रों के समन्वयकों को प्रवेश में आ रही समस्याओं पर चर्चा हुई। संचालन विवि के कर्मचारी परिषद के अध्यक्ष डॉ. राजेश सिंह ने किया। केंद्र के प्रभारी प्रो. सुधांशु त्रिपाठी ने उच्च शिक्षा के सर्वांगीण विकास के लिए चल रहे विविध कार्यक्रम की जानकारी दी। बीएसए अमिता सिंह ने मुक्त विवि के कोर्स को गुणवत्तायुक्त बताया। इस दौरान तकनीकी अधिकारी शाहबाज ने प्रवेश प्रक्रिया की जानकारी स्लाइड के माध्यम से दी। समापन सत्र के मुख्य अतिथि डॉ.विवेक कुमार सिंह व विशिष्ट अतिथि डॉ. जितेंद्र सिंह रहे। कार्यशाला में डॉ. फौजदार यादव, डॉ. सीताराम मौजूद रहे।

कार्यशाला के दौरान राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केएन सिंह को सम्मानित करते अविवि कर्मचारी संघ के अध्यक्ष डॉ राजेश सिंह ● जागरण

फैजाबाद, लखनऊ, बरेली एवं इलाहाबाद से प्रकाशित

जनमोर्चा

हीरक जयंती वर्ष

फैजाबाद | मंगलवार | 07 अगस्त 2018

वर्ष : 61 | अंक : 238 | पृष्ठ : 12

www.janmorcha.in | सहकारिता के आधार पर संचालित | देश का सर्वप्रमुख हिन्दी दैनिक | www.facebook.com/janmorchanewspaper

फैजाबाद आसपास — Page 5
दुराचार के प्रयास का आरोपी धरा गया

खेल-खिलाड़ी — Page 9
बाकी भारतीय बल्लेबाजों पर दबाव से कोहली पर दबाव बनेगा : बेलिस

महत्वपूर्ण नंबर

वूमेन पावर लाइन	1090
पुलिस	100, 112, 9454402648
जिला कंट्रोल रूम	224248
अग्निशमन	101
नगर कंट्रोल रूम	224217
एम्बुलेंस	108, 102
पूछताछ रोडवेज	222964
जिला अस्पताल	225225
महिला अस्पताल	222684
जिलाधिकारी	224205,224226, 9454417541
वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक	224215, 224214, 9454400270
पुलिस अधीक्षक नगर	9454401048
पुलिस अधीक्षक देहात	9454401049

वंचित वर्ग तक उच्च शिक्षा पहुंचाना मुक्त विवि का लक्ष्य

अध्ययन केन्द्रों के समन्वयकों और प्राचार्यों की कार्यशाला में बोले कुलपति प्रो.सिंह

फैजाबाद।

उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के स्थानीय क्षेत्रीय केन्द्र, बीएनएस गर्ल्स डिग्री कालेज के सभागार में विभिन्न अध्ययन केन्द्रों के समन्वयकों एवं प्राचार्यों की कार्यशाला आयोजित की गयी। इसकी मुख्य अतिथि डा. अमिता सिंह, बेसिक शिक्षा अधिकारी रहीं। कार्यशाला की अध्यक्षता उ.प्र. राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय इलाहाबाद के कुलपति प्रो.के.एन. सिंह ने की।

कार्यशाला में सभी अध्ययन केन्द्रों से आये हुए समन्वयकों ने अपने अध्ययन केन्द्र के संचालन एवं प्रवेश में आने वाली समस्याओं एवं उनके निराकरण हेतु अपने-अपने समाधान के संचालन एवं प्रवेश में आने वाली समस्याओं एवं उनके निराकरण हेतु अपने-अपने समाधान प्रस्तुत किये। कार्यशाला का संचालन अवध विवि. के कर्मचारी संघ के अध्यक्ष डा. राजेश सिंह ने किया। कार्यशाला में आये अतिथियों एवं समन्वयकों का स्वागत क्षेत्रीय निदेशक डा. शशि भूषण राम त्रिपाठी ने किया। क्षेत्रीय केन्द्र के प्रभारी प्रो. सुधांशु त्रिपाठी ने विश्वविद्यालय की उच्च शिक्षा में सर्वांगीण विकास के लिए चलाये जा रहे विभिन्न शैक्षिक कार्यक्रमों की कार्य योजना प्रस्तुत की। प्रो. त्रिपाठी के कहा कि पारम्परिक शिक्षा के अनुशासन रूपी बंधनों से मुक्त होकर इस विश्वविद्यालय द्वारा प्रदत्त उच्च अत्यंत सरल एवं सहज के सभी उम्र के तथा व्यवसाय या रोजगार आदि में कार्यरत पुरुषो एवं महिलाओं द्वारा घर बैठकर भी प्राप्त किया जा सकता है।

मुख्य अतिथि ने उच्च शिक्षा के विकास में विश्वविद्यालय द्वारा संचालित कोर्सों की उपयोगिता के बारे में बताया। ''सबको शिक्षा सबको ज्ञान राजर्षि टण्डन मुक्त का है अभियान'' के बोध वाक्य को लेकर वंचित वर्ग तक उच्च शिक्षा को पहुंचाने के लिए विश्वविद्यालय संकल्पित है।

उक्त वक्तव्य उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.के. एन सिंह ने अध्ययन क्षेत्र के समन्वयकों को सम्बोधित करते हुए किया। प्रो. सिंह ने कहा कि देश में इस समय 900 विश्वविद्यालया दिया एवं 43000 महाविद्यालय है। परन्तु इसके बावजूद भी उच्च शिक्षा में नामांकन अनुपात मात्र 25.5 प्रतिशत है, जबकि चीनी में 46 प्रतिशत एवं संयुक्त राज्य अमेरिका में 86 प्रतिशत है। मानव संसाधन विकास मंत्रालय में 2020 तक इस नामांकन अनुपात को 30 प्रतिशत पहुंचाने का लक्ष्य लिया है। उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विवि. उक्त लक्ष्य को पूर्णता के लिए सतत प्रयासरत है। इसके अतिरिक्त वैदिक गणित, रिमोट, सेंसिंग एग्री बिजनेस, जीएसटी, जैसे समसामयिक एवं उपयोगी पाठ्यक्रम भी इस सत्र से लागू कर दिये गये हैं। महाकुम्भ अन्त्योदय, सुशासन, स्वच्छ भारत जैसे विषयों पर जनजागरण पाठ्यक्रम भी लोकप्रिय सिद्ध हो रहे हैं।

इस अवसर पर तीसरे अनौपचारिक सत्र में उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विवि. के तकनीकी अधिकारी शाहबाज ने प्रवेश प्रक्रिया को स्लाइड के माध्यम से समझाया। कार्यशाला की समाप्ति समापन समारोह के साथ हुआ जिसके मुख्य अतिथि डा. विवेक कुमार सिंह एवं विशिष्ट अतिथि डा. जितेन्द्र सिंह रहे। इस कार्यशाला में अध्ययन केन्द्रों से आये समन्वयक डा. फौजदार यादव, डा.सीताराम, डा. जनार्दन त्रिपाठी, डॉ नरेन्द्र पाण्डेय, डा. शिवेन्द्र सिंह, पवन उपाध्याय, संजय सिंह, डा. एसएन पाण्डेय, डा. आदित्य सिंह, प्रबन्धक बीएनएस लालजी सिंह, दुर्वेश सिंह, डा. सोनी स्वर्णकार, योगेश्वर सिंह,

मुक्त चिंतन News Letter

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

A Quarterly News Bulletin of U.P. Rajarshi Tandon Open University, Allahabad

हम पहुँचे वहाँ, पहुँचा न कोई जहाँ

08 अगस्त, 2018

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विवि के अध्ययन केंद्रों के प्राचार्यों की कार्यशाला का हुआ आयोजन

कार्यशाला

कानपुर क्षेत्रीय केन्द्र

गुणात्मक परिवर्तन के लिए प्रयासरत : वीसी

मंचासीन माननीय अतिथिगण।

दिनांक 08 अगस्त, 2018 को छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर के इन्टरनेशनल गेस्ट हाउस में उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद के क्षेत्रीय केन्द्र कानपुर के अन्तर्गत आने वाले अध्ययन केन्द्रों के प्राचार्य एवं समन्वयकों की कार्यशाला **''मुक्त शिक्षाः चुनौतियाँ एवं संभावनायें''** विषय पर आयोजित की गयी। कार्यशाला के मुख्य अतिथि छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर की माननीया कुलपति प्रो0 नीलिमा गुप्ता जी रही एवं कार्यशाला की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी ने की।

कार्यशाला में उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद के मानविकी विद्याशाखा के निदेशक एवं प्रवेश प्रभारी प्रो0 आ0पी0एस0 यादव ने विश्वविद्यालय की नयी योजनाओं पर प्रकाश डाला एवं एवं क्षेत्रीय केन्द्र कानपुर के प्रभारी निदेशक प्रो0 पी0 के0 पाण्डेय समन्वयकों की समस्याओं पर प्रत्यक्ष वार्ता किया। माननीय अतिथियों का स्वागत एवं धन्यवाद ज्ञापन कानुपर क्षेत्रीय केन्द्र के निदेशिका डॉ0 अलका वर्मा ने किया। संचालन दयानन्द सुभाष नेशनल कालेज, उन्नाव के समन्वयक डॉ0 विवेक सिंह ने किया। सरस्वती वन्दना जुहारी देवी गर्ल्स डिग्री कालेज, कानपुर की छात्राओं ने प्रस्तुत की।

इस अवसर पर अनौपचारिक सत्र में समन्वयकों द्वारा केन्द्र पर सुविधा बढ़ाने की मांग की गयी। अन्य तकनीकी सत्रों में प्रवेश प्रभारी प्रो0 आर0पी0एस0 यादव, तकनीकी अधिकारी श्री नीरज मिश्रा आदि ने परीक्षाफलों के निस्तारण, अधिन्यास, ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया का प्रस्तुतिकरण, वित्त संबंधी, योग पाठयक्रम, दीक्षान्त समारोह, स्वअध्ययन सामग्री, नये कार्यक्रम तथा पाठ्यक्रम के विषय में विस्तार से जानकारी दी।

इस कार्यक्रम में अध्ययन केन्द्रों के प्राचार्य एवं समन्वयकगण, कानपुर क्षेत्रीय केन्द्र के कर्मचारी एवं अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहें।

अनौपचारिक सत्र

प्रारम्भ में सभी अध्ययन केन्द्रों के प्राचार्य एवं समन्वयकों की एक अनौपचारिक सत्र का आयोजन किया गया, जिसमें प्राचार्य/समन्वयकों ने अपने–अपने क्षेत्र से सम्बन्धित समस्यायें एवं सुझावों को आपस में साझा किया।

अनौपचारिक सत्र का संचालन करते हुए दयानन्द सुभाष नेशनल कालेज, उन्नाव के समन्वयक डॉ0 विवेक सिंह।

अनौपचारिक सत्र में अध्ययन केन्द्रों के प्राचार्य एवं समन्वयकों ने अपने–अपने क्षेत्र से सम्बन्धित समस्यायें एवं सुझावों को आपस में साझा करते हुए।

अनौपचारिक सत्र में बोलते हुए क्षेत्रीय केन्द्र के प्रभारी निदेशक प्रो0 पी0के0 पाण्डेय जी।

उद्घाटन सत्र

कार्यशाला के उद्घाटन सत्र का संचालन दयानन्द सुभाष नेशनल कालेज, उन्नाव के समन्वयक डॉ0 विवेक सिंह एवं मंचासीन माननीय अतिथि

दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यशाला का उद्घाटन करते हुए मा0 अतिथिगण।

सरस्वती वन्दना प्रस्तुत करती हुई जुहारी देवी गर्ल्स डिग्री कालेज, कानपुर की छात्राएं

सभागार में उपस्थित अध्ययन केन्द्रों के प्राचार्य एवं समन्वयकगण, कानपुर क्षेत्रीय केन्द्र के कर्मचारी एवं अन्य गणमान्य नागरिक

माननीय अतिथियों का स्वागत करती हुई कानपुर क्षेत्रीय केन्द्र की निदेशिका डॉ0 अलका वर्मा तथा मुख्य अतिथि माननीया कुलपति प्रो0 नीलिमा गुप्ता जी एवं कार्यशाला की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी को पुष्पगुच्छ प्रदान कर उनका स्वागत करते हुए अध्ययन केन्द्र के समन्वयकगण।

मानविकी विद्याशाखा के निदेशक एवं प्रवेश प्रभारी प्रो0 आ0पी0एस0 यादव जी एवं क्षेत्रीय केन्द्र कानपुर के प्रभारी निदेशक प्रो0 पी0 के0 पाण्डेय जी को पुष्पगुच्छ प्रदान कर उनका स्वागत करते हुए अध्ययन केन्द्र के समन्वयकगण।

प्रो0 पी0के0 पाण्डेय

कानपुर क्षेत्रीय केन्द्र के प्रभारी निदेशक प्रो0 पी0के0 पाण्डेय ने विश्वविद्यालय के उच्च शिक्षा के सर्वांगीण विकास के लिए चलाये जा रहे शैक्षिक कार्यक्रमों की कार्ययोजना प्रस्तुत करते हुए कहा कि पारम्परिक शिक्षा के अनुशासन रूपी बन्धनों से मुक्त होकर विश्वविद्यालय द्वारा संचालित व्यवसाय एवं रोजगार परक कार्यक्रम नौकरी कर रहे व्यक्तियों एवं गृहणियों द्वारा घर पर बैठकर भी प्राप्त की जा सकती है।

प्रो0 आर0पी0एस0 यादव

निदेशक एवं प्रवेश प्रभारी प्रो0 आर0पी0एस0 यादव ने आन लाइन प्रवेश के सम्बन्ध में जानकारी दी, और अध्ययन केन्द्र समन्वयकों से अनुरोध किया कि वे अपने–अपने क्षेत्र में रोजकारपरक एवं कौशल विकास पर आधारित पाठ्यक्रमों में अधिक से अधिक प्रवेश सुनिश्चित करें।

मुख्य अतिथि प्रो0 नीलिमा सिंह जी को स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित करते हुए माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी एवं सभागार में उपस्थित अध्ययन केन्द्रों के प्राचार्य एवं समन्वयकगण, कानपुर क्षेत्रीय केन्द्र के कर्मचारी एवं अन्य गणमान्य नागरिक

माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी को अंगवस्त्र प्रदान कर सम्मानित करते हुए कानपुर क्षेत्रीय केन्द्र के प्रभारी निदेशक प्रो0 पी0के0 पाण्डेय एवं निदेशक वं प्रवेश प्रभारी प्रो0 आर0पी0एस0 यादव

माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी को स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित करते हुए कानपुर क्षेत्रीय केन्द्र निदेशिका डॉ0 अलका वर्मा एवं साथ में कानपुर क्षेत्रीय केन्द्र के प्रभारी निदेशक प्रो0 पी0के0 पाण्डेय एवं निदेशक वं प्रवेश प्रभारी प्रो0 आर0पी0एस0 यादव

मुक्त शिक्षा की समय की मांग : प्रो0 गुप्ता

प्रो0 नीलिमा गुप्ता

कार्यशाला की मुख्य अतिथि प्रो0 नीलिमा गुप्ता ने कहा कि मुक्त शिक्षा का लाभ अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने के लिए कानपुर के कैम्पस से मुक्त विश्वविद्यालय का अध्ययन केन्द्र स्थापित किया जायेगा। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में मुक्त शिक्षा की उपयोगिता बढ़ गयी है तथा मुक्त शिक्षा की समय की मांग है। उन्होंने कहा कि कानपुर विश्वविद्यालय में मुक्त शिक्षा का अध्ययन केन्द्र स्थापित हो जाने से सैकड़ों छात्र–छात्राओं को लाभ मिलेगा। मुक्त विश्वविद्यालय के रोजगार परक कार्यक्रमों से उन्हें रोजगार मिल सकेगा।

कार्यशाला

उच्च शिक्षा में भारत का नामांकन अनुपात मात्र 25.5 प्रतिशत, चीन में 46 व अमेरिका में 86 प्रतिशत

घर बैठे छात्र मोबाइल से लें उच्च शिक्षा की डिग्री : प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह

प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह सिंह ने कानपुर क्षेत्रीय केन्द्र के अध्ययन केन्द्रों के समन्वयकों एवं प्राचार्यों की कार्यशाला को सम्बोधित करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय का यह प्रयास है कि शैक्षिक क्षेत्र में डिजिटल तकनीकि क्रांति के बाद मुक्त शिक्षा के विकास का भविष्य निरन्तर बढ़ता जा रहा है और मुक्त शिक्षा ही भविष्य की शिक्षा है। देश में 60 करोड़ लोग स्मार्ट फोन एवं 50 करोड़ लोग इन्टरनेट उपभोक्ता है। जिसका उपयोग उच्च शिक्षा के क्षेत्र में गुणत्मक परिवर्तन में सम्भव है। उन्होंने कहा कि

संख्यात्मक वृद्धि के साथ–साथ शिक्षा में गुणात्मक परिवर्तन हो, जिसे लेकर संरचनात्मक परिवर्तन किये गये हैं। मुक्त विश्वविद्यालय उच्च शिक्षा के सर्वांगीण प्रचार–प्रसार तथा इसे जन सुलभ बनाने में संकल्पित है। प्रो0 सिंह ने कहा कि भारत में उच्च शिक्षा में एक नामांकन अनुपात 2016–17 में 25 प्रतिशत रहा, जबकि यू0एस0ए0 में यह अनुपात 85 प्रतिशत है। भारत में ही इसके अन्तर प्रादेशिक भिन्नता है। एक तरफ चण्डीगढ़ में 54 प्रतिशत है जबकि बिहार में 14 प्रतिशत एवं उत्तर प्रदेश में 24 प्रतिशत है। मानव संशाधन विकास मंत्रालय इस नामांकन अनुपात को 2020 तक 30 प्रतिशत तक पहुंचाने का लक्ष्य निर्धारित किया है, जिसे पूरा करने में उ0प्र0 मुक्त विश्वविद्यालय की निर्णायक भूमिका है, क्योंकि जनसंख्या की दृष्टि से यह वृहतक राज्य है। वंचित वर्ग तक मुक्त शिक्षा पहुचाना विश्वविद्यालय का लक्ष्य है। इस पुनीत कार्य में क्षेत्रीय केन्द्र समन्वयक महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

प्रो0 सिंह ने कहा कि स्नातक एवं स्नातकोत्तर की पढाई के साथ–साथ किसी रोजगार परक शिक्षा में सर्टीफिकेट कोर्स, डिप्लोमा पाठ्यक्रम एवं पी0जी0 डिप्लोमा की पढाई का अवसर राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के अध्ययन केन्द्र प्रदान कर रहें हैं। जी0एस0टी0 एवं बिजनेस, वैदिक गणित, रिमोर्ट सेन्सिंग, साईबर लॉ, योग, डेरी, बागवानी आदि के पाठयक्रमों के माध्यम से युगानुकूल दक्षतापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना हमारी प्राथमिकता है एवं इसके लिये अध्ययन केन्द्रों को सशक्त बनाने का प्रयास जारी है। देश एवं प्रदेश में समसामायिक समस्याओं एवं महत्वपूर्ण कार्यक्रमों के प्रति सक्रिय करने की दृष्टि से कुम्भ, उन्नयत भारत अभियान, स्वच्छ भारत अभियान, नमामि गंगे, अन्त्योदय एवं एकात्म मानववाद पर भी ''जागरूकता पाठ्यक्रम'' इस सत्र से लागू कर दिये गये हैं एवं इस रूप में राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय समाज एवं देश के प्रति अपने सामाजिक, सांस्कृतिक दायित्व का निर्वाह करने के लिए सचेष्ट है।

- सर्वांगीण विकास के लिए चलाए जा रहे शैक्षिक कार्यक्रमों की कार्ययोजना पेश
- पारम्परिक शिक्षा के अनुशासन रूपी बंधनों से मुक्त होकर दी जाती है शिक्षा

कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में धन्यवाद ज्ञापन करती हुई कानपुर क्षेत्रीय केन्द्र निदेशिका डॉ0 अलका वर्मा

समापन सत्र

कार्यशाला के समापन सत्र में अपने विचार व्यक्त करते हुए अध्ययन केन्द्र के समन्वयक

ऑन लाइन प्रवेश प्रक्रिया के बारे में बताते हुए विश्वविद्यालय के टेक्निकल आफिसर श्री नीरज मिश्रा

हिन्दुस्तान
कानपुर LIVE
गुरुवार, 09 अगस्त 2018
www.livehindustan.com

कैम्पस

विवि ने दिया कॉलेजों में प्रवेश का अंतिम मौका ..पेज 18

सिटी

कथा : तालाब में टीले से निकले थे कैलाशपति ...19

सिटी/स्पोर्ट्स

वायरल के बाद दिमागी बुखार ने शहर में दी दस्तक...पेज 20

जीएसटी एक्सपर्ट तैयार करेगा राजर्षि टंडन मुक्त विवि

साक्षात्कार

कानपुर | प्रमुख संवाददाता

यदि आप रोजगारपरक कोर्स करना चाहते हैं या जीएसटी एक्सपर्ट बनना चाहते हैं तो जरूरी नहीं कि किसी विश्वविद्यालय या टेक्निकल इंस्टीट्यूट में जाकर पढ़ें। घर बैठे आसानी से यह सुविधा हासिल कर सकते हैं। सर्टिफिकेट भी पा सकते हैं। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय इसका प्लेटफॉर्म बनेगा।

बुधवार को सीएसजेएमयू पहुंचे राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के वाइस चांसलर प्रो. केएन सिंह ने **आपके अपने अखबार हिन्दुस्तान** से बातचीत की। कहा, नए सत्र से हम गुणवत्ता बढ़ाने के लिए अभ्यास कार्यक्रम की शुरुआत करने जा रहे हैं। इसमें योग आदि के विषय सिर्फ परीक्षा के लिए नहीं, बल्कि प्रयोग के लिए भी होंगे। ग्रेजुएशन में चार दिन और पीजी में पांच दिन के लिए डिप्लोमा का अभ्यास कार्यक्रम होगा।

इसकी सूचना वेबसाइट से मिलेगी। रोज दिन तीन घंटे का अभ्यास होगा। योगाभ्यास दो घंटे का होगा। एक घंटे स्वराज्य और देश हित के विभिन्न मुद्दों पर बौद्धिक सत्र होगा।

छह माह का सर्टिफिकेट कोर्स जीएसटी का होगा

वाइस चांसलर ने बताया कि रोजगारपरक पाठ्यक्रमों में छह माह का सर्टिफिकेट कोर्स जीएसटी का होगा। इसमें जीएसटी के बारे में पूरी जानकारी दी जाएगी। इसे सीखकर विद्यार्थी अपना ऑफिस खोल सकते हैं या छोटी-छोटी फर्म या शोरूम के कार्य कर सकते हैं।

दूसरा कोर्स एग्री बिजनेस का होगा, वैदिक गणित भी

वाइस चांसलर ने बताया कि दूसरा कोर्स एग्री बिजनेस का होगा, जिसमें दस होने के बाद कोई भी खाद की एजेंसी खोल सकता है। प्रदेश में पहली बार वैदिक गणित का कोर्स करने का भी मौका मिलेगा। इसके अलावा डेयरी में डिप्लोमा करके डेयरी फॉर्म खोल सकते हैं।

क्लिनिकल साइकॉलॉजी कोर्स महत्वपूर्ण

क्लिनिकल साइकॉलॉजी (निदानात्मक मनोविज्ञान) का कोर्स महत्वपूर्ण होगा, क्योंकि आजकल बहुत लोग डिप्रेशन के शिकार हो जाते हैं। काउंसलर ढूंढते हैं। योग का कोर्स करने के लिए पिछले सत्र में 18 हजार छात्र आए थे। योग शिक्षकों की बहुत मांग स्कूलों में होने वाली है। इस बार भूगोल और लोक प्रशासन नए सब्जेक्ट भी रखे गए हैं।

सीएसजेएमयू में उप्र राजर्षि टंडन मुक्त विवि की ओर से कार्यशाला

घर बैठे छात्र मोबाइल से लें उच्च शिक्षा की डिग्री

अच्छी खबर

कानपुर | कार्यालय संवाददाता

कभी धन अभाव तो कभी समय के अभाव में उच्च शिक्षा से वंचित रह रहे लोग उप्र राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय से डिग्री ले सकते हैं। इसके लिए उन्हें न कॉलेज जाना होगा और न बहुत अधिक फीस चुकानी होगी। वे घर बैठे मोबाइल और इंटरनेट से पढ़ाई कर सकते हैं। दाखिला लेते ही संबंधित पाठ्यक्रम की सभी पुस्तकें उनके घर पहुंच जाएंगी। उन्हें ऑनलाइन ही परीक्षा देनी होगी। यह बात विवि के कुलपति प्रो. केएन सिंह ने कही।

छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय के इंटरनेशनल गेस्ट हाउस में बुधवार को एक कार्यशाला का आयोजन हुआ। कानपुर केंद्र से संबंधित अध्ययन केंद्र के समन्वयक और प्राचार्यों की एक कार्यशाला हुई। इसका उद्घाटन सीएसजेएमयू की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने किया। वहीं, प्रो. केएन सिंह ने कहा कि वर्ष 2016-17 में देश में उच्च शिक्षा में नामांकन करने वाले महज 25 फीसदी थे, जबकि यूके में यह अनुपात 85 फीसदी है। चंडीगढ़ में 54 फीसदी, बिहार में 14 फीसदी और उप्र में 15 फीसदी है। केंद्र सरकार 2020 तक इसे 30 फीसदी तक ले जाने की कोशिश में है। इसमें सबसे बड़ा योगदान विवि कर सकता है। उन्होंने कहा कि विवि यूजी, पीजी के साथ कई प्रोफेशनल कोर्स की डिग्री, डिप्लोमा और सर्टिफिकेट दे रहा है। विवि की क्षेत्रीय निदेशक डॉ. अलका वर्मा ने दूरस्थ शिक्षा को मजबूत बनाने को लेकर सुझाव दिया। इस मौके पर ओम प्रकाश यादव, मनोज, वीरेंद्र सिंह, विजय सिंह आदि मौजूद रहे।

पढ़ाई के साथ जागरूकता कार्यक्रम भी चल रहा

उप्र राजर्षि टंडन मुक्त विवि पढ़ाई के साथ जागरूकता पाठ्यक्रम भी चल रहा है। इसमें उन्नत भारत अभियान, स्वच्छ भारत अभियान, नमामि गंगे आदि पाठ्यक्रम है। छात्र-छात्राओं को इससे जुड़ी पठन सामग्री उपलब्ध कराई जाती है। फिर सामग्री के आधार पर एक ऑनलाइन पेपर मुहैया कराया जाता है।

बुधवार को कार्यशाला के दौरान प्रोफेसर केएन सिंह को ओमप्रकाश आनंद ने भेंट की पुस्तक।

सीएसजेएमयू कैंपस में आयोजित उप्र राजर्षि टंडन मुक्त विवि की कार्यशाला में मौजूद लोग।

दैनिक जागरण

एक नजर

रोजगारपरक कोर्स करा रहा उप्र राजर्षि टंडन मुक्त विवि

कानपुर : उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय अपने अध्ययन केंद्रों के माध्यम से रोजगार परक कोर्स करा रहा है। छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय में बुधवार को आयोजित एकदिवसीय कार्यशाला में सभी केंद्रों के समन्यवकों एवं प्राचार्यों के बीच मंथन के दौरान कुलपति प्रो. केएन सिंह ने बताया कि जीएसटी व बिजनेस, वैदिक गणित और साइबर लॉ आदि पाठ्यक्रमों के माध्यम से दक्षतापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना विश्वविद्यालय की प्राथमिकता है। इस अवसर पर डॉ. अल्का वर्मा, आरपी यादव और ओमप्रकाश यादव थे। (वि.)

जीएसटी, वैदिक गणित, ग्रीन सोशल वर्क जैसे पाठ्यक्रम की डिमांड

'आज' समाचार पत्र, 09 अगस्त, कानपुर

कानपुर, 8 अगस्त। उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद की ओर से इंटरनेशनल कांफ्रेंस हाल में आयोजित कार्यशाला में कुलपति प्रो. के. एन. सिंह ने कहाकि शैक्षिक क्षेत्र में डिजिटल तकनीकि क्रान्ति के बाद मुक्त शिक्षा के विकास का भविष्य निरंतर बढ़ता जा रहा है और मुक्त शिक्षा ही भविष्य की शिक्षा है। देश में साठ करोड़ लोग स्मार्ट फोन एवं 50 करोड़ लग इंटरनेट उपभोक्ता है, जिसका उपयोग उच्च शिक्षा के क्षेत्र में गुणात्मक परिवर्तन में संभव है। उन्होंने कहाकि वर्तमान में स्नातक और स्नाकोत्तर की पढाई के साथ-साथ किसी रोजगार परक शिक्षा में सर्टिफिकेट कोर्स, डिप्लोमा पाठ्यक्रम एवं पीजी डिप्लोमा की पढाई की मुक्त विश्वविद्यालय के अध्ययन केंद्र करा रहे हैं। जीएसटी एवं बिजनेस, वैदिक गणित, रिमोट सेन्सिंग, साइबर लॉ, योग, डेयरी, उपभोक्ता संरक्षण, बागवानी आदि पाठ्यक्रमों के माध्यम से शिक्षा उपलब्ध कराना हमारी प्राथमिकता है। कार्यशाला में मुख्य अतिथि के रूप में सीएसजेएमयू की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहाकि वर्तमान में मुक्त शिक्षा प्रणाली बहुत जरुरी है, जो समय की मांग भी है। अब विश्वविद्यालय कैंपस में भी एक मुक्त शिक्षा अध्ययन केंद्र खोल जाएगा। इसमें मुक्त शिक्षा से सैकड़ों छात्र-छात्रा लाभ उठा सकेंगे। प्रो. शिख बाला ने मुक्त शिक्षा के महत्व प्रणाली पर प्रकाश डाल विश्वविद्यालय की कानपुर क्षेत्री निदेशक डा. अल्का वर्मा ने दूरस्थ शिक्षा को अ अधिक मजबूत बनाने के लिए सुझाव रखे। इस दौ ओम प्रकाश यादव, मनोज कुमार, वीरेंद्र सिंह, विज सिंह आदि ने अपने विचार व्यक्त किये।

कार्यशाला को संबोधित करते प्रो.के.ए न.सिंह व अन्य।

60 करोड़ लोग स्मार्ट फोन और 50 करोड़ है इंटरनेट उपभोक्ता

जन सामना

उत्तर प्रदेश, राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय की कार्यशाला का आयोजन किया गया

कानपुर, जन सामना ब्यूरो। उत्तर प्रदेश, राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय इलाहाबाद के क्षेत्रीय कार्यालय कानपुर के द्वारा छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय के सभागार में एक समन्वयकों/प्राचार्यों की एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि उत्तर प्रदेश, राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 के0 एन0 सिंह ने कहा शिक्षा क्षेत्र में डिजिटल क्रान्ति के बाद देश में मुक्त विश्वविद्यालयों का मार्ग प्रशस्त होता जा रहा है। आज इंटरनेट के युग में इसका प्रयोग करके उच्चशिक्षा में क्रांतिकारी परिवर्तन लाया जा सकता है। कार्यशाला की मुख्य अतिथि कुलपति छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय कानपुर प्रो0 नीलिमा गुप्ता ने कहा कि भारत में उच्च शिक्षा में नामांकन अनुपात 2016-17 में 25 प्रतिशत रहा जबकि यू0के0 में यह 85 प्रतिशत रहा जबकी हमारे देश में अलग अलग राज्यों के आंकड़े भी अलग अलग हैं। उत्तर प्रदेश के ये आंकड़े 15 प्रतिशत हैं सरकार ने 2020 तक नामांकन आंकड़े 30 प्रतिशत तक बढाने की कही है। जिसको पूरा करने की जिम्मेदारी मुक्त विश्वविद्यालय की भी बनती है। इस प्रकार से शिक्षा को समाज के सभी वर्गों तक सर्व सुलभ बनाने एवं खासकर वंचित वर्ग तक पहुँचाने का संकल्प हम सभी को लेना चाहिए। मुक्त विश्वविद्यालय को विशेष रूप से स्नातक डिग्री इंजीनियरिंग डिग्री के साथ ही किसी रोजगार परक शिक्षा में सर्टिफिकेट कोर्स, डिप्लोमा कोर्स आदि की पढ़ाई भी यह मुक्त विश्वविद्यालय कर रहे हैं। जिसमे योगा, डेयरी, साइबर लॉ, बागवानी आदि पाठ्यक्रम को भी समयानुकूल रूप से लागू करवाने की प्राथमिकता मुक्त विश्वविद्यालय की है। इसके लिये अध्ययन केंद्रों को सशक्त करने हेतु काम किया जा रहा है। राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय समाज के प्रति अपने दायित्व को समझ कर निर्वहन कर रहा है।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के मानविकी शास्त्र के निदेशक प्रो0 आर0 पी0 एस0 यादव ने मुक्त विश्वविद्यालय की नई योजनाओं पर प्रकाश डाला। क्षेत्रीय प्रभारी, शिक्षा शाखा प्रो0 पी0 के0 पाण्डेय ने उपस्थित समन्वयकों से उनकी समस्याओं को सुना और उनके निराकरण के लिये उठाये गये कदमों के बारे में चर्चा की। डॉ0 अनिल कटियार ने कहा कि दूरस्थ शिक्षा का भविष्य आज के युग में बहुत उज्ज्वल है केवल इसकी विश्वसनीयता को बढ़ाने की आवश्यकता है। साथ ही कानपुर में चमड़ा उद्योग में लगे कारीगरों को सार्टिफिकेट कोर्सेज करवा कर उनकी कुशलता बढ़ाई जा सकती है।

कार्यशाला में उपस्थित संजय कटियार ने अपने उदबोधन में कहा कि मुक्त विश्वविद्यालय की अवधारणा तभी फलदायी सिद्ध होगी जब इसके द्वारा हमारे समाज का गरीब, मजदूर वंचित तबका इसके माध्यम से शिक्षा लेकर अपने विकास के साथ देश के विकास में भी अपना योगदान देने लायक बने। उन्होंने यह भी कहा कि सभी केंद्रों को अधिक से अधिक गरीब वर्गों के बच्चों को नामांकन करा कर उनको शिक्षित करने का काम सामाजिक कार्यकर्ता के रूप में करें तो इस तरह की शिक्षा की सार्थकता बढ़ सकती है।

कार्यक्रम का आयोजन मुक्त विश्वविद्यालय की क्षेत्रीय निदेशक डॉ0 अलका वर्मा द्वारा किया गया था उन्होंने आये हुये अतिथियों को धन्यवाद ज्ञापित किया कार्यक्रम का संचालन विनय ने किया प्रमुखता से ओमप्रकाश यादव ,मनोज, वीरेन्द्र सिंह, विजय सिंह, सुरेश सचान, सर्वेश पाण्डेय, बी0पी0 श्रीवास्तव आदि रहे।

खबरें हर रोज पढ़ें-
www.jansaamna.com

मुक्त चिंतन News Letter

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

A Quarterly News Bulletin of U.P. Rajarshi Tandon Open University, Allahabad

हम पहुँचे वहाँ, पहुँचा न कोई जहाँ

09 अगस्त, 2018

कार्यशाला

झाँसी क्षेत्रीय केन्द्र के अन्तर्गत आने वाले अध्ययन केन्द्रों के प्राचार्य एवं समन्वयकों की कार्यशाला

दिनांक 09 अगस्त, 2018 को बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय के हिन्दी विभाग में उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केन्द्र झाँसी के अन्तर्गत आने वाले अध्ययन केन्द्रों के प्राचार्य एवं समन्वयकों की कार्यशाला **''मुक्त शिक्षाः चुनौतियाँ एवं संभावनायें''** विषय पर आयोजित की गयी। कार्यशाला के मुख्य अतिथि क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी, झाँसी डॉ0 संध्या रानी जी रही एवं कार्यशाला की अध्यक्षता विश्वविद्यालय मानविकी विद्याशाखा के निदेशक एवं प्रवेश प्रभारी प्रो0 आ0पी0एस0 यादव जी ने की।

मंचासीन माननीय अतिथिगण।

कार्यशाला में उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद के मानविकी विद्याशाखा के निदेशक एवं प्रवेश प्रभारी प्रो0 आ0पी0एस0 यादव ने विश्वविद्यालय की नयी योजनाओं पर प्रकाश डाला एवं क्षेत्रीय केन्द्र कानपुर और झाँसी के प्रभारी निदेशक प्रो0 पी0 के0 पाण्डेय समन्वयकों की समस्याओं पर प्रत्यक्ष वार्ता किया। माननीय अतिथियों का स्वागत झाँसी क्षेत्रीय केन्द्र के निदेशिका डॉ0 रेखा त्रिपाठी ने किया। संचालन संस्कृति एवं धन्यवाद ज्ञापन वीर भूमि राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, महोबा के प्राचार्य प्रो0 सुशील बाबू ने किया। इस अवसर पर अनौपचारिक सत्र में समन्वयकों द्वारा केन्द्र पर सुविधा बढ़ाने की मांग की गयी। अन्य तकनीकी सत्रों में प्रवेश प्रभारी प्रो0 आर0पी0एस0 यादव, तकनीकी अधिकारी श्री नीरज मिश्रा आदि ने परीक्षाफलों के निस्तारण, अधिन्यास, ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया का प्रस्तुतिकरण, वित्त संबंधी, योग पाठयक्रम, दीक्षान्त समारोह, स्वअध्ययन सामग्री, नये कार्यक्रम तथा पाठ्यक्रम के विषय में विस्तार से जानकारी दी।

इस कार्यक्रम में अध्ययन केन्द्रों के प्राचार्य एवं समन्वयकगण, झाँसी क्षेत्रीय केन्द्र के कर्मचारी एवं अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहें।

अनौपचारिक सत्र

प्रारम्भ में सभी अध्ययन केन्द्रों के प्राचार्य एवं समन्वयकों की एक अनौपचारिक सत्र का आयोजन किया गया, जिसमें प्राचार्य/समन्वयकों ने अपने–अपने क्षेत्र से सम्बन्धित समस्यायें एवं सुझावों को आपस में साझा किया।

अनौपचारिक सत्र का संचालन करती हुई संस्कृति एवं मंचासीन माननीय अतिथिगण।

अनौपचारिक सत्र में अध्ययन केन्द्रों के प्राचार्य एवं समन्वयकों ने अपने–अपने क्षेत्र से सम्बन्धित समस्यायें एवं सुझावों को आपस में साझा करते हुए।

अनौपचारिक सत्र में बोलते हुए कानपुर एवं झाँसी के क्षेत्रीय केन्द्र के प्रभारी निदेशक प्रो0 पी0के0 पाण्डेय जी तथा संचासीन झाँसी क्षेत्रीय केन्द्र की निदेशिका डॉ0 रेखा त्रिपाठी व मानविकी विद्याशाखा के निदेशक एवं प्रवेश प्रभारी प्रो0 आ0पी0एस0 यादव जी एवं सभागार में उपस्थित प्राचार्य व समन्वयकगण।

उद्घाटन एवं समापन सत्र

कार्यशाला का संचालन करती हुई संस्कृति एवं मंचासीन माननीय अतिथिगण।

दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यशाला का उद्घाटन करते हुए माननीय अतिथिगण।

माननीय अतिथियों का स्वागत एवं परिचय देती हुई झाँसी क्षेत्रीय केन्द्र की निदेशिका डॉ0 रेखा त्रिपाठी एवं मंचासीन माननीय अतिथिगण।

कार्यशाला के मुख्य अतिथि क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी, झाँसी डॉ0 संध्या रानी जी को अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर उनको सम्मानित करते हुए मानविकी विद्याशाखा के निदेशक एवं प्रवेश प्रभारी प्रो0 आ0पी0एस0 यादव जी

कार्यशाला की अध्यक्षता कर रहे मानविकी विद्याशाखा के निदेशक एवं प्रवेश प्रभारी प्रो0 आ0पी0एस0 यादव जी को अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर उनको सम्मानित करते हुए बिपिन बिहारी पी0जी0 कालेज, झाँसी के समन्वयक डॉ0 मुकेश श्रीवास्तव जी एवं कानपुर एवं झाँसी के क्षेत्रीय केन्द्र के प्रभारी निदेशक प्रो0 पी0के0 पाण्डेय जी को अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर उनको सम्मानित करतह हुई झाँसी क्षेत्रीय केन्द्र की निदेशिका डॉ0 रेखा त्रिपाठी जी।

मुक्त शिक्षा ग्रामीणों की शिक्षा का सुगम माध्यम : डॉ0 संध्या

कार्यशाला की मुख्य अतिथि डॉ0 संध्या रानी ने मुक्त शिक्षा को सभी तक पहुँचाने की अपील की। उन्होंने मुक्त शिक्षा ग्रामीणों की शिक्षा का सुगम माध्यम बताया। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में मुक्त शिक्षा की उपयोगिता बढ़ गयी है तथा मुक्त शिक्षा की समय की मांग है। और मुक्त शिक्षा को वंचित वर्ग तक उच्च शिक्षा को पहुंचाने के लिए राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यलय संकल्पित है।

डॉ0 संध्या रानी

डॉ0 रेखा त्रिपाठी

झाँसी क्षेत्रीय केन्द्र के निदेशिका डॉ0 रेखा त्रिपाठी ने कहा कि 09 अगस्त जिस तरह क्रान्ति दिवस के रुप में जाना जाता है, उसी प्रकार मुक्त शिक्षा को भी हर घर,गॉव, वर्ग तक पहुँचाने के लिए उसी प्रकार की क्रान्ति लाने की आवश्यकता है।

माननीय अतिथियों का स्वागत एवं परिचय देती हुई झाँसी क्षेत्रीय केन्द्र की निदेशिका डॉ0 रेखा त्रिपाठी एवं मंचासीन माननीय अतिथिगण।

कानपुर एवं झाँसी क्षेत्रीय केन्द्र के प्रभारी निदेशक प्रो0 पी0के0 पाण्डेय ने विश्वविद्यालय के उच्च शिक्षा के सर्वांगीण विकास के लिए चलाये जा रहे शैक्षिक कार्यक्रमों की कार्ययोजना प्रस्तुत करते हुए कहा कि पारम्परिक शिक्षा के अनुशासन रूपी बन्धनों से मुक्त होकर विश्वविद्यालय द्वारा संचालित व्यवसाय एवं रोजगार परक कार्यक्रम नौकरी कर रहे व्यक्तियों एवं गृहणियों द्वारा घर पर बैठकर भी प्राप्त की जा सकती है।

प्रो0 पी0के0 पाण्डेय

कार्यशाला में बोलत हुए कानपुर एवं झाँसी के क्षेत्रीय केन्द्र के प्रभारी निदेशक प्रो0 पी0के0 पाण्डेय जी

निदेशक एवं प्रवेश प्रभारी प्रो0 आर0पी0एस0 यादव ने आन लाइन प्रवेश के सम्बन्ध में जानकारी दी, और अध्ययन केन्द्र समन्वयकों से अनुरोध किया कि वे अपने–अपने क्षेत्र में रोजकारपरक एवं कौशल विकास पर आधारित पाठ्यक्रमों में अधिक से अधिक प्रवेश सुनिश्चित करें एवं जीएसटी व वैदिक गणित, साइबर लॉ, डेयरिंग फार्मिंग तथा एग्रीकल्चर आदि नये प्रारम्भ होने वाले विषयों के बारे में जानकारी दी।

कार्यशाला में बोलत हुए मानविकी विद्याशाखा के निदेशक एवं प्रवेश प्रभारी प्रो0 आ0पी0एस0 यादव जी

प्रो0 आ0पी0एस0 यादव

धन्यवाद ज्ञापन करते हुए वीर भूमि राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, महोबा के प्राचार्य प्रो0 सुशील बाबू

जनता यूनियन
झांसी
गुरुवार, 10 अगस्त 2018
वर्ष 12 अंक 40
पृष्ठ 16 मूल्य ₹ 3.00

मुक्त शिक्षा को ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा का सुगम साधन: डॉ. संध्या

कार्यशाला में प्राचार्य व समन्वयकों ने दिये सुझाव

झांसी जयूसं। उप्र राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय इलाहाबाद के क्षेत्रीय केन्द्र झाँसी के अन्तंगत आने वाले अध्ययन केन्द्रों के प्राचार्य,समन्वयकों की एक दिवसीय कार्यशाला बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय के हिन्दी विभाग में आयोजित की गई। जिसमें मुख्य अतिथि बतौर क्षेत्रीय उच्च शिक्षाधिकारी डॉ.सध्या रानी उपस्थित रहीं, अध्यक्षता क्षेत्रीय निदेशक डॉ.रेखा त्रिपाठी ने की। कार्यशाला की शुरूआत अनौपचारिक सत्र से हुई।जिसमें समन्वयकों का परिचय सुझाव एवं केन्द्र से संबंधित सभी विषयों पर चर्चा हुई।कार्यशाला में मुख्यअतिथि क्षेत्रीय उच्च शिक्षाधिकारी डॉ. संध्या रानी ने मुक्त शिक्षा को ग्रामीण क्षेत्रों में सुगम साधन बताया। द्वितीय सत्र में क्षेत्रीय निदेशक डॉ. रेखा त्रिपाठी ने स्वागत भाषण में कहा कि जिस तरह 9अगस्त क्रांति दिवस के रूप में मनाया जाता है,ठीक उसी तरह मुक्त शिक्षा को भी हर घर, गाँव वर्ग तक पहुँचाने के लिये उसी प्रकार की क्रांति लाने की आवश्यकता है। इसके पूर्व उद्घाटन सत्र में मुख्यअतिथि डॉ.सन्ध्या रानी, डॉ.आर पी यादव, व डॉ.पी के पाण्डेय ने दीप प्रज्वलित कार्यक्रम का शुभारंभ किया। सरस्वती वंदना जितेन्द्र ने प्रस्तुत की। प्रदेश प्रभारी डॉ.यादव ने अध्ययन केन्द्रों में प्रवेश तथा नये कोर्सों के संचालन, जीएसटी व वैदिक साइबर लॉ डेरी फार्मिंग , एग्रीकल्चर आदि के विषय में जानकारी दी।झाँसी-कानपुर क्षेत्रीय केन्द्र प्रभारी डॉ. पी के पाण्डेय ने अध्ययन केन्द्रों की समस्याओं का निदान किया। कार्यशाला का संचालन संस्कृति जी ने एवं समापन पर आभार प्रो. सुशील बाबू प्राचार्य वीर भूमि राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय ने किया।

स्वदेश
www.swadeshnews.in

एक दिवसीय कार्यशाला का समापन

झांसी। उ. प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय इलाहाबाद के क्षेत्रीय केन्द्र के तहत प्राचार्य व समवंयकों की एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन बुंदेलखंड विश्वविद्यालय के हिन्दी विभाग में सम्पन्न हुआ। इस मौके पर क्षेत्रीय निदेशक डा. रेखा त्रिपाठी ने कहा कि नौ अगस्त जिस तरह क्रांति दिवस के रूप में जाना जाता है, उसी प्रकार मुक्त शिक्षा को भी हर घर, गांव, वर्ग तक पहुंचाने के लिये उसी प्रकार की क्रांति लाने की आवश्यकता है। कार्यक्रम में डा. संध्या रानी, डा. आर. पी. एस. यादव, डा. पी के पांडेय, डा. पी के पांडेय आदि मौजूद रहे। अतिथि के रूप में क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी डा. संध्या रानी मौजूद रही। अंत में आभार व्यक्त प्रो. सुशील बाबू ने किया।

अमर उजाला
झांसी
गुरुवार, 10 अगस्त 2018
amarujala.com
हाजिरजवाबी
सुषमा बोलीं-ज्वालामुखी से पूछकर बताऊंगी, बाली जाना ठीक है या नहीं...14
उत्तर प्रदेश
अमर उजाला
झांसी
amarujala.com
झांसी | गुरुवार, 10 अगस्त 2018

मुक्त विश्वविद्यालय के नए कोर्सों की जानकारी दी

झांसी। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय इलाहाबाद के क्षेत्रीय केंद्र के अंतर्गत आने वाले सभी अध्ययन केंद्रों के प्राचार्य और समन्वयकों की कार्यशाला हुई। इसमें मुक्त विश्वविद्यालय के नए कोर्सों की जानकारी दी गई। बुंदेलखंड विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग में हुई कार्यशाला का शुभारंभ क्षेत्रीय निदेशक डा. संध्या रानी ने दीप जलाकर किया तथा मुक्त शिक्षा को सभी तक पहुंचाने की अपील की। उन्होंने मुक्त शिक्षा को ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा का सुगम साधन बताया। प्रदेश प्रभारी डा. आरपीएस यादव ने अध्ययन केंद्रों में प्रवेश के बारे में बताया। जीएसटी, साइबर लॉ, डेयरी, फार्मिंग व एग्रीकल्चर आदि नए प्रारंभ होने वाले विषयों के बारे में जानकारी दी। झांसी और कानपुर के क्षेत्रीय केंद्र प्रभारी डा. पीके पांडेय ने अध्ययन केंद्रों की समस्याओं का निदान किया। बताया। आभार प्रोफेसर सुशील बाबू व संचालन संस्कृति ने किया।

जन जन जागरण

मुक्त शिक्षा ग्रामीणों की शिक्षा का सुगम माध्यम

झांसी, नगर संवाददाता

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केन्द्र के अंतर्गत आने वाले समस्त अध्ययन केंद्रों के प्राचार्य/ समन्वयकों की एक दिवसीय कार्यशाला बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग में हुई। कार्यशाला में क्षेत्रीय निदेशक डॉ. रेखा त्रिपाठी ने कहा कि 9 अगस्त जिस तरह क्रांति दिवस के रूप में जाना जाता है, उसी प्रकार मुक्त शिक्षा को भी हर घर, गांव, वर्ग तक पहुंचाने के लिये उसी

मुक्त शिक्षा की क्रांति गांव-गांव लाने का आह्वान

प्रकार की क्रांति लाने की आवश्यकता है। कार्यशाला के उद्घाटन सत्र का डॉ. संध्या रानी, डॉ. आर.पी.एस. यादव, डॉ. पी.के. पाण्डेय ने दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ किया। प्रदेश प्रभारी डॉ. आर.पी.एस. यादव ने अध्ययन केंद्रों में प्रवेश व नये कोर्सों के संचालन के विषय में बताया एवं जीएसटी व वैदिक साइबर लॉ डेरी फार्मिंग तथा एग्रीकल्चर आदि नये प्रारंभ होने वाले विषयों के बारे में जानकारी दी। झांसी और कानपुर क्षेत्रीय केंद्र प्रभारी डॉ. पी.के. पाण्डेय ने अध्ययन केंद्रों की समस्याओं का निदान किया। अतिथि क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी डॉ. संध्या रानी ने मुक्त शिक्षा को ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा का सुगम साधन बताया। संचालन संस्कृति ने एवं आभार प्राचार्य वीरभूमि राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय महोबा प्रो. सुशील बाबू ने व्यक्त किया।

मुक्त चिंतन News Letter

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

A Quarterly News Bulletin of U.P. Rajarshi Tandon Open University, Allahabad

हम पहुँचे वहाँ, पहुँचा न कोई जहाँ

09 अगस्त, 2018

डॉ0 अरूण कुमार गुप्त बने मुक्त विश्वविद्यालय के कुलसचिव

पश्चिमी उत्तर प्रदेश में मुक्त शिक्षा की असीम संभावनायें – डॉ0 गुप्त

डॉ0 अरूण कुमार गुप्त

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद के नवनियुक्त कुलसचिव डॉ0 अरूण कुमार गुप्त ने गुरूवार को पदभार ग्रहण कर लिया। डॉ0 गुप्त की नियुक्ति मुक्त विश्वविद्यालय में कुलसचिव के पद पर हुई थी। इससे पूर्व डॉ0 गुप्त के0जी0के (पी0जी0) कालेज, मुरादाबाद में राजनीति विज्ञान में एसोसिएट प्रोफेसर के पद पर थे। डॉ0 गुप्त ने आज पूर्वान्ह निवर्तमान कुलसचिव प्रो0 गिरिजा शंकर शुक्ल से कुलसचिव पद का चार्ज लिया।

डॉ0 गुप्त ने उच्च शिक्षा इलाहाबाद विश्वविद्यालय से ग्रहण की। यहीं से बी0एस0सी0, एम0ए0 तथा डी0फिल0 की उपाधि प्राप्त करने के पश्चात उन्होंने जे0आर0एफ0 फैलो के रूप में इलाहाबाद विश्वविद्यालय में अध्यापन कार्य किया। तत्पश्चात उन्होंने महामति प्राणनाथ महाविद्यालय, मऊ, चित्रकूट एवं के0जी0के0 (पी0जी0) कालेज, मुरादाबाद में राजनीति विज्ञान विषय में एसोसिएिट प्रोफेसर के रूप में अध्यापन कार्य किया। डॉ0 गुप्त 2009 से 2016 तक एम0जी0एम0 कालेज संभल के प्राचार्य रहे।

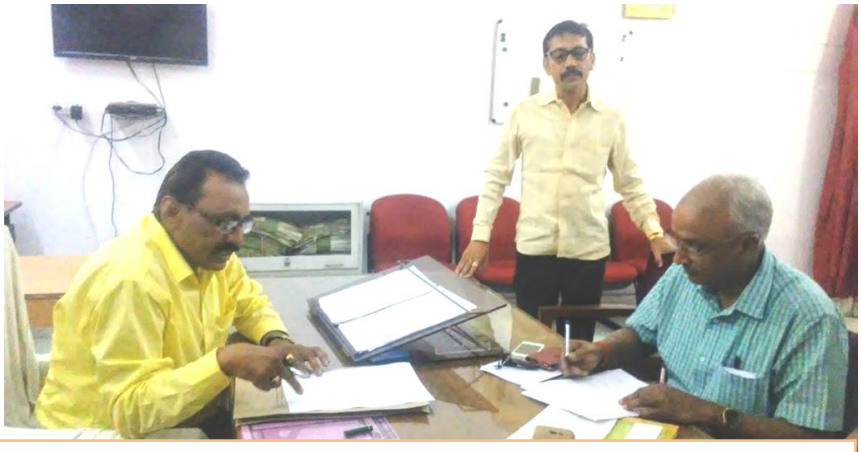

प्रो0 जी0एस0 शुक्ल से कुलसचिव पद का चार्ज लेते हुए डॉ0 अरूण कुमार गुप्त (बाये)

डॉ0 गुप्त ने कार्यभार ग्रहण करने के पश्चात कहा कि उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता आगामी 18 सितम्बर 2018 को होने वाले दीक्षान्त समारोह को सफलतापूर्वक आयोजित कराना और इससे संबंधित सभी कार्यो को समयबद्ध तरीके से संयोजित करना है। मुरादाबाद से आये डॉ0 गुप्त ने कहा कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश में मुक्त शिक्षा की असीम संभावनायें हैं। अतः सुदूर क्षेत्रों में दूरस्थ शिक्षा के प्रचार–प्रसार के लिए विशेष जागरूकता शिविर आयोजित किए जायेंगे। सघन अभियान चलाकर लोगों को प्रेरित किया जायेगा कि वे अन्य डिग्री प्राप्त करते हुए मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा संचालित कौशल युक्त रोजगार परक डिप्लोमा एवं प्रमाण पत्र कार्यक्रम में प्रवेश लेकर रोजगार प्राप्त कर सकते हैं।

शुक्रवार,10 अगस्त, 2018 पिछले अंक
हिन्दुस्तान
तरक्की को चाहिए नया नजरिया
युवा

डॉ. अरुण गुप्ता बने मुक्त विवि के रजिस्ट्रार

इलाहाबाद। राजर्षि टंडन मुक्त विवि के नवनियुक्त रजिस्ट्रार डॉ. अरूण कुमार गुप्ता ने गुरुवार को पदभार ग्रहण कर लिया।

इससे पूर्व वह केजीके पीजी कॉलेज मुरादाबाद के राजनीति विज्ञान विभाग में एसोसिएट प्रोफेसर के पद पर कार्यरत थे। उन्होंने गुरुवार को दिन में निवर्तमान रजिस्ट्रार प्रो. गिरिजा शंकर शुक्ल से चार्ज लिया। मीडिया प्रभारी डॉ. प्रभात चन्द्र मिश्र ने बताया कि डॉ. गुप्ता ने उच्च शिक्षा इलाहाबाद विश्वविद्यालय से ग्रहण की।

अमर उजाला
युवा Youth
इलाहाबाद 5

डॉ. अरुण कुमार बने मुविवि के नए रजिस्ट्रार

इलाहाबाद। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के नवनियुक्त रजिस्ट्रार डॉ. अरुण कुमार गुप्ता ने बृहस्पतिवार को कार्यभार संभाल लिया। इससे पूर्व डॉ. गुप्ता केजीके पीजी कॉलेज, मुरादाबाद में राजनीति विज्ञान विभाग में एसोसिएट प्रोफेसर के पद पर तैनात थे। उन्होंने बृहस्पतिवार सुबह प्रो. गिरिजा शंकर शुक्ल से रजिस्ट्रार पद का चार्ज लिया।

कार्यभार ग्रहण करने के बाद कहा कि आगामी 18 सितंबर को प्रस्तावित दीक्षांत समारोह का सफलतापूर्वक आयोजन उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। कहा कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश में मुक्त शिक्षा की असीम संभावनाएं हैं। डॉ. गुप्ता ने उच्च शिक्षा इलाहाबाद विश्वविद्यालय से ही ग्रहण की। उन्होंने यहां से बीएससी, एमए और डीफिल की उपाधि प्राप्त करने के लिए जेआरएफ फेलो के रूप में इविवि में अध्यापन कार्य किया।

जनसंदेश टाइम्स
इलाहाबाद

डॉ अरूण बने मुक्त विश्वविद्यालय के कुलसचिव

इलाहाबाद। उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय इलाहाबाद के नवनियुक्त कुलसचिव डा. अरूण कुमार गुप्त ने गुरूवार को पदभार ग्रहण कर लिया। उन्होंने गुरूवार पूर्वान्ह निवर्तमान कुलसचिव प्रो.गिरिजा शंकर शुक्लासे कुलसचिव पद का चार्ज लिया। इससे पूर्व डा. गुप्त केजीके (पीजी) कालेज, मुरादाबाद में राजनीति विज्ञान में एसोसिएट प्रोफेसर के पद पर कार्यरत थे। मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी डा.प्रभात चन्द्र मिश्र ने बताया कि डा.गुप्त ने उच्च शिक्षा इलाहाबाद विश्वविद्यालय से ग्रहण की। यहीं से बीएससी, एमए तथा डीफिल की उपाधि प्राप्त करने के पश्चात उन्होंने जेआरएफ फैलो के रूप में इलाहाबाद विश्वविद्यालय में अध्यापन कार्य किया। उन्होंने महामति प्राणनाथ महाविद्यालय मऊ चित्रकूट एवं केजीके (पीजी) कालेज, मुरादाबाद में राजनीति विज्ञान विषय में एसोसिएट प्रोफेसर के रूप में अध्यापन कार्य किया। डा.गुप्त 2009 से 2016 तक एमजीएम कालेज संभल के प्राचार्य रहे। डा. गुप्त ने कार्यभार ग्रहण करने के पश्चात कहा कि उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता आगामी 18 सितम्बर 2018 को होने वाले दीक्षान्त समारोह को सफलतापूर्वक आयोजित करना और इससे संबंधित सभी कार्यों को समयबद्ध तरीके से संयोजित करना है।

अमर उजाला
amarujala.com
इलाहाबाद | शुक्रवार | 10 अगस्त 2018
SELECT
अमर उजाला www.amarujala.com इलाहाबाद CITY

डॉ. अरुण मुक्त विवि के नए रजिस्ट्रार

इलाहाबाद। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के नवनियुक्त रजिस्ट्रार डॉ. अरुण कुमार गुप्ता ने बृहस्पतिवार को कार्यभार संभाल लिया। इससे पूर्व डॉ. गुप्ता केजीके पीजी कॉलेज, मुरादाबाद में राजनीति विज्ञान विभाग में एसोसिएट प्रोफेसर के पद पर तैनात थे।

उन्होंने बृहस्पतिवार सुबह प्रो. गिरिजा शंकर शुक्ल से रजिस्ट्रार पद का चार्ज लिया।

कार्यभार ग्रहण करने के बाद कहा कि आगामी 18 सितंबर को प्रस्तावित दीक्षांत समारोह का सफलतापूर्व आयोग उनकी उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। कहा कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश में मुक्त शिक्षा की असीम संभावनाए हैं।

इसलिए सुदूर क्षेत्रों में दूरस्था शिक्षा के प्रचार-प्रसार के लिए विशेष जागरूकता शिविर आयोजित किए जाएंगे।

पायनियर
लखनऊ, नई दिल्ली, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित
www.dailypioneer.com
लखनऊ, शुक्रवार, 10 अगस्त, 2018

डा. अरुण कुमार गुप्त बने मुक्त विवि के कुलसचिव

● पश्चिमी यूपी में मुक्त शिक्षा की असीम संभावनाएं: डा. गुप्त

पायनियर समाचार सेवा। इलाहाबाद

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय इलाहाबाद के नवनियुक्त कुलसचिव डा. अरूण कुमार गुप्त ने गुरूवार को पदभार ग्रहण कर लिया। डा. गुप्त की नियुक्ति मुक्त विश्वविद्यालय में कुलसचिव के पद पर हुई थी। इससे पूर्व डा. गुप्त केजीके (पीजी) कालेज, मुरादाबाद में राजनीति विज्ञान में एसोसिएट प्रोफेसर के पद पर कार्यरत थे। डा. गुप्त ने आज पूर्वान्ह निवर्तमान कुलसचिव प्रो. गिरिजा शंकर शुक्ल से कुलसचिव पद का चार्ज लिया। मीडिया प्रभारी डा. प्रभात चन्द्र मिश्र ने बताया कि डा. गुप्त ने उच्च शिक्षा

नवनियुक्त कुलसचिव डा. अरूण कुमार गुप्त

इलाहाबाद विश्वविद्यालय से ग्रहण की। यहीं से बीएससी, एमए तथा डीफिल की उपाधि प्राप्त करने के पश्चात उन्होंने जेआरएफ फैलो के रूप में इलाहाबाद विश्वविद्यालय में अध्यापन कार्य किया। उन्होंने महामति प्राणनाथ महाविद्यालय मऊ चित्रकूट एवं केजीके (पीजी) कालेज, मुरादाबाद में राजनीति विज्ञान विषय में एसोसिएट प्रोफेसर के रूप में अध्यापन कार्य किया। डा. गुप्त 2009 से 2016 तक एमजीएम कालेज संभल के प्राचार्य रहे। डा. गुप्त ने कार्यभार ग्रहण करने के पश्चात कहा कि उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता आगामी 18 सितम्बर 2018 को होने वाले दीक्षान्त समारोह को सफलतापूर्वक आयोजित कराना और इससे संबंधित सभी कार्यों को समयबद्ध तरीके से संयोजित करना है। मुरादाबाद से आये डा. गुप्त ने कहा कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश में मुक्त शिक्षा की असीम संभावनाएं हैं। सुदूर क्षेत्रों में दूरस्थ शिक्षा के प्रचार प्रसार के लिए विशेष जागरूकता शिविर आयोजित किए जायेंगे। सघन अभियान चलाकर लोगों को प्रेरित किया जायेगा कि वे अन्य डिग्री प्राप्त करते हुए मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा संचालित कौशल युक्त रोजगार परक डिप्लोमा एवं प्रमाण पत्र कार्यक्रम में प्रवेश लेकर रोजगार प्राप्त कर सकते हैं।

मुक्त चिंतन News Letter

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

A Quarterly News Bulletin of U.P. Rajarshi Tandon Open University, Allahabad

हम पहुँचे वहाँ, पहुँचा न कोई जहाँ

10 अगस्त, 2018

दीक्षान्त समारोह की तैयारी की समीक्षा बैठक

दिनांक 10 अगस्त, 2018 को आगामी 13वें दीक्षान्त समारोह (दिनांक 18 सितम्बर, 2018) के आयोजन की विभिन्न तैयारियों की समीक्षा माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी की अध्यक्षता में हुई बैठक में की गयी। बैठक में नवनियुक्त कुलसचिव डॉ0 अरुण कुमार गुप्त का परिचय सभी सदस्यों से कराया गया। दीक्षान्त समारोह हेतु अधिसूचित एवं गठित समितियों के समन्वयकों एवं संयोजकों ने अभी तक हुई विभिन्न कार्ययोजनाओं की प्रगति से माननीय कुलपति जी को अवगत कराया।

दीक्षान्त समारोह की तैयारी बैठक की समीक्षा करते हुए माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी एवं बैठक में उपस्थित समन्वयक एवं संयोजकगण

दीक्षान्त समारोह की तैयारी बैठक की समीक्षा करते हुए माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी एवं बैठक में उपस्थित समन्वयक एवं संयोजकगण

नवनियुक्त कुलसचिव डॉ0 अरुण कुमार गुप्त बैठक में माननीय कुलपति जी एवं सभी संकाय सदस्यों का अभिवादन करते हुए।

माननीय कुलपति जी की अध्यक्षता में आहूत बैठक में प्रतिभाग करते नवनियुक्त कुलसचिव डॉ0 अरुण कुमार गुप्त, सभी विद्या शाखाओं के निदेशक, प्रोफेसर, एसोसिएट प्रोफेसर/उपनिदेशक तथा असिस्टेन्ट प्रोफेसर ।

मुक्त चिंतन News Letter

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

A Quarterly News Bulletin of U.P. Rajarshi Tandon Open University, Allahabad

हम पहुँचे वहाँ, पहुँचा न कोई जहाँ

15 अगस्त, 2018

- *ध्वजारोहण करने के लिए जाते हुए माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी।*
- *स्वतन्त्रता दिवस के अवसर पर ध्वजारोहण करते हुए मा0 कुलपति जी।*

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय में स्वतंत्रता दिवस का आयोजन धूमधाम से सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी ने ध्वजारोहण किया एवं विश्वविद्यालय के उन्नयन के लिए राष्ट्रीय संदेश दिया।

इसके पश्चात् विश्वविद्यालय के यमुना परिसर में वृक्षारोपण का कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें विश्वविद्यालय के कुलपति, कुलसचिव, वित्त अधिकारी, सभी विद्याशाखा के निदेशक एवं शिक्षक तथा कर्मचारियों ने वृक्षारोपण किया।

प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह

हरित क्रान्ति ने देश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन किया : प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह

स्वतन्त्रता दिवस के अवसर पर मा0 कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी ने ध्वजारोहण किया। इस अवसर पर उन्होंने अपने सम्बोध्न में कहा कि अंग्रेजी शासन के विरूद्ध क्रान्तिकारियों एवं स्वतन्त्रता सेनानियों ने देश की आजादी के लिए लम्बा संघर्ष किया। तत्पश्चात 15 अगस्त 1947 को देश को आजादी मिली। आजादी के उपरान्त लोकतान्त्रिक गणतन्त्र की स्थापना की गयी। देशवासियों को समता, स्वतन्त्रता शोषण के विरूद्ध अधिकार आदि प्रदान किये गये, जो उस समय उपलब्ध नहीं थे। आजादी का लक्ष्य राष्ट्र निर्माण था। हमने आजादी के पश्चात् कृषि, विज्ञान और अनुसंधान के क्षेत्र में काफी विकास किया। प्रो0 सिंह ने कहा कि आज हर व्यक्ति को अपना दायित्व ईमानदारी से निभाना है, जिससे देश का चौमुखी विकास हो सके।

कुलपति प्रो0 सिंह ने विश्वविद्यालय के शिक्षकों एवं कर्मचारियों को सम्बोधित करते हुये कहा कि शिक्षा के द्वारा ही राष्ट्र का निर्माण हो सकता है। हरित क्रान्ति ने देश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन किया जिसके कारण भूखमरी जैसी समस्या का समाधान हो सका। वर्तमान में देश कुपोषण जैसी भयानक समस्या से लड़ रहा है जिसके निदान हेतु सभी को मिलकर राष्ट्रहित में कार्य करने के लिए सभी को संकल्प लेना होगा। विश्वविद्यालय को आगे बढ़ाने में सभी का योगदान है। उन्होंने कहा कि शिक्षकों एवं कर्मचारियों से जुड़ी समस्त समस्याओं के समाधान हेतु अनिवार्य कदम उठाये जायेंगे। उन्होने अपने भाषण के माध्यम से शिक्षकों एवं कर्मचारियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि आप लोगों का प्रयास सराहनीय है निकट भविष्य में भी आप लोग इसी तरह पूरी निष्ठा एवं ईमानदारी से कार्य करेंगे। आप लोगो के इस प्रयास से निसंदेह यह विश्वविद्यालय वर्चुवल विश्वविद्यालय के रुप में अपनी पहचान बनाने में सफल होगा। अन्त में मा0 कुलपति जी ने विश्वविद्यालय परिवार के सभी सदस्यों को स्वतन्त्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं दी तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना देते हुए निकट भविष्य में इसी प्रकार कार्य करने हेतु अभिप्रेरित किया।

विश्वविद्यालय परिवार के साथ मा0 कुलपति जी।

स्वतन्त्रता दिवस कार्यक्रम की एक झलक

यमुना परिसर में वृक्षारोपण कार्यक्रम की एक झलक
दिनांक 15 अगस्त, 2018

विश्वविद्यालय के यमुना परिसर में वृक्षा रोपण करते हुए माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी एवं साथ में विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण।

विश्वविद्यालय के यमुना परिसर में वृक्षा रोपण करते हुए माननीय कुलपति प्रो० कामेश्वर नाथ सिंह जी एवं साथ में विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण एवं यमुना परिसर में बन रहे भवनो का निरीक्षण करते हुए माननीय कुलपति प्रो० कामेश्वर नाथ सिंह जी

मुक्त चिंतन News Letter

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

A Quarterly News Bulletin of U.P. Rajarshi Tandon Open University, Allahabad

हम पहुँचे वहाँ, पहुँचा न कोई जहाँ

15 अगस्त, 2018

स्वतन्त्रता दिवस की 72 वीं वर्षगांठ पर उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केन्द्र फैजाबाद की तरफ से समस्त देशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनायें। इस शुभ अवसर पर क्षेत्रीय केन्द्र फैजाबाद, बी0एन0एस0 गर्ल्स डिग्री कालेज बाईपास रोड परिक्रमा मार्ग जनौरा में ध्वजारोहण किया गया।

इस अवसर पर कार्यालय के कर्मचारी श्री पवन कुमार उपाध्याय, संजय सिंह, अजीत राव, प्राचार्य श्रीमती सोनी स्वर्णकार, अवध विश्वविद्यालय के कर्मचारी महा संघ के अध्यक्ष डॉ0 राजेश सिंह, अरविन्द यादव, डॉ0 मोहन नन्दन श्रीवास्तव, डॉ0 शिवेन्द्र सिंह, श्रीमती रीतू आर्या, डॉ0 चन्द्र प्रकाश मौर्या एवं महाविद्यालय के शिक्षक व छात्रायें उपस्थित रही।

क्षेत्रीय केन्द्र फैजाबाद

''शिक्षा ही संगठित राष्ट्र का निर्माण करती है: डॉ0 त्रिपाठी

डॉ0 शशि भूषण त्रिपाठी

स्वतन्त्रता दिवस के अवसर पर कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए फैजाबाद क्षेत्रीय केन्द्र के निदेशक डॉ0 शशि भूषण त्रिपाठी ने कहा कि भारत को गुलामी की बेड़ियो से मुक्त कराने के लिए अपने प्राणों की आहूति देने वाले देश के सपूतो को हम नमन और उनके प्रति श्रद्धासुमन अर्पित करते हैं। स्वतन्त्रता के बाद से देश तेजी से विकास के मार्ग पर आगे बढ़ रहा है, लेकिन साथ ही साथ समाज को तोड़ने वाली शक्तियां अपना पॉव पसार रही हैं। ऐसी विरोधी ताकतो के प्रति लड़ने के लिए नौजवानों को आगे आना होगा, ऐसा तभी सम्भव होगा जब उच्च शिक्षा की पहुँच सभी आम जन तक हो सकेगा और ऐसा करने में उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय सतत प्रयत्नशील है। चाणक्य ने कहा था कि ''शिक्षा ही संगठित राष्ट्र का निर्माण करती है'' इसी ध्येय वाक्य को हमें अपने जीवन में उतारना होगा और नैतिक मूल्यों, मर्यादा एवं संस्कारो की रक्षा करनी होगी।

भारत संवाद
...क्रांतिबीज

रूढ़ियों को तोड़ दो, परम्परायें छोड़ दो। भला न हो जिसमें देश का, वह काम करना छोड़ दो-कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह

इलाहाबाद,भातर संवाद। उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय में स्वतंत्रता दिवस समारोह का आयोजन धूमधाम से मना गया। इस अवसर पर गंगा परिसर स्थित मुख्य प्रशासनिक भवन में कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह ने ध्वजारोहण किया। कुलपति प्रो0 सिंह ने विश्वविद्यालय परिवार को सम्बोधित करते हुए कहा कि आज हम यह संकल्प लें कि जाति, भाषा, क्षेत्र एवं सम्प्रदाय से ऊपर उठकर समाजहित, देशहित एवं विश्वविद्यालय हित में काम करेंगे एवं निर्णय लेंगे। उन्होंने संकल्प दिलाते हुए कहा कि-"रूढ़ियों को तोड़ दो, परम्परायें छोड़ दो। भला न हो जिसमें देश का, वह काम करना छोड़ दो।"

प्रो0 सिंह ने कहा कि आज भारत की संस्कृति और भारत के संस्कार पूरी दुनिया में लोकप्रिय हो रहे हैं। हमें अपने डिजिटल इंडिया पर भी गर्व होना चाहिये। इस अवसर पर कुलपति प्रो0 सिंह एवं विश्वविद्यालय के अधिकारियों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने यमुना परिसर में वृहद वृक्षारोपण अभियान चलाया। कुलपति प्रो0 सिंह ने यमुना परिसर में निर्मित आवासीय भवनों का भी निरीक्षण किया।

Tags # allahabad # national

दोस्तों को बताएं

http://www.bharatsamvad.online/2018/08/0_

पायनियर

श्रद्धापूर्वक मनाया गया 72वां स्वाधीनता दिवस समारोह

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय में स्वतंत्रता दिवस समारोह धूमधाम से सम्पन्न हुआ। गंगा परिसर स्थित मुख्य प्रशासनिक भवन में कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने ध्वजारोहण किया। कुलपति प्रो. सिंह ने कहा कि आज हम यह संकल्प लें कि जाति, भाषा, क्षेत्र एवं सम्प्रदाय से ऊपर उठकर समाजहित, देशहित एवं विश्वविद्यालय हित में काम करेंगे एवं निर्णय लेंगे। उन्होंने संकल्प दिलाते हुए कहा कि रूढ़ियों को तोड़ दो, परम्पराएं छोड़ दो। प्रो. सिंह ने कहा कि आज भारत की संस्कृति और भारत के संस्कार पूरी दुनिया में लोकप्रिय हो रहे हैं। कुलपति प्रो. सिंह एवं विश्वविद्यालय के अधिकारियों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने यमुना परिसर में वृहद वृक्षारोपण अभियान चलाया। कुलपति प्रो. सिंह ने यमुना परिसर में निर्मित आवासीय भवनों का निरीक्षण किया।

मुक्त चिंतन News Letter

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

A Quarterly News Bulletin of U.P. Rajarshi Tandon Open University, Allahabad

हम पहुँचे वहाँ, पहुँचा न कोई जहाँ

17 अगस्त, 2018

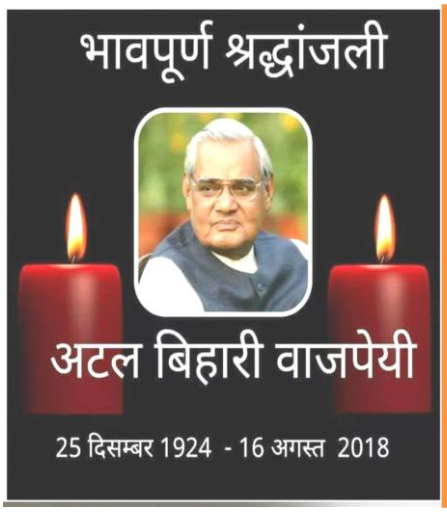

अटल जी को मुक्त विश्वविद्यालय ने दी श्रद्धांजलि

देश के पूर्व प्रधानमंत्री भरत रत्न अटल बिहारी बाजपेयी के निधन पर उ0 प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय में दिनांक 17 अगस्त, 2018 को श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह ने अटल जी के चित्र पर पुष्पार्पण करके उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए। प्रो0 सिंह ने कहा कि अटल बिहारी बाजपेयी के निधन से देश को अपूर्णीय क्षति हुई है। वे देश के महान चिंतक थे। श्रद्धासुमन अर्पित करने वालों में कुलसचिव डॉ0 ए0के0 गुप्ता, निदेशकगण प्रो0 ओमजी गुप्ता, प्रो0 पी.पी. दुबे, प्रो0 आर0पी0एस0 यादव, प्रो0 गिरिजा शंकर शुक्ल, प्रो0 आशुतोष गुप्ता, प्रो0 सुधांशु त्रिपाठी, प्रो0 पी0के0 पाण्डेय, डॉ0 टी0एन0 दुबे, परीक्षा नियंत्रक डॉ0 जी0के0 द्विवेदी, विश्वविद्यालय के अधिकारी, शिक्षक एवं कर्मचारीगण रहे।

शोक प्रस्ताव पढ़ते हुए मा0 कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह

अत्यन्त दुःख के साथ यह सूचित करना पड़ रहा है कि भारत के पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न श्री अटल बिहारी बरजपेयी का कल दिनांक 16 अगस्त, 2018 को सायं 05 बजकर 05 मिनट पर निधन हो गया। उनके निधन से हमारा विश्वविद्यालय अति मर्माहत है। दुःख की इस घड़ी में परम पिता परमेश्वर से प्रर्थना है कि उनकी मृत आत्मा को शान्ति प्रदान करें तथा उनके शुभेच्छुओं एवं पारिवारिकजनों को इस दुःख को सहन करने का सम्बल प्रदान करें।

विश्वविद्यालय परिवार के सदस्य

श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए मा0 कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह एवं कुलसचिव डॉ0 ए0के0 गुप्ता।

श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए विश्वविद्यालय परिवार के सदस्य

श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए विश्वविद्यालय परिवार के सदस्य

अमर उजाला
अलविदा पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की अंतिम यात्रा में उमड़ा जनसैलाब उत्तर प्रदेश
कालजयी अटल
शहर की विभिन्न संस्थाओं और संगठनों ने पूर्व प्रधानमंत्री अटल को दी भावपूर्ण श्रद्धांजलि
अमर उजाला
इलाहाबाद ■ शनिवार, 18 अगस्त 2018

एनजीबीयू, यूपीआरटीओयू में पूर्व प्रधानमंत्री को दी गई श्रद्धांजलि

राजर्षि टंडन विवि में श्रद्धांजलि दी गई।

इलाहाबाद। भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी बाजपेयी के निधन पर नेहरू ग्राम भारती डीम्ड विश्वविद्यालय परिवार शोकसंतप्त है। शनिवार को विश्वद्यालय में हुई शोक सभा में पूर्व प्रधानमंत्री को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कुलाधिपति जेएन मिश्र ने कहा कि अटल जी का खुले विचारों का विशाल व्यक्तित्व था। शोक सभा में कुलपति प्रो. पीएन पांडेय, प्रति कुलपति डॉ. एसपी तिवारी, कुलसचिव आरएल विश्वकर्मा, डॉ. एचडी सिंह, डॉ. राजेश तिवारी, डॉ. प्रवीण मिश्र, डॉ. देव नारायण पाठक आदि मौजूद रहे। वहीं, उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने अटल जी के चित्र पर श्रद्धासुमन अर्पित किए और कहा कि उनके निधन से देश को अपूर्णीय क्षति हुई है। इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय में कुलपति प्रो. राजेंद्र प्रसाद समेत सभी अधिकारियों, कर्मचारियों एवं शिक्षकों ने दो मिनट का मौन रखकर पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी बाजपेयी को श्रद्धांजलि अर्पित की।

दैनिक जागरण

श्रद्धांजलि सभा

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में अटल बिहारी वाजपेयी के चित्र पर श्रद्धासुमन अर्पित करते कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह।

राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय ने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी बाजपेयी के निधन पर शोकसभा की। इस अवसर पर कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने अटलजी के चित्र पर श्रद्धासुमन अर्पित किए। श्रद्धासुमन अर्पित करने वालों में कुलसचिव डॉ. एके गुप्ता, प्रो. ओमजी गुप्ता, प्रो. पीपी दुबे, प्रो. आरपीएस यादव, प्रो. गिरिजा शंकर शुक्ल, प्रो. आशुतोष गुप्ता, प्रो. सुधांशु त्रिपाठी, प्रो. पीके पाण्डेय, डॉ. टीएन दुबे, परीक्षा नियंत्राक डॉ. जीके द्विवेदी आदि रहे।

आज महानगर प्लस
इलाहाबाद, शनिवार, १८ अगस्त, २०१८

अटल जी को मुक्त विश्व-विद्यालय ने दी श्रद्धांजलि

देश के पूर्व प्रधानमंत्री भरत रत्न अटल बिहारी बाजपेयी के निधन पर उ० प्र० राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय में दिनांक १७ अगस्त, २०१८ को श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कुलपति प्रो० कामेश्वर नाथ सिंह ने अटल जी के चित्रा पर पुष्पार्पण करके उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए।

प्रो० सिंह ने कहा कि अटल बिहारी बाजपेयी के निधन से देश को अपूर्णीय क्षति हुई है। वे देश के महान चिंतक थे। श्रद्धासुमन अर्पित करने वालों में कुलसचिव डॉ० ए०के० गुप्ता, निदेशकगण प्रो० ओमजी गुप्ता, प्रो० पी.पी. दुबे, प्रो० आर०पी०एस० यादव, प्रो० गिरिजा शंकर शुक्ल, प्रो० आशुतोष गुप्ता, प्रो० सुधांशु त्रिपाठी, प्रो० पी०के० पाण्डेय, डॉ० टी०एन० दुबे, परीक्षा नियंत्राक डॉ० जी०के० द्विवेदी, विश्वविद्यालय के अधिकारी, शिक्षक एवं कर्मचारी आदि आदि रहे।

जनसंदेश टाइम्स

अलविदा अटल

उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय में श्रद्धांजलि अर्पित करते कुलपति

अटल जी को मुक्त विश्वविद्यालय ने दी श्रद्धांजलि

इलाहाबाद। देश के पूर्व प्रधानमंत्री भरत रत्न अटल बिहारी बाजपेयी के निधन पर उ० प्र० राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कुलपति प्रो० कामेश्वर नाथ सिंह ने अटल जी के चित्रा पर पुष्पार्पण करके उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए। प्रो० सिंह ने कहा कि अटल बिहारी बाजपेयी के निधन से देश को अपूर्णीय क्षति हुई है। वे देश के महान चिंतक थे। श्रद्धासुमन अर्पित करने वालों में कुलसचिव डॉ० ए०के० गुप्ता, निदेशकगण प्रो० ओमजी गुप्ता, प्रो० पी.पी. दुबे, प्रो० आर० पी०एस० यादव, प्रो० गिरिजा शंकर शुक्ल, प्रो० आशुतोष गुप्ता, प्रो० सुधांशु त्रिपाठी, प्रो० पी०के० पाण्डेय, डॉ० टी०एन० दुबे, परीक्षा नियंत्राक डॉ० जी०के० द्विवेदी, विश्वविद्यालय के अधिकारी, शिक्षक एवं कर्मचारी आदि आदि रहे।

शनिवार,18 अगस्त, 2018 पिछले अंक

मुक्त विवि में दी गई श्रद्धांजलि

इलाहाबाद। राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय और इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय (एएसयू) में श्रद्धांजलि सभा आयोजित कर पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। मुक्त विवि में हुई सभा में कुलपति प्रो. केएन सिंह ने कहा कि अटल जी के निधन से देश को जो क्षति हुई है, उसकी पूर्ति नहीं की जा सकती है। इस मौके पर रजिस्ट्रार डॉ. एके गुप्ता, प्रो. ओमजी गुप्ता, प्रो. पीपी दुबे, प्रो. आरपीएस यादव, प्रो. गिरिजा शंकर शुक्ल, प्रो. आशुतोष गुप्ता, प्रो. सुधांशु त्रिपाठी, प्रो. पीके पांडेय, डॉ. टीएन दुबे, डॉ. जीके द्विवेदी आदि उपस्थित थे।

राजर्षि टंडन विवि में श्रद्धांजलि दी गई।

SAMSUNG Galaxy Note9
Get Gear Sport at ₹4999/-

पायनियर
लखनऊ, शनिवार, 18 अगस्त, 2018 इलाहाबाद/कौशाम्बी/प्रतापगढ़

भारतीय राजनीति के भीष्म पितामह को सभी ने किया नमन

प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय में शुक्रवार को श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने अटल जी के चित्र पर पुष्पार्पण करके उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए। प्रो. सिंह ने कहा कि अटल बिहारी बाजपेयी के निधन से देश को अपूर्णीय क्षति हुई है। वे देश के महान चिंतक थे।

श्रद्धासुमन अर्पित करने वालों में कुलसचिव डा. ए के गुप्ता, निदेशक प्रो. ओम जी गुप्ता, प्रो. पी पी दुबे, प्रो. आर पी एस यादव, प्रो. गिरिजा शंकर शुक्ल, प्रो. आशुतोष गुप्ता, प्रो. सुधांशु त्रिपाठी, प्रो. पी के पाण्डेय, डा. टी एन दुबे, परीक्षा नियंत्रक डा. जी के द्विवेदी, डा. प्रभात चन्द्र मिश्र, विश्वविद्यालय के अधिकारी, शिक्षक एवं कर्मचारी आदि रहे।

मुक्त चिंतन News Letter

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

A Quarterly News Bulletin of U.P. Rajarshi Tandon Open University, Allahabad

हम पहुँचे वहाँ, पहुँचा न कोई जहाँ

18 अगस्त, 2018

विद्या परिषद् की 55वीं (आपातकालीन) बैठक आयोजित

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय की विद्या परिषद् की 55वीं (आपातकालीन) बैठक दिनांक 18 अगस्त 2018 को पर्वाह्न 11:00 बजे कमेटी कक्ष में आहूत की गई। बैठक की अध्यक्षता प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह, कुलपति, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद ने की। बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिये गये।

माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह

बैठक में प्रो0 ओमजी गुप्ता, निदेशक, प्रबन्धन अध्ययन विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद, प्रो0 पी0पी0 दुबे, निदेशक, कृषि विज्ञान विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद, प्रो0 आर0पी0एस0 यादव, निदेशक, मानविकी विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद, प्रो0 आशुतोष गुप्ता निदेशक, विज्ञान विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद, प्रो0 गिरिजा शंकर शुक्ल निदेशक, स्वास्थ्य विज्ञान विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद, प्रो0 पी0के0 पाण्डेय, शिक्षा विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद, प्रो0 सुधाशु त्रिपाठी, समाज विज्ञान विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद, डॉ0 सन्तोषा कुमार, एसोसिएट प्रोफेसर, समाज विज्ञान विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद, डॉ0 विनोद कुमार गुप्ता उपनिदेशक/एसोसिएट प्रोफेसर, मानविकी विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद, डॉ0 साधना श्रीवास्तव असिस्टेन्ट प्रोफेसर, मानविकी विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, श्री सुनील कुमार, असिस्टेन्ट प्रोफेसर, समाज विज्ञान विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद एवं डॉ0 ए0के0 गुप्ता, कुलसचिव, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद उपस्थित रहे।

विद्या परिषद की बैठक की अध्यक्षता करते हुए माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी एवं बैठक में उपस्थित सदस्यगण।

मुक्त चिंतन News Letter

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

A Quarterly News Bulletin of U.P. Rajarshi Tandon Open University, Allahabad

हम पहुँचे वहाँ, पहुँचा न कोई जहाँ

18 अगस्त, 2018

कार्य परिषद् की 99वीं (आपातकालीन) बैठक आयोजित

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, कार्य परिषद् की 98वीं (आपातकालीन) बैठक दिनांक 18 अगस्त, 2018 को अपराह्न 03:00 बजे कमेटी कक्ष में आहूत की गई। बैठक की अध्यक्षता प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह, कुलपति, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद ने की। बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गये।

बैठक में डॉ0 आर0पी0एस0 यादव, निदेशक, मानविकी विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद, डॉ0 आशुतोष गुप्ता, निदेश, विज्ञान विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद, प्रो0 पी0के0 पाण्डेय, प्रोफेसर, शिक्षा विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद, डॉ0 सन्तोषा कुमार, एसोसिएट प्रोफेसर, समाज विज्ञान विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद डॉ0 जी. के. द्विवेदी असि. प्रोफेसर, शिक्षा विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद एवं डॉ0 अरुण कुमार गुप्ता, कुलसचिव, उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद, उपस्थित रहे।

माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह

कार्य परिषद की बैठक की अध्यक्षता करते हुए माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी एवं बैठक में उपस्थित सदस्यगण।

मुक्त चिंतन News Letter

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

A Quarterly News Bulletin of U.P. Rajarshi Tandon Open University, Allahabad

हम पहुँचे वहाँ, पहुँचा न कोई जहाँ

18 अगस्त, 2018

eqDr fo'ofo|ky; esa gksxk ^^vVy Le`fr }kj**

dk;Zifj"kn us fy;k fu.kZ;

माननीय कुलपति प्रो० कामेश्वर नाथ सिंह

राष्ट्रीय पुनर्निर्माण में भारत रत्न स्व0 अटल बिहारी बाजपेयी के योगदान को देखते हुए उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय की कार्यपरिषद ने शनिवार को आज सहमति से गंगा परिसर स्थित प्रशासनिक भवन के मुख्य द्वार का नाम **''अटल स्मृति द्वार''** के नाम पर रखने का निर्णय लिया।

विद्यापरिषद सहित विश्वविद्यालय के शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने कार्यपरिषद के उक्त निर्णय की सराहना करते हुये कहा कि विश्वविद्यालय ने सही समय पर यह निर्णय लेते हुए अटल जी के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि व्यक्त की है। मुख्य प्रवेश द्वार का नामकरण अटल जी के नाम पर रखे जाने से उनकी स्मृति विश्वविद्यालय में प्रवेश करने वाले हर व्यक्ति के मन मस्तिष्क पर जीवंत रहेंगी।

उल्लेखनीय है कि उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय में पहले से ही पं0 अटल बिहारी बाजपेयी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व के विविध पक्षों यथा सैद्धान्तिक सोच पत्रकारिता, काव्य शैली, भाषणशैली एवं उनके योगदान आदि पर 'अटल बिहारी बाजपेयी शोधपीठ' की स्थापना की है।

उनकी विचारधारा एवं योगदान के समसामायिक महत्व को देखते हुए पं0 अटल बिहारी बाजपेयी के जन्मदिन के अवसर पर 25 दिसम्बर 2018 को भारत कल, आज और कल विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया जाएगा। उक्त जानकारी पं0 अटल बिहारी बाजपेयी शोधपीठ के निदेशक प्रो0 गिरिजा शंकर शुक्ल ने दी।

कार्यपरिषद की बैठक के बाद कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह ने विश्वविद्यालय के ''विजन डाक्यूमेंट'' का विमोचन किया, जिसमें विश्वविद्यालय द्वारा संचालित शैक्षिक कार्यक्रम एवं प्रस्तावित कार्ययोजना समाहित है। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ0 ए0के0 गुप्त, प्रो0 ओमजी गुप्ता, प्रो0 पी0पी0दुबे, प्रो0 आर0पी0एस0 यादव, प्रो0 आशुतोष गुप्ता, प्रो0 पी0के0 पाण्डेय आदि उपस्थित रहे।

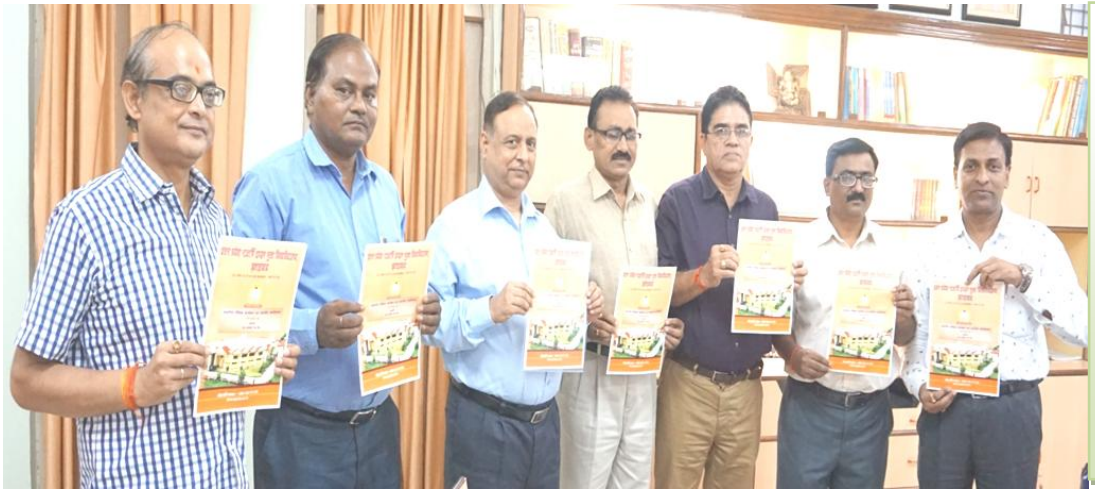

''विजन डाक्यूमेंट'' का विमोचन करते हुए मा0 कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह तथा साथ में कुलसचिव डॉ0 ए0के0 गुप्त, प्रो0 ओमजी गुप्ता, प्रो0 पी0पी0दुबे, प्रो0 आर0पी0एस0 यादव, प्रो0 आशुतोष गुप्ता, प्रो0 पी0के0 पाण्डेय

रविवार,19 अगस्त, 2018 पिछले अंक

रविवासरीय हिन्दुस्तान

तरक्की को चाहिए नया नजरिया

www.livehindustan.com

मुक्त विश्वविद्यालय में होगा अटल स्मृति द्वार

मुक्त विश्वविद्यालय में शनिवार को 'विजन डाक्यूमेंट' का विमोचन किया गया।

इलाहाबाद | प्रमुख संवाददाता

राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय ने गंगा परिसर स्थित प्रशासनिक भवन के मुख्य द्वार का नाम अटल स्मृति द्वार रखने का निर्णय लिया है। यह निर्णय शनिवार को हुई कार्य परिषद की बैठक में लिया गया।

विवि के शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने कार्यपरिषद के निर्णय की सराहना करते हुए कहा है कि विवि ने सही समय पर निर्णय लेते हुए पूर्व प्रधानमंत्री के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि व्यक्त की है। मुख्य प्रवेश द्वार का नामकरण अटल बिहारी वाजपेयी के नाम पर होने से उनकी स्मृति विश्वविद्यालय में प्रवेश करने वाले हर व्यक्ति के मन मस्तिष्क पर जीवंत रहेंगी। कार्यपरिषद की बैठक के बाद कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने विश्वविद्यालय के विजन डाक्यूमेंट का विमोचन भी किया।

Allahabad city SELECT 19 Aug

अमर उजाला

amarujala.com

इलाहाबाद | रविवार | 19 अगस्त 2018

SELECT

मुक्त विवि में होगा 'अटल स्मृति द्वार'

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की कार्य परिषद ने लिया निर्णय

इलाहाबाद। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में गंगा परिसर स्थित प्रशासनिक भवन के मेन गेट को 'अटल स्मृति द्वार' का नाम दिया जाएगा। यह निर्णय शनिवार को हुई विश्वविद्यालय की कार्य परिषद की बैठक में लिया गया।

कुलपति ने किया विजन डॉक्यूमेंट का विमोचन

विद्यापरिषद सहित विश्वविद्यालय के शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने कार्यपरिषद के इस निर्णय की सराहना करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय ने सही समय पर यह निर्णय लेते हुए अटल जी के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि व्यक्त की है। मुख्य प्रवेश द्वार का नामकरण अटल जी के नाम पर होने से उनकी स्मृति विश्वविद्यालय में प्रवेश करने वाले हर व्यक्ति के मन मस्तिष्क पर जीवंत रहेगी। उल्लेखनीय है कि विश्वविद्यालय में पहले से ही अटल बिहारी बाजपेयी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व के विविध पक्षों पर 'अटल बिहारी बाजपेयी शोधपीठ' की स्थापना कर रखी है।

कार्यपरिषद में यह निर्णय भी लिया किया गया कि अटल बिहारी बाजपेयी की जयंती पर 25 दिसंबरर 2018 को 'भारत कल, आज और कल' विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया जाएगा।

बैठक में कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने विश्वविद्यालय के विजन डॉक्यूमेंट का विमोचन किया। इसमें विश्वविद्यालय की ओर से संचालित शैक्षिक कार्यक्रम एवं प्रस्तावित कार्ययोजना समाहित है। बैठक में कुलसचिव डॉ. एके गुप्ता, प्रो. ओमजी गुप्ता, प्रो. गिरिजा शंकर शुक्ल, प्रो. पीपी दुबे, प्रो. आरपीएस यादव, प्रो. आशुतोष गुप्ता, प्रो. पीके पांडेय आदि मौजूद रहे।

SUNDAY | 19.08.2018 उत्तर प्रदेश amarujala.com

अमर उजाला

इलाहाबाद

अमर उजाला ALLAHABAD कैंपस

फिर वही डर लाया हूं

आज मनोरंजन

मुक्त विवि में होगा 'अटल स्मृति द्वार'

विश्वविद्यालय की कार्य परिषद ने लिया निर्णय

इलाहाबाद। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में गंगा परिसर स्थित प्रशासनिक भवन के मेन गेट को 'अटल स्मृति द्वार' का नाम दिया जाएगा। यह निर्णय शनिवार को हुई विश्वविद्यालय की कार्य परिषद की बैठक में लिया गया।

विश्वविद्यालय में पहले से ही अटल बिहारी वाजपेयी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व के विविध पक्षों पर 'अटल बिहारी वाजपेयी शोधपीठ' की स्थापना कर रखी है।

कार्यपरिषद में यह निर्णय भी लिया किया गया कि अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती पर 25 दिसंबरर 2018 को 'भारत कल, आज और कल' विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया जाएगा। बैठक में कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने विश्वविद्यालय के विजन डॉक्यूमेंट का विमोचन किया। इसमें विश्वविद्यालय की ओर से संचालित शैक्षिक कार्यक्रम एवं प्रस्तावित कार्ययोजना समाहित है। बैठक में कुलसचिव डॉ. एके गुप्ता, प्रो. ओमजी गुप्ता, प्रो. गिरिजा शंकर शुक्ल, प्रो. पीपी दुबे, प्रो. आरपीएस यादव, प्रो. आशुतोष गुप्ता, प्रो. पीके पांडेय आदि मौजूद रहे।

इलाहाबाद, रविवार, 19 अगस्त, 2018
परख सच की
जनसंदेश टाइम्स
इलाहाबाद, वाराणसी, लखनऊ, कानपुर एवं गोरखपुर से प्रकाशित

सुशील और बजरंग से स्वर्ण की उम्मीद - 1

हाईकोर्ट से अखिलेश को झटका, होटल निर्माण पर रोक - 15

www.jansandeshtimes.net

इलाहाबाद

मुक्त विश्वविद्यालय में होगा 'अटल स्मृति द्वार'

इलाहाबाद। राष्ट्रीय पुनर्निर्माण में भारत रत्न स्व. अटल बिहारी बाजपेयी के योगदान को देखते हुए उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय की कार्यपरिषद ने शनिवार को आम सहमति से गंगा परिसर स्थित प्रशासनिक भवन के मुख्य द्वार का नाम ह्यअटल स्मृति द्वारह्न के नाम पर रखने का निर्णय लिया। उक्त जानकारी अटल बिहारी बाजपेयी शोधपीठ के निदेशक प्रो.गिरिजा शंकर शुक्ल ने देते हुए बताया कि विद्या परिषद् सहित विश्वविद्यालय के शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने कार्य परिषद् के उक्त निर्णय की सराहना करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय ने सही समय पर यह निर्णय लेते हुए अटल जी के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि व्यक्त की है। मुख्य प्रवेश द्वार का नामकरण अटल जी के नाम पर रखे जाने से उनकी स्मृति विश्वविद्यालय में प्रवेश करने वाले हर व्यक्ति के मन मस्तिष्क पर जीवंत रहेगी। उल्लेखनीय है कि उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय में पहले से ही अटल बिहारी बाजपेयी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व के विविध पक्षों यथा सैद्धान्तिक सोच पत्रकारिता, काव्यशैली, भाषणशैली एवं उनके योगदान आदि पर अटल बिहारी बाजपेयी शोधपीठ की स्थापना की है। उनकी विचारधारा एवं योगदान के समसामयिक महत्व को देखते हुए अटल बिहारी बाजपेयी के जन्मदिन के अवसर पर 25 दिसम्बर को भारत कल, आज और कल विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया जाएगा। कार्यपरिषद की बैठक के बाद कुलपति प्रो.कामेश्वर नाथ सिंह ने विश्वविद्यालय के विजन डाक्यूमेंट का विमोचन किया इस अवसर पर कुलसचिव डा.ए.के. गुप्त, प्रो. ओमजी गुप्ता, प्रो.पी.पी. दुबे, प्रो.आर.पी.एस. यादव, प्रो.आशुतोष गुप्ता, प्रो. पी.के पाण्डेय आदि उपस्थित रहे।

'विजन डाक्यूमेंट' का विमोचन करते कुलपति व अन्य

दैनिक जागरण

मुक्त विश्वविद्यालय में होगा 'अटल स्मृति द्वार'

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन का मुख्य द्वार पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी के नाम पर होगा। शनिवार को आयोजित कार्यपरिषद की बैठक में यह निर्णय लिया गया। प्रशासनिक भवन के मुख्य द्वार का नाम 'अटल स्मृति द्वार' के नाम पर रखने का निर्णय लिया गया। पूर्व प्रधानमंत्री की विचारधारा एवं योगदान के समसामयिक महत्व को देखते हुए उनके जयंती 25 दिसंबर को राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया जाएगा। कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने 'विजन डाक्यूमेंट' का विमोचन किया। बैठक में कुलसचिव डॉ. एके गुप्त, प्रो. ओमजी गुप्ता, प्रो. पीपी दुबे, प्रो. आरपीएस यादव, प्रो. आशुतोष गुप्ता, प्रो. पीके पांडेय आदि मौजूद रहे।

वॉयस ऑफ लखनऊ

इलाहाबाद स्थित उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय की कार्यपरिषद की बैठक में आज विवि के मुख्य प्रवेश द्वार का नाम अटल स्मृति द्वार किये जाने का निर्णय लिया गया। साथ ही, अटल जी की स्मृति में भारत कल, आज और कल विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी किये जाने का भी निर्णय लिया गया है।

आज

महानगर

मुक्त विश्वविद्यालयमें होगा 'अटल स्मृति द्वार'

कार्य परिषद की बैठक में लिया गया निर्णय

राष्ट्रीय पुनर्निर्माण में भारत रत्न स्व० अटल बिहारी बाजपेयी के योगदान को देखते हुए उप्र राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय की कार्यपरिषद ने शनिवार को गंगा परिसर स्थित पशासनिक भवन के मुख्य द्वार का नाम 'अटल स्मृति द्वार' के नाम पर रखने का निर्णय लिया।

विद्यापरिषद सहित विश्वविद्यालय के शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने कार्यपरिषद के इस निर्णय की सराहना करते हुये कहा कि विश्वविद्यालय ने सही समय पर यह निर्णय लेते हुए अटल जी के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि व्यक्त की है। मुख्य प्रवेश द्वार का नामकरण अटल जी के नाम पर रखे जाने से उनकी स्मृति विश्वविद्यालय में प्रवेश करने वाले हर व्यक्ति के मन मस्तिष्क पर जीवंत रहेंगी। उल्लेखनीय है कि उ०प्र० राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय में पहले से ही पं० अटल बिहारी बाजपेयी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व के विविध पक्षों यथा सैद्धान्तिक सोच पत्रकारिता, काव्यशैली, भाषण शैली एवं उनके योगदान आदि पर 'अटल बिहारी बाजपेयी शोधपीठ' की स्थापना की है। उनकी विचारधारा एवं योगदान के समसामायिक महत्व को देखते हुए पं० अटल बिहारी बाजपेयी के जन्मदिन के अवसर पर २५ दिसम्बर को भारत कल, आज और कल विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया जाएगा। यह जानकारी पं० अटल बिहारी बाजपेयी शोधपीठ के निदेशक प्रो० गिरिजा शंकर शुक्ल ने दी।

कार्यपरिषद की बैठक के बाद कुलपति प्रो० कामेश्वर नाथ सिंह ने विश्वविद्यालय के 'विजन डाक्यूमेंट' का विमोचन किया, जिसमें विश्वविद्यालय द्वारा संचालित शैक्षिक कार्यक्रम एवं प्रस्तावित कार्ययोजना समाहित है। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ० ए०के० गुप्त, प्रो० ओमजी गुप्ता, प्रो० पी०पी०दुबे, प्रो० आर०पी०एस० यादव, प्रो० आ ुतोश गुप्ता, प्रो० पी०के० पाण्डेय आदि उपस्थित रहे।

R.N.I.UPHIN/2011/37064

डाक पंजीयन सं.-एस.एस.पी./एल.डब्ल्यू/एन.पी.-33/2011-2014

युवा जोश

वर्ष: 08 अंक: 19 हिन्दी साप्ताहिक लखनऊ, मंगलवार, 14 अगस्त, 2018 पृष्ठ: 8 मूल्य: 2 रुपया

उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद का दीक्षान्त समारोह 18 सितम्बर को

लखनऊ। उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय इलाहाबाद का 13वां दीक्षान्त समारोह 18 सितम्बर 2018 को प्रातः 10.00 बजे विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर स्थित महामना पं. मदन मोहन मालवीय दीक्षान्त समारोह प्रागण (शान्तिपुरम, फाफामऊ, इलाहाबाद) में सम्पन्न होना निश्चित हुआ है। इस सम्बन्ध में उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, लखनऊ की क्षेत्रीय निदेशक डॉ. निरांजलि सिन्हा ने बताया कि इच्छुक विद्यार्थी 16 सितम्बर 2018 तक विश्वविद्यालय की वेबसाइट डब्लूडब्लूडब्लू.यूपीआरटीओयू.एसी.इन के माध्यम से ऑनलाईन पजीकरण कर सकते है एवं दीक्षान्त समारोह से सम्बन्धित पूर्ण जानकारी प्राप्त कर सकते है।

पायनियर

RNI NO. UPHIN/2010/36547

वर्ष 8 अंक 299

लखनऊ, रविवार, 19 अगस्त, 2018

पृष्ठ 12+4 मूल्य ₹ 3

वाराणसी नगर संस्करण

राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय में होगा 'अटल स्मृति द्वार'

पायनियर समाचार सेवा। इलाहाबाद

- यूपीआरटीओयू की कार्य परिषद की बैठक में लिया गया निर्णय

राष्ट्रीय पुनर्निर्माण में भारत रत्न स्व. अटल बिहारी बाजपेई के योगदान को देखते हुए उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय की कार्यपरिषद ने शनिवार को आम सहमति से गंगा परिसर स्थित प्रशासनिक भवन के मुख्य द्वार का नाम 'अटल स्मृति द्वार' के नाम पर रखने का निर्णय लिया। विद्यापरिषद सहित विश्वविद्यालय के शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने कार्यपरिषद के उक्त निर्णय की सराहना करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय ने सही समय पर यह निर्णय लेते हुए अटल जी के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि व्यक्त की है। मुख्य प्रवेश द्वार का नामकरण अटल जी के नाम पर रखे जाने से उनकी स्मृति विश्वविद्यालय में प्रवेश करने वाले हर व्यक्ति के मन मस्तिष्क पर जीवंत रहेंगी। उल्लेखनीय है कि उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय में पहले से ही पं. अटल बिहारी बाजपेई के व्यक्तित्व एवं कृतित्व के विविध पक्षों यथा सैद्धान्तिक सोच पत्रकारिता, काव्यशैली, भाषणशैली एवं उनके योगदान आदि पर 'अटल बिहारी बाजपेई शोधपीठ' की स्थापना की है। उनकी विचारधारा एवं योगदान के सम सामायिक महत्व को देखते हुए पं. अटल बिहारी बाजपेई के जन्मदिन के अवसर पर 25 दिसम्बर को भारत कल, आज और कल विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया जाएगा। उक्त जानकारी पं. अटल बिहारी बाजपेई शोधपीठ के निदेशक प्रो. गिरिजा शंकर शुक्ल ने दी। कार्यपरिषद की बैठक के बाद कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने विश्वविद्यालय के 'विजन डाक्यूमेंट' का विमोचन किया। जिसमें विश्वविद्यालय द्वारा संचालित शैक्षिक कार्यक्रम एवं प्रस्तावित कार्ययोजना समाहित है। कुलसचिव डा. अशोक कुमार गुप्त, प्रो. ओम जी गुप्ता, प्रो. पी.पी दुबे, प्रो. आर पी एस यादव, प्रो. आशुतोष गुप्ता, प्रो. पी के पाण्डेय आदि उपस्थित रहे।

सर्प दंश से महिला की मौत

कौशाम्बी। कोखराज थाना क्षेत्र के कोखराज निवासी मीना देवी पत्नी गौतम सुबह शौच के लिए बाहर गई थी। जहां पर किसी जहरीले कीड़े ने उसे दंश लिया। पीड़िता भागकर घर पहुंची और परिजनों को इसकी जानकारी दी। परिजन झाड़फूक को लेकर परेशान हुए इसके बाद उसे उपचार के लिए जिला अस्पताल ले जा रहे थे। तभी महिला ने रास्ते में दम तोड़ दिया।

मुक्त चिंतन News Letter

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

A Quarterly News Bulletin of U.P. Rajarshi Tandon Open University, Allahabad

हम पहुँचे वहाँ, पहुँचा न कोई जहाँ

18 अगस्त, 2018

मुविवि के शिक्षक देंगे एक दिन का वेतन

केरल के बाढ़ पीड़ितों की मदद को आगे आये

माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद ने आपदाग्रस्त केरल के बाढ़ से प्रभावित लोगों की मदद के लिए हाथ बढ़ाये हैं। कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह की पहल पर आज विश्वविद्यालय के शिक्षकों एवं अधिकारियों ने केरल के बाढ़ पीढ़ितों की मदद के लिए एक दिन का वेतन दान देने का निर्णय लिया। निदेशक प्रबन्धन अध्ययन विद्याशाखा प्रो0 ओमजी गुप्ता ने प्रस्ताव रखा कि सभी शिक्षक एवं सभी अधिकारी एक दिन का वेतन केरल बाढ़ पीड़ितों के मदद के लिए दान करेंगे जिसका सभी शिक्षकों ने समर्थन किया।

कुलपति प्रो0 सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय की तरफ से आपदा राहत राशि ''प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष'' को दान की जायेगी। कुलपति प्रो0 सिंह ने कहा कि संकट की इस घड़ी में केरलवासियों की सहायता करने के लिए सभी को राष्ट्रीय प्रयास का हिस्सा बनना चाहिए।

आपदाग्रस्त केरल के बाढ़ से प्रभावित लोगों की मदद के लिए विश्वविद्यालय के शिक्षक एवं सभी अधिकारीयों के साथ बैठक करते हुए माननीय कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी।

केरल बाढ़ पीड़ितों के मदद के लिए विश्वविद्यालय के सभी शिक्षक एवं सभी अधिकारी एक दिन का वेतन दान देने का प्रस्ताव रखते हुए निदेशक प्रबन्धन अध्ययन विद्याशाखा प्रो0 ओमजी गुप्ता।

बैठक में उपस्थित विश्वविद्यालय के सभी शिक्षक एवं सभी अधिकारीगण

8 अभिमत गठबंधन को एकजुट रखने के प्रयास
13 कारोबार प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के ब्यौरे से किसान अनजान: सर्वे
15 विदेश पड़ोसियों के साथ संबंध सुधारने से ही पाकिस्तान में आएगी शांति
लखनऊ, नई दिल्ली, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित
पायनियर
RNI NO. UPHIN/2010/36547
वर्ष 8 अंक 301
लखनऊ, मंगलवार, 21 अगस्त, 2018
पृष्ठ 16 मूल्य ₹ 3
वाराणसी नगर संस्करण

केरल बाढ़ पीड़ितों की मदद को आगे आया मुविवि

● मुविवि के शिक्षक देंगे एक दिन का वेतनः कुलपति

पायनियर समाचार सेवा । इलाहाबाद

केरल बाढ़ पीड़ितों के लिए कर्मचारियों के साथ बैठक करते कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह।

केरल में आयी प्राकृतिक आपदा और बाढ़ से प्रभावित पीड़ितों की मदद के लिए फाफमऊ स्थित उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय (यूपीआरटीओयू) ने मदद के लिए हाथ आगे बढ़ाया है। सोमवार को उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय ने आपदाग्रस्त केरल के बाढ़ से प्रभावित लोगों की मदद करने का फैसला लिया है। मुविवि के कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह की पहल पर आज विश्वविद्यालय के शिक्षकों एवं अधिकारियों ने केरल बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिए एक दिन का वेतन देने का निर्णय लिया है। कुलपति प्रो. के एन सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय की तरफसे आपदा राहत राशि 'प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष' को सौंपी जायेगी। कुलपति प्रो. सिंह ने कहा कि संकट की घड़ी में केरल वासियों की सहायता करने के लिए सभी को राष्ट्रीय प्रयास का हिस्सा बनना चाहिए। इस मौके पर कुलसचिव डा. ए के गुप्ता, जनसंपर्क अधिकारी डा. प्रभात चन्द्र मिश्र आदि रहे।

उधर नागरिक सुरक्षा कोर इलाहाबाद (सिविल डिफेंस) की ओर से केरल बाढ़ पीड़ितों के लिए नाश्ते का पैकेट एवं अन्य सामग्रियां भेजी गयी हैं। इसके साथ ही सिविल डिफेंस के तैराकी जानने वाले जांबाज वार्डेनों को केरल में बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिए भेजा जा रहा है। नागरिक सुरक्षा कोर की उप नियंत्रक अनुराधा सिंह के मुताबिक सिविल डिफेंस के वार्डेनों का 15 सदस्यीय दल केरल में बाढ़ पीड़ितों के बचाव एवं राहत कार्य में मदद के लिए जल्द ही इलाहाबाद से रवाना होगा। उन्होंने लोगों से अपील की है कि जो लोग तैरना जानते हैं, ऐसे लोग सिविल डिफेंस के वरिष्ठ सहायक उप नियंत्रक राकेश कुमार तिवारी, सहायक उप नियंत्रक योगेश कुमार श्रीवास्तव एवं चीफ वार्डेन अनिल कुमार गुप्ता से संपर्क कर सकते हैं।

अमर उजाला
हरफनमौला अमर सिंह की जीवनी पर बनेगी फिल्म...12
उत्तर प्रदेश
अमर उजाला इलाहाबाद amarujala.com

बाढ़ पीड़ितों को शिक्षक देंगे एक दिन का वेतन

इलाहाबाद। केरल बाढ़ पीड़ितों के लिए उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के शिक्षक एवं अधिकारी अपना एक दिन का वेतन देंगे। यह निर्णय सोमवार को कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह की अध्यक्षता में हुई बैठक में लिया गया। कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय की ओर से अपदा राहत राशि प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष को दान दी जाएगी।

जनसंदेश टाइम्स
इलाहाबाद

केरल बाढ़ पीड़ितों को मुविवि के शिक्षक देंगे एक दिन का वेतन

इलाहाबाद। उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद ने आपदाग्रस्त केरल के बाढ़ से प्रभावित लोगों की मदद के लिए हाथ बढ़ाये हैं।

कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह की पहल पर सोमवार को विश्वविद्यालय के शिक्षकों एवं अधिकारियों ने केरल के बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिए एक दिन का वेतन दान देने का निर्णय लिया। कुलपति प्रो. सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय की तरफ से आपदा राहत राशि प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष को दान की जायेगी। कुलपति ने कहा कि संकट की इस घड़ी में केरल वासियों की सहायता करने के लिए सभी को राष्ट्रीय प्रयास का हिस्सा बनना चाहिए।

इलाहाबाद, मंगलवार 21 अगस्त 2018
नगर संस्करण
दैनिक जागरण
www.jagran.com
नीति आयोग को रास नहीं आई ई-कॉमर्स पॉलिसी 15
हंगरी में स्वर्ण जीतना मेरा अगला लक्ष्य : बजरंग 16

केरल बाढ़ पीड़ितों के लिए मांगा सहयोग

पीड़ितों के लिए दिया एक दिन का वेतन

इलाहाबाद : उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद ने आपदाग्रस्त केरल के बाढ़ से प्रभावित लोगों की मदद के लिए हाथ बढ़ाया है। कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह की पहल पर आज विश्वविद्यालय के शिक्षकों एवं अधिकारियों ने केरल के बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिए एक दिन का वेतन देने का निर्णय लिया। कुलपति प्रो. सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय की तरफ से आपदा राहत राशि 'प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष' को दान की जाएगी। कुलपति प्रो. सिंह ने कहा कि संकट की इस घड़ी में केरलवासियों की सहायता करने के लिए सभी को राष्ट्रीय प्रयास का हिस्सा बनना चाहिए।

मंगलवार,21 अगस्त, 2018
पिछले अंक
41556 शिक्षक भर्ती में लिखित परीक्षा से नौकरी 03 | अमेरिकी कानून नागरिकता के सम्मान के लिए बदलेगा 12
हिन्दुस्तान
तरक्की को चाहिए नया नजरिया
www.livehindustan.com

बाढ़ पीड़ितों को शिक्षक देंगे एक दिन का वेतन

इलाहाबाद। राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय ने केरल में बाढ़ से प्रभावित लोगों की मदद के लिए हाथ बढ़ाए हैं। कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह की पहल पर विश्वविद्यालय के शिक्षकों एवं अफसरों ने एक दिन का वेतन बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिए देने का निर्णय लिया है। कुलपति प्रो. सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय की तरफ से आपदा राहत राशि 'प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष' को दान की जाएगी। उन्होंने कहा कि संकट की इस घड़ी में केरलवासियों की सहायता कर सभी को राष्ट्रीय प्रयास का हिस्सा बनना चाहिए।

भारत संवाद
...क्रांतिबीज

दीक्षान्त समारोह से पूर्व विशेष "व्याख्यानमाला" की श्रृंखला प्रारम्भ की जाएगी

इलाहाबाद (भारत संवाद) उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद के 13वें दीक्षान्त समारोह के अवसर पर "दीक्षान्त समारोह विशेष व्याख्यानमाला" की श्रृंखला प्रारम्भ की जा रही है, जिसमें देशभर के ख्यातिलब्ध विद्वान, चिंतक तथा शिक्षाशास्त्री विश्वविद्यालय के पं0 मदन मोहन मालवीय दीक्षान्त समारोह स्थल पर व्याख्यान देंगे। विश्वविद्यालय दीक्षान्त समारोह की तैयारी के साथ-साथ विशेष व्याख्यान मालाओं की भी जोरदार तैयारी कर रहा है।

कुलपति प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह ने बताया कि पं0 मदन मोहन मालवीय दीक्षान्त समारोह स्थल पर 18 सितम्बर 2018 को होने वाले 13वें दीक्षान्त समारोह की जोरदार तैयारी चल रही है। दीक्षान्त समारोह में दिसम्बर 2017 तथा जून 2018 सत्र की परीक्षा में उत्तीर्ण छात्रों को उपाधियां प्रदान की जायेगी। विभिन्न विद्याशाखाओं में सर्वोच्च स्थान प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को कुलाधिपति

Tags # allahabad # national

तथा विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक प्रदान किए जाऐंगे। उन्होंने बताया कि इस अवसर पर दीक्षान्त समारोह विशेष व्याख्यानमाला की श्रृंखला में 29 अगस्त 2018 को राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ उत्तर प्रदेश के राष्ट्रीय संगठन मंत्री श्री ओमपाल सिंह का व्याख्यान होगा। 04 सितम्बर 2018 को विद्याभारती के राष्ट्रीय मंत्री श्री शिव कुमार व्याख्यान देंगे।

इसी कडी में 6 सितम्बर 2018 को इण्डियन काउन्सिल आफ फिलासिफिकल रिसर्च (आर0सी0पी0आर0) नई दिल्ली के सदस्य सचिव प्रो0 रजनीश कुमार शुक्ल तथा 8 सितम्बर 2018 को प्रो0 जगदीश सिंह, लखनऊ विशेष व्याख्यान देंगे। इसी प्रकार 11 सितम्बर 2018 को विधान परिषद, बिहार के पूर्व सदस्य डॉ0 हरेन्द्र प्रताप पाण्डेय का व्याख्यान होगा। व्याख्यानमाला की श्रृंखला में अंतिम व्याख्यान 15 सितम्बर 2018 को माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय के कुलपति श्री जगदीश उपासने का होगा। व्याख्यानमालाओं की श्रृंखला को आयोजित करने की जिम्मेदारी विभिन्न विद्याशाखाओं के निदेशकों को दी गयी है।

जनसंदेश टाइम्स
परख सच की
सबसे अधिक बार 200 रन बनाने वाले पांचवें बल्लेबाज बने विराट-13
इलाहाबाद

दीक्षान्त समारोह से पूर्व सजेगी विशेष व्याख्यानमाला की श्रृंखला

इलाहाबाद। उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद के 13वें दीक्षान्त समारोह के अवसर पर ह्यदीक्षान्त समारोह विशेष व्याख्यानमालाह्र की श्रृंखला प्रारम्भ की जा रही है, जिसमें देश भर के ख्यातिलब्ध विद्वान, चिंतक तथा शिक्षाशास्त्री विश्वविद्यालय के पं. मदन मोहन मालवीय दीक्षान्त समारोह स्थल पर व्याख्यान देंगे। कुलपति प्रो.कामेश्वर नाथ सिंह ने बताया कि 18 सितम्बर को होने वाले 13वें दीक्षान्त समारोह की तैयारी के साथ-साथ विशेष व्याख्यान मालाओं की भी जोरदार तैयारी चल रही है। दीक्षान्त समारोह में दिसम्बर 2017 तथा जून 2018 सत्र की परीक्षा में उत्तीर्ण छात्रों को उपाधियां प्रदान की जायेगी। विभिन्न विद्या शाखाओं में सर्वोच्च स्थान प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को कुलाधिपति तथा विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक प्रदान किए जाऐंगे। उन्होंने बताया कि दीक्षान्त समारोह विशेष व्याख्यानमाला की श्रृंखला में 29 अगस्त को राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ उत्तर प्रदेश के राष्ट्रीय संगठन मंत्री ओमपाल सिंह एवं चार सितम्बर को विद्या भारती के राष्ट्रीय मंत्री शिव कुमार व्याख्यान देंगे।

इसी कड़ी में 6 सितम्बर को इण्डियन काउंसिल आफ फिलासिफिकल रिसर्च, नई दिल्ली के सदस्य सचिव प्रो.रजनीश कुमार शुक्ल तथा 8 सितम्बर को प्रो. जगदीश सिंह, लखनऊ विशेष व्याख्यान देंगे। इसी प्रकार 11 सितम्बर को विधान परिषद, बिहार के पूर्व सदस्य डा.हरेन्द्र प्रताप पाण्डेय का व्याख्यान होगा। व्याख्यानमाला की श्रृंखला में अंतिम व्याख्यान 15 सितम्बर को माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय के कुलपति जगदीश उपासने का होगा। व्याख्यान मालाओं की श्रृंखला को आयोजित करने की जिम्मेदारी विभिन्न विद्या शाखाओं के निदेशकों को दी गयी है।

अमर उजाला
इलाहाबाद

मुक्त विवि में दीक्षांत समारोह 18 सितंबर को

इलाहाबाद। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय का 13वां दीक्षांत समारोह 18 सितंबर को होगा। इसके लिए तैयारियां तेज हो गई है। दीक्षांत समारोह के अवसर पर मुक्त विश्वविद्यालय 'दीक्षांत समारोह विशेष व्याख्यानमाला' की श्रृंखला शुरू करने जा रहा है, जिसमें देशभर के ख्यातिलब्ध विद्वान व्याख्यान देंगे।

कुलपति प्रो. कामशेवर नाथ सिंह ने बताया कि दीक्षांत समारोह में दिसंबर-2017 और जून-2018 सत्र की परीक्षा में उत्तीर्ण छात्रों को उपाधियां प्रदान की जाएंगी। विशेष व्याख्यामाला की श्रृंखला में 29 अगस्त को राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघा के संगठन मंत्री ओमपाल सिंह, चार सितंबर को विद्याभारती के राष्ट्रीय मंत्री शिव कुमार, छह सितंबर को इंडियन काउंसिल ऑफ फिलासिफिकल रिसर्च के सदस्य सचिव प्रो. रजनीश कुमार शुक्ल,आठ सितंबर को प्रो. जगदीश सिंह, 11 सितंबर को विधान परिषद बिहार के पूर्व सदस्य डॉ. हरेंद्र प्रसाद पांडेय, 15 सितंबर को माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता के कुलपति जगदीश उपासने व्याख्यान देंगे। ब्यूरो

पायनियर
लखनऊ, बुधवार, 22 अगस्त, 2018

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय

दीक्षांत समारोह से पहले सजेगी व्याख्यानमालाओं की श्रृंखला: सिंह

- 18 सितम्बर 2018 को होगा मुविवि का दीक्षांत समारोह तैयारियां शुरू

पायनियर समाचार सेवा। इलाहाबाद

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय इलाहाबाद के 13 वें दीक्षान्त समारोह के पर 'दीक्षान्त समारोह विशेष व्याख्यानमाला' की श्रृंखला शुरू की जा रही है। जिसमें देश भर के ख्यातिलब्ध विद्वान, चिंतक तथा शिक्षाशास्त्री विश्वविद्यालय के पंडित मदन मोहन मालवीय दीक्षान्त समारोह स्थल पर व्याख्यान देंगे। विश्वविद्यालय दीक्षान्त समारोह की तैयारी के साथ ही साथ विशेष व्याख्यान मालाओं की जोरदार तैयारियां चल रहीं हैं। कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने बताया कि पंडित मदन मोहन मालवीय दीक्षान्त समारोह स्थल पर 18 सितम्बर को होने वाले 13 वें दीक्षान्त समारोह की जोरदार तैयारियां चल रहीं हैं। दीक्षान्त समारोह में दिसम्बर 2017 तथा जून 2018 सत्र की परीक्षा में उत्तीर्ण छात्रों को उपाधियां प्रदान की जायेंगी। विभिन्न विद्याशाखाओं में सर्वोच्च स्थान प्राप्त करने वाले छात्र छात्राओं को कुलाधिपति तथा विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक प्रदान किए जायेंगे। दीक्षान्त समारोह विशेष व्याख्यानमाला की श्रृंखला में 29 अगस्त को राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ उत्तर प्रदेश के राष्ट्रीय संगठन मंत्री ओमपाल सिंह का व्याख्यान होगा। 04 सितम्बर को विद्याभारती के राष्ट्रीय मंत्री शिव कुमार व्याख्यान देंगे। 6 सितम्बर को इंडियन काउंसिल ऑफ फिलासिफिकल रिसर्च नई दिल्ली के सदस्य सचिव प्रो. रजनीश कुमार शुक्ल एवं 8 सितम्बर को लखनऊ के प्रो. जगदीश सिंह विशेष व्याख्यान देंगे। कुलपति ने बताया कि 11 सितम्बर को विधान परिषद बिहार के पूर्व सदस्य डा. हरेन्द्र प्रताप पाण्डेय व्याख्यान देंगे। व्याख्यानमाला की श्रृंखला में अंतिम व्याख्यान 15 सितम्बर को माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय के कुलपति जगदीश उपासने का होगा।

मुक्त चिंतन News Letter

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

A Quarterly News Bulletin of U.P. Rajarshi Tandon Open University, Allahabad

हम पहुँचे वहाँ, पहुँचा न कोई जहाँ

25 अगस्त, 2018

75 प्रतिशत अभ्यर्थियों ने दी एम.बी.ए.–एम.सी.ए. की प्रवेश परीक्षा

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के सत्र 2018–19 में प्रवेश के लिए दिनांक 25 अगस्त, 2018 को प्रदेश के इलाहाबाद, लखनऊ एवं वाराणसी जिले में स्थित परीक्षा केन्द्रों में शन्तिपूर्ण ढंग से आयोजित की गयी। प्रवेश परीक्षा में 75 प्रतिशत अभ्यर्थियों की उपस्थिति रही। प्रवेश परीक्षा आयोजित कराने के लिए विश्वविद्यालय से शिक्षकों की टीम सभी परीक्षा केन्द्रों पर भेजी गयी थी। इलाहाबाद में विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर स्थित परीक्षा केन्द्र में शान्तिपूर्ण ढंग से परीक्षा आयोजित की गयी। परीक्षा परिणाम शीघ्र ही घोषित किया जायेगा। प्रवेश परीक्षा में शामिल होने के लिए ऑन लाइन आवेदन स्वीकार किए थे।

इलाहाबाद में विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर स्थित परीक्षा केन्द्र पर प्रवेश परीक्षा देते हुए अभ्यर्थी

वाराणसी में सुधाकर महिला विधि महाविद्यालय, खजुरी, पाण्डेयपुर परिसर स्थित परीक्षा केन्द्र पर प्रवेश परीक्षा देते हुए अभ्यर्थी

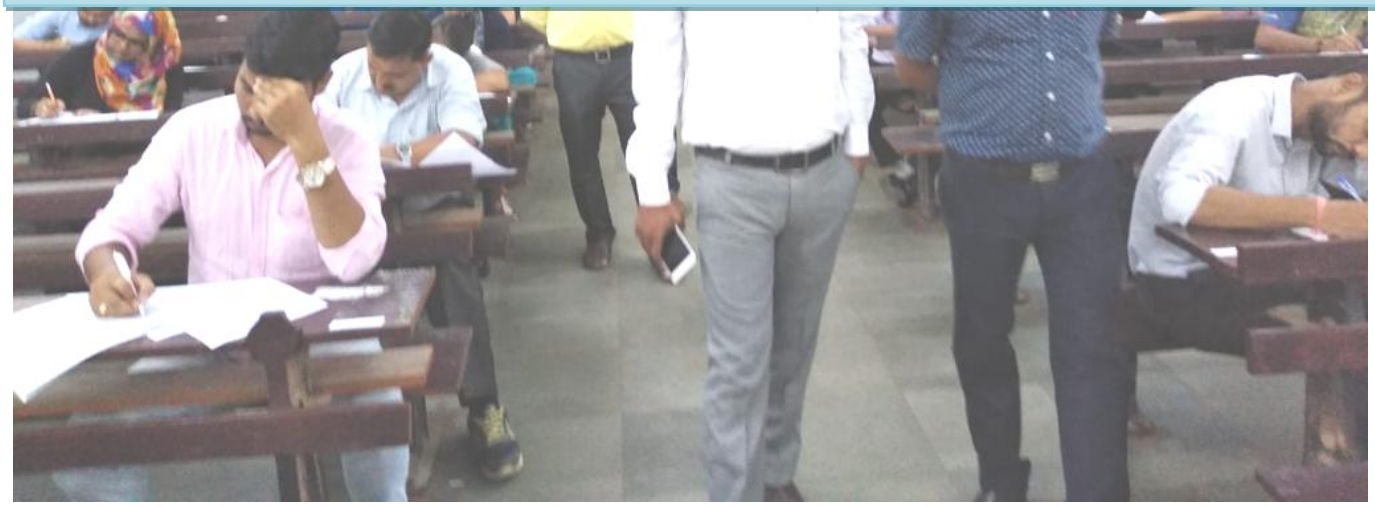

लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ में परीक्षा केन्द्र पर प्रवेश परीक्षा देते हुए अभ्यर्थी एवं निरीक्षण करते हुए इलाहाबाद एवं लखनऊ क्षेत्रीय केन्द्र के क्षेत्रीय केन्द्र निदेशक डॉ0 अभिषेक सिंह।

दैनिक जागरण

नहीं बढ़ी लालू की जमानत अवधि 11 अमेरिका ने आतंक का मुद्दा उठाया तो विफरा पाक 16

अटल ने किया भारत का चहुंमुखी विकास

संसू, फाफामऊ: श्यामा प्रसाद मुखर्जी राजकीय महाविद्यालय फाफामऊ में शुक्रवार को 'अटल बिहारी वाजपेयी कवि, वक्ता एवं राजनीति के अजातशत्रु' विषयक गोष्ठी में वक्ताओं ने विचार रखकर श्रद्धांजलि दी। मुख्य अतिथि पूर्व उच्चशिक्षा मंत्री प्रो. नरेंद्र सिंह गौर ने कहा अटल बिहारी वाजपेयी प्रधानमंत्री के रूप में भारत का चहुंमुखी विकास किया।

अध्यक्षता कर रहे राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केएन सिंह ने कहा कि देश के समस्त नागरिकों को अटल बिहारी वाजपेयी ने जो विजन और मिशन दिया उस पर सबको चलना चाहिए। वे देश के अजातशत्रु, राजनेता, महान कवि और एक कालजयी व्यक्तित्व से परिपूर्ण थे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. केएन सिंह व धन्यवाद ज्ञापित डॉ. हेमंत कुमार सिंह ने किया। इस मौके पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. गोविंददास, डॉ. संघसेन सिंह, डॉ. वीरेंद्र सिंह, डॉ. हिमांशु यादव, डॉ. अरुण प्रताप सिंह आदि ने भी विचार रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की।

16 सितंबर तक हो सकेगा नामांकन

KANPUR (25 Aug): उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय का 13 वां दीक्षा समारोह 18 सितंबर को होगा. कानपुर केन्द्र की क्षेत्रीय निदेशक डा. अल्का वर्मा ने बताया कि सत्र 2017-18 में उत्तीर्ण छात्रों के नामांकन शुरू हो गए हैं. नामांकन की अंतिम तारीख 16 सितंबर है. दीक्षा समारोह इलाहाबाद में होगा.

13वें दीक्षा समारोह के लिए नामांकन शुरू

जागरण संवाददाता, कानपुर : उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय का 13वां दीक्षा समारोह 18 सितंबर को इलाहाबाद में आयोजित होगा। कानपुर केंद्र की क्षेत्रीय निदेशक डॉ. अल्का वर्मा ने बताया कि सत्र 2017-18 में उत्तीर्ण छात्रों के लिए नामांकन प्रारंभ हो गए हैं। इसकी अंतिम तारीख 16 सितंबर है।

जनसंदेश टाइम्स

इलाहाबाद मित्र

'दीक्षान्त समारोह विशेष व्याख्यानमाला' का प्रथम व्याख्यान आज

इलाहाबाद। उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय में त्रयोदश दीक्षान्त समारोह (18 सितम्बर) से पूर्व आयोजित होने वाली "दीक्षान्त समारोह विशेष व्याख्यानमाला" की श्रृंखला में पहला व्याख्यान 29 अगस्त को भारतीय शैक्षिक परम्परा एवं महत्व पर केन्द्रित होगा। व्याख्यान के संयोजक शिक्षा विद्याशाखा के प्रभारी प्रोफेसर प्रदीप कुमार पाण्डेय ने बताया कि इस अवसर पर ओमपाल सिंह, राष्ट्रीय संगठन मंत्री, राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ उ.प्र बुधवार को पूर्वान्ह 11 बजे लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में व्याख्यान देंगे और कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह करेंगे।

पायनियर

विवेक न्यूज

विशेष व्याख्यानमाला का पहला व्याख्यान आज

इलाहाबाद। उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय में आगामी 18 सितम्बर को आयोजित होने 13 वें दीक्षान्त समारोह से पहले होने वाली 'दीक्षान्त समारोह विशेष व्याख्यानमाला' की श्रृंखला में पहला व्याख्यान 29 अगस्त को होगा। जिसका विषय भारतीय शैक्षिक परम्परा एवं महत्व पर केन्द्रित होगा। व्याख्यान के संयोजक शिक्षा विद्याशाखा के प्रभारी प्रो. प्रदीप कुमार पाण्डेय ने बताया कि राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ उत्तर प्रदेश के राष्ट्रीय संगठन मंत्री ओमपाल सिंह बुधवार को पूर्वान्ह 11 बजे लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में व्याख्यान देंगे। व्याख्यान की अध्यक्षता कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह करेंगे। जानकारी मुविवि के जनसंपर्क अधिकारी डा. प्रभात चन्द्र मिश्र ने दी है।

पायनियर

अंतरराष्ट्रीय सिम्पोजियम एक सितंबर को मुविवि में

इलाहाबाद। उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय की विज्ञान विद्याशाखा के तत्वावधान में 01 सितम्बर को सरस्वती परिसर के लोकमान्य तिलक सभागार में 'स्टैटिसटिकल टेक्निक्स, बिग डाटा एनालीसिस एण्ड रिसर्च' विषय पर अन्तर्राष्ट्रीय सिम्पोजियम आयोजित है। आयोजन सचिव डा. श्रुति ने बताया कि बाण्ड यूनिवर्सिटी, आस्टेऊलिया के इकनामिक्स एवं स्टैटिसटिक्स विभाग के प्रोफेसर कुलदीप कुमार अन्तर्राष्ट्रीय सिम्पोजियम के मुख्य वक्ता होंगे। अध्यक्षता कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह करेंगे। सिम्पोजियम के संयोजक प्रो. आशुतोष गुप्ता ने बताया कि सिम्पोजियम में प्रतिभाग करने के लिए रजिस्टेऊशन शुल्क दो सो रूपये है। नामांकन की अंतिम तिथि 28 अगस्त है। मुविवि के जनसंपर्क अधिकारी डा. प्रभात चन्द्र मिश्र ने बताया कि अन्तर्राष्ट्रीय सिम्पोजियम में समाज विज्ञान, मानविकी, शिक्षा शास्त्र, वाणिज्य एवं प्रबन्धन, रक्षा अध्ययन, जनसंख्या अध्ययन, कृषि, स्वास्थ्य, मेडिकल, पैरामेडिकल, फार्मास्यूटिकल, समुद्र विज्ञान विधाओं से जुडे लोग प्रतिभाग कर सकेंगे।

मुक्त चिंतन News Letter

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

A Quarterly News Bulletin of U.P. Rajarshi Tandon Open University, Allahabad

हम पहुँचे वहाँ, पहुँचा न कोई जहाँ

29 अगस्त, 2018

मुविवि में त्रयोदश दीक्षान्त समारोह विशेष व्याख्यानमाला का आयोजन

दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए माननीय अतिथि।

दीक्षान्त समारोह व्याख्यानमाला श्रृंखला का प्रथम व्याख्यान आज दिनाँक 29 अगस्त, 2018 को 'भारतीय शैक्षिक परम्परा एवं महत्व' विषय पर आयोजित किया गया। जिसमें मुख्य वक्ता राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ, उत्तर प्रदेश के राष्ट्रीय संगठन मंत्री श्री ओम पाल सिंह जी रहे तथा अध्यक्षता माननीय कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह जी द्वारा की गयी।

प्रारम्भ में अतिथियों का स्वागत एवं विश्वविद्यालय की विकास यात्र का विस्तार में वर्णन व्याख्यानमाला के संयोजक प्रोफेसर प्रदीप कुमार पाण्डेय ने किया। व्यायानमाला का संचालन डॉ0 दिनेश सिंह ने तथा धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव डॉ0 अरूण कुमार गुप्ता ने किया। विश्वविद्यालय की तरफ से मुख्य वक्ता श्री ओमपाल सिंह का स्मृतिचिन्ह एवं अंगवस्त्रम से कुलपति प्रो0 सिंह ने सम्मान किया। राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ की तरफ से श्री ओमपाल सिंह, श्री कामता नाथ, श्री के0के0 सिंह एवं श्री सुरेश त्रिपाठी आदि ने कुलपति प्रो0 सिंह को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया।

कार्यक्रम का संचालन करते हुए

डॉ0 दिनेश सिंह

एवं मंचासीन

माननीय अतिथि तथा सभागार में उपस्थित

विश्वविद्यालय के अधिकारी एवं शिक्षकगण

सरस्वती वन्दना प्रस्तुत करती हुई अमृता उपाध्याय तथा सभागार में उपस्थित विश्वविद्यालय के अधिकारी एवं शिक्षकगण

माननीय श्री ओम पाल सिंह जी को पुष्पगुच्छ प्रदान कर उनका स्वागत करती हुई डॉ0 रुचि बाजपेई एवं माननीय कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह जी पुष्पगुच्छ प्रदान कर उनका स्वागत करती हुई डॉ0 नीता मिश्रा।

माननीय अतिथियों का स्वागत करते एवं विश्वविद्यालय के बारे में जानकारी देते हुए कार्यक्रम संयोजक प्रो0 पी0के0 पाण्डेय

श्री ओम पाल सिंह जी

शिक्षा के क्षेत्र में दुनिया में अग्रणी रहा भारत– ओमपाल सिंह

मुख्य वक्ता श्री ओमपाल सिंह, राष्ट्रीय सह–संगठन मंत्री, राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ, उ0प्र0 ने कहा कि भारत वर्ष ने दुनिया को ऐसा ज्ञान दिया जिससे वह जगद्गुरू एवं सोने की चिड़िया कहलाया। शिक्षा के क्षेत्र में भारत दुनिया में अग्रणी रहा। नालन्दा एवं तक्षशिला विश्वविद्यालय जैसे ज्ञान के केन्द्र भारत वर्ष की धरोहर रहे हैं।

श्री सिंह ने कहा कि आज भारतवासी अपना लक्ष्य भूल गये हैं। अब पुनः आवश्यकता है कि वर्तमान विसंगतियों एवं दुष्परिणामों को दूर करते हुए भारत को वैश्विक स्तर पर गौरवशाली एवं स्वर्णिम स्थान दिलाया जाय। उन्होंने कहा कि वैश्विक स्तर पर वही देश आगे है जहां शिक्षकों का सम्मान होता है। श्री सिंह ने कहा कि इस समय देश तीन तरह के संकटों के दौर से गुजर रहा है। जिनमें आर्थिक संकट, स्वास्थ्य का संकट और तीसरा सबसे गंभीर संकट शिक्षा व्यवस्था में व्याप्त चुनौतियां हैं।

उन्होंने कहा कि भारतवर्ष की प्राचीनकाल की सभ्यता और संस्कृति सर्वमान्य और सफल थी। शिक्षकों एवं अभिभावकों की अहम भूमिका है कि वे बच्चों को समझने का प्रयास करें न कि उन्हें समझायें। बच्चों के अंतर्मन को खोलने का प्रयास शिक्षक ही कर सकते हैं। शिक्षक को अपने अंदर मातृत्व का भाव जागृत करना पड़ेगा तभी यह संभव हो पायेगा।

माननीय श्री ओम पाल सिंह जी को अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर उनका स्वागत करते हुए माननीय कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह जी

प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह जी

छात्रें को केवल शिक्षा ही नहीं बल्कि जीवन का बोध कराये–प्रो0 कामेश्वर नाथ सिंह

अध्यक्षता करते हुये कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने कहा कि शिक्षकों को अपने जीवन के यथार्थ बोध एवं दिशा बोध का ज्ञान होना चाहिए। शिक्षकों का यह नैतिक दायित्व है कि वे अपने छात्रों को केवल शिक्षा ही नहीं बल्कि जीवन का बोध करायें। वह उन्हें ऐसी शिक्षा दें जो कि न केवल उन्हें जीविका दे बल्कि एक जीवन दृष्टि प्रदान करे। प्रो0 सिंह ने कहा कि मनुष्य को तभी पहचान मिलती है जब वह समाज व देश के लिए त्याग करता है। आदर्श शिक्षा व्यवस्था में क्लास के साथ–2 व्यावहारिक शिक्षा की भी आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि शिक्षा का वास्तविक अर्थ व्यक्तित्व की अंतर्निहित क्षमता, दक्षता और कुशलता का प्रस्फुटन होना है।

माननीय कुलपतिप्रो. कामेश्वर नाथ सिंह जी को राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ, लखनऊ की तरफ से स्मृति चिन्ह प्रदान करते हुए माननीय श्री ओम पाल सिंह जी एवं महासंघ के सदस्यगण।

धन्यवाद ज्ञापन करते हुए कुलसचिव डॉ0 अरुण कुमार गुप्ता

अमर उजाला

इलाहाबाद, बृहस्पतिवार, 30 अगस्त

amarujala.com | यात्रा | राहुल गांधी 31 अगस्त को जाएंगे कैलाश मानसरोवर ...12 | उत्तर प्रदेश

भारतवासी भूल गए हैं अपना लक्ष्यः ओमपाल

अमर उजाला ब्यूरो

इलाहाबाद। शिक्षा के क्षेत्र में भारत दुनिया का अग्रणी रहा है, नालंदा एवं तक्षशिला विश्वविद्यालय जैसे ज्ञान के भारत वर्ष की धरोहर रहे हैं। यह बातें राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के सह संगठन मंत्री ओमपाल सिंह ने उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विवि में आयोजित त्रयोदश दीक्षांत समारोह की विशेष व्याख्यानमाला के दौरान कही। वह बुधवार को भारतीय शैक्षिक परंपरा एवं उसके महत्व पर व्याख्यान दे रहे थे। उन्होंने कहा कि आज भारतवासी अपना लक्ष्य भूल गए हैं, आवश्यकता है विसंगतियों को दूर करके भारत को वैश्विक स्तर पर गौरवशाली स्थान दिलाया जाए। अध्यक्षता कर रहे कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने कहा कि शिक्षकों को अपने जीवन के यथार्थ बोध एवं दिशा बोध का ज्ञान होना चाहिए। शिक्षकों का यह नैतिक दायित्व है कि अपने छात्रों को केवल शिक्षा ही नहीं बल्कि जीवन का बोध कराएं। अतिथियों का स्वागत व्याख्यानमाला के संयोजक प्रो. पीके पांडेय, संचालन डॉ. दिनेश सिंह और धन्यवाद कुलसचिव डॉ. अरूण कुमार गुप्ता ने किया।

हिन्दुस्तान

तेल में उछाल से इस साल महंगाई और बढ़ेगी पेज 13 | चीन के युवाओं को चाहिए बड़ी आंखें-पतली नाक पेज 16

तरक्की को चाहिए नया नजरिया

www.livehindustan.com

इलाहाबाद • गुरुवार • 30 अगस्त 2018 — हिन्दुस्तान

शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी रहा भारत

शांतिपुरम स्थित राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में बुधवार को दीक्षांत समारोह में बोलते ओमपाल सिंह।

इलाहाबाद। भारत वर्ष ने दुनिया को ऐसा ज्ञान दिया जिससे वह जगद्गुरु एवं सोने की चिड़िया कहलाया। शिक्षा के क्षेत्र में भारत दुनिया में अग्रणी रहा। नालन्दा एवं तक्षशिला विश्वविद्यालय जैसे ज्ञान के केन्द्र भारत की धरोहर रहे हैं।

यह विचार राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के राष्ट्रीय सह-संगठन मंत्री ओमपाल सिंह ने बुधवार को राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में व्यक्त किए। वे विश्वविद्यालय में 13वें दीक्षान्त समारोह पर आयोजित विशेष व्याख्यानमाला की श्रृंखला के प्रथम व्याख्यान के अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में 'भारतीय शैक्षिक परम्परा एवं महत्व' पर केंद्रित व्याख्यान दे रहे थे। अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने की। शिक्षकों का यह नैतिक दायित्व है कि वे अपने छात्रों को केवल शिक्षा ही नहीं बल्कि जीवन का बोध कराएं। वह उन्हें ऐसी शिक्षा दें जो कि न केवल उन्हें जीविका दे बल्कि एक जीवन दृष्टि प्रदान करे। अतिथियों का स्वागत व्याख्यानमाला के संयोजक प्रोफेसर प्रदीप कुमार पांडेय ने किया। संचालन डॉ. दिनेश सिंह ने तथा धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव डॉ. अरुण कुमार गुप्ता ने किया।

दैनिक जागरण

इलाहाबाद, गुरुवार 30 अगस्त 2018

www.jagran.com

वापस आए अधिकतर प्रतिबंधित नोट : आरबीआइ 13 | राफेल पर झूठ बोल रही है कांग्रेस : जेटली 11

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में आयोजित व्याख्यानमाला को संबोधित करते राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के राष्ट्रीय सह-संगठन मंत्री ओमपाल सिंह।

बच्चों के अंतर्मन को खोलने की जरूरत

जासं, इलाहाबाद : शिक्षा के क्षेत्र में भारत दुनिया में अग्रणी रहा। नालंदा एवं तक्षशिला विश्वविद्यालय जैसे ज्ञान के केंद्र भारत वर्ष की धरोहर रहे हैं। वह गौरवशाली परंपरा फिर वापस आ सकती है। जरूरत बच्चों के अंतर्मन को खोलने की है। शिक्षक को अपने अंदर मातृत्व का भाव जागृत करना पड़ेगा तभी यह संभव हो पाएगा। उक्त बातें ओमपाल सिंह, राष्ट्रीय सह-संगठन मंत्री राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ ने बुधवार को राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में व्यक्त किए। वे त्रयोदश दीक्षा समारोह विशेष व्याख्यानमाला की श्रृंखला के प्रथम व्याख्यान में मुख्य वक्ता के रूप में भारतीय शैक्षिक परम्परा एवं महत्व पर बोल रहे थे।

अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो. केएन सिंह ने कहा कि शिक्षकों को अपने जीवन के यथार्थ बोध एवं दिशा बोध का ज्ञान होना चाहिए। शिक्षकों का यह नैतिक दायित्व है कि वे अपने छात्रों को केवल शिक्षा ही नहीं, बल्कि जीवन का बोध कराएं। अतिथियों का स्वागत संयोजक प्रो. प्रदीप कुमार पांडेय, संचालन डॉ. दिनेश सिंह व धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव डॉ. अरुण कुमार गुप्ता ने किया। कुलपति प्रो. केएन सिंह ने ओमपाल सिंह को स्मृतिचिन्ह एवं अंगवस्त्रम से सम्मानित किया। राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ की ओर से ओमपाल सिंह, कामता नाथ, केके सिंह, सुरेश त्रिपाठी आदि ने कुलपति प्रो. सिंह को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया।

आज

शिक्षा के क्षेत्र में दुनिया में भारत रहा अग्रणी- ओमपाल

भारतवर्ष ने दुनिया को ऐसा ज्ञान दिया जिससे वह जगद्गुरू एवं सोने की चिड़िया कहलाया। शिक्षा के क्षेत्र में भारत दुनिया में अग्रणी रहा। नालन्दा एवं तक्षशिला विश्वविद्यालय जैसे ज्ञान के केन्द्र भारत वर्ष की धरोहर रहे है।

उक्त विचार ओमपाल सिंह, राष्ट्रीय सह-संगठन मंत्री, राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ, उ.प्र ने बुधवार को उ.प्र राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय में त्रयोदश दीक्षान्त समारोह विशेष व्याख्यानमाला की श्रृंखला के प्रथम व्याख्यान पर मुख्य वक्ता के रूप में व्यक्त किया। श्री सिंह ने कहा कि आज भारतवासी अपना लक्ष्य भूल गये हैं। अब पुनः आवश्यकता है कि वर्तमान विसंगतियों एवं दुष्परिणामों को दूर करते हुए भारत को वैश्विक स्तर पर गौरवशाली एवं स्वर्णिम स्थान दिलाया जाय। उन्होंने कहा कि वैश्विक स्तर पर वही देश आगे है जहां शिक्षकों का सम्मान होता है। कहा कि इस समय देश तीन तरह के संकटों के दौर से गुजर रहा है। जिनमें आर्थिक संकट, स्वास्थ्य का संकट और तीसरा सबसे गंभीर संकट शिक्षा व्यवस्था में व्याप्त चुनौतियां है। उन्होंने आगे कहा कि भारतवर्ष के प्राचीनकाल की सभ्यता और संस्कृति सर्वमान्य और सफल थी। शिक्षकों एवं अभिभावकों की अहम भूमिका है कि वे बच्चों को समझने का प्रयास करें न कि उन्हें समझायें। बच्चों के अंतर्मन को खोलने का प्रयास शिक्षक ही कर सकते है। शिक्षक को अपने अंदर मातृत्व का भाव जागृत करना पडे[illegible]गा तभी यह संभव हो पायेगा।कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो.कामेश्वर नाथ सिंह ने कहा कि शिक्षकों को अपने जीवन के यथार्थ बोध एवं दिशा बोध का ज्ञान होना चाहिए। शिक्षकों का यह नैतिक दायित्व है कि वे अपने छात्रों को केवल शिक्षा ही नहीं बल्कि जीवन का बोध करायें। वह उन्हें ऐसी शिक्षा दें जो कि न केवल उन्हें जीविका दे बल्कि एक जीवन दृष्टि प्रदान करे। उन्होंने कहा कि मनुष्य को तभी पहचान मिलती है जब वह समाज व देश के लिए त्याग करता है। आदर्श शिक्षा व्यवस्था में क्लास के साथ-साथ व्यावहारिक शिक्षा की भी आवश्यकता है। शिक्षा का वास्तविक अर्थ व्यक्तित्व की अंतर्निहित क्षमता, दक्षता और कुशलता का प्रस्फुटन होना है। अतिथियों का स्वागत एवं विश्वविद्यालय की विकास यात्रा का वर्णन व्याख्यानमाला के संयोजक प्रो.प्रदीप कुमार पाण्डेय एवं संचालन डा.दिनेश सिंह तथा धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव डा.अरूण कुमार गुप्ता ने किया।

पायनियर

लखनऊ, बृहस्पतिवार, 30 अगस्त, 2018

शिक्षा के क्षेत्र में सदैव अग्रणी रहा है भारतः ओमपाल सिंह

- छात्रों को शिक्षा के साथ जीवन का बोध कराना जरूरीः प्रो. सिंह
- मुविवि में 13 वें दीक्षांत समारोह के विशेष व्याख्यानमाला का आयोजन

पायनियर समाचार सेवा। इलाहाबाद

ओमपाल सिंह को स्मृति चिन्ह भेंट करते कुलपति प्रो. के एन सिंह

भारत वर्ष ने दुनिया को ऐसा ज्ञान दिया, जिससे वह जगद्गुरू एवं सोने की चिड़िया कहलाया। शिक्षा के क्षेत्र में भारत दुनिया में अग्रणी रहा है। नालन्दा एवं तक्षशिला विश्वविद्यालय जैसे ज्ञान के केन्द्र भारत वर्ष की धरोहर रहे हैं। यह बातें राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ उत्तर प्रदेश के राष्ट्रीय सह संगठन मंत्री ओमपाल सिंह ने बुधवार को उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय में कहीं। श्री सिंह 13 वें दीक्षान्त समारोह विशेष व्याख्यानमाला की श्रृंखला के प्रथम व्याख्यान के मौके पर मुख्य वक्ता के रूप में भारतीय शैक्षिक परम्परा एवं महत्व पर केन्द्रित पर व्याख्यान दे रहे थे। श्री सिंह ने कहा कि आज भारतवासी अपना लक्ष्य भूल गये हैं। अब पुनः आवश्यकता है कि वर्तमान विसंगतियों एवं दुष्परिणामों को दूर करते हुए भारत को वैश्विक स्तर पर गौरवशाली एवं स्वर्णिम स्थान दिलाया जाये। वैश्विक स्तर पर वही देश आगे है, जहां शिक्षकों का सम्मान होता है। मौजूदा समय में देश तीन तरह के संकटों के दौर से गुजर रहा है। जिनमें आर्थिक संकट, स्वास्थ्य का संकट और तीसरा सबसे गंभीर संकट शिक्षा व्यवस्था में व्याप्त चुनौतियां आदि हैं। अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने कहा कि शिक्षकों को अपने जीवन के यथार्थ बोध एवं दिशा बोध का ज्ञान होना चाहिए। शिक्षकों का यह नैतिक दायित्व है कि वे अपने छात्रों को केवल शिक्षा ही नहीं बल्कि जीवन का बोध करायें। वह उन्हें ऐसी शिक्षा दें जो कि न केवल उन्हें जीविका दे, बल्कि एक जीवन दृष्टि प्रदान करे। विश्वविद्यालय की ओर से मुख्य वक्ता ओमपाल सिंह को स्मृति चिन्ह एवं अंगवस्त्रम कुलपति प्रो. के एन सिंह ने भेंट किया। अतिथियों का स्वागत व्याख्यानमाला के संयोजक प्रो. प्रदीप कुमार पाण्डेय ने किया। संचालन डा. दिनेश सिंह एवं धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव डा. अरूण कुमार गुप्ता ने किया।

हिन्दी दैनिक

इलाहाबाद एक्सप्रेस

....सच का आधार

वर्ष : 9 अंक : 151 इलाहाबाद, गुरूवार 30 अगस्त 2018 पृष्ठ 8 मूल्य : 1 रुपया

विविध : अपना वादा पूरा करेंगे राहुल... | विचार : संघ एक स्वयंसेवी संगठन ... | सिनेमा : पापा की बात मानकर ...

शिक्षा के क्षेत्र में दुनिया में भारत रहा अग्रणी : ओमपाल

इलाहाबाद। भारतवर्ष ने दुनिया को ऐसा ज्ञान दिया जिससे वह जगदुरू एवं सोने की चिड़िया कहलाया। शिक्षा के क्षेत्र में भारत दुनिया में अग्रणी रहा। नालन्दा एवं तक्षशिला विश्वविद्यालय जैसे ज्ञान के केन्द्र भारत वर्ष की धरोहर रहे है। उक्त विचार ओमपाल सिंह, राष्ट्रीय सह-संगठन मंत्री, राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ, उ.प्र ने बुधवार को उ.प्र राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय में त्रयोदश दीक्षान्त समारोह विशेष व्याख्यानमाला की श्रृंखला के प्रथम व्याख्यान पर मुख्य वक्ता के रूप में व्यक्त किया। श्री सिंह ने कहा कि आज भारतवासी अपना लक्ष्य भूल गये है। अब पुनः आवश्यकता है कि वर्तमान विसंगतियों एवं दुष्परिणामों को दूर करते हुए भारत को वैश्विक स्तर पर गौरवशाली एवं स्वर्णिम स्थान दिलाया जाय। उन्होंने कहा कि वैश्विक स्तर पर वही देश आगे है जहां शिक्षकों का सम्मान होता है। कहा कि इस समय देश तीन तरह के संकटों के दौर से गुजर रहा है। जिनमें आर्थिक संकट, स्वास्थ्य का संकट और तीसरा सबसे गंभीर संकट शिक्षा व्यवस्था में व्याप्त चुनौतियां है। उन्होंने आगे कहा कि भारतवर्ष के प्राचीनकाल की सभ्यता और संस्कृति सर्वमान्य और सफल थी। शिक्षकों एवं अभिभावकों की अहम भूमिका है कि वे बच्चों को समझने का प्रयास करें न कि उन्हें समझायें। बच्चों के अंतर्मन को खोलने का प्रयास शिक्षक ही कर सकते है। शिक्षक को अपने अंदर मातृत्व का भाव जागृत करना पड़ेगा तभी यह संभव हो पायेगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो.कामेश्वर नाथ सिंह ने कहा कि शिक्षकों को अपने जीवन के यथार्थ बोध एवं दिशा बोध का ज्ञान होना चाहिए। शिक्षकों का यह नैतिक दायित्व है कि वे अपने छात्रों को केवल शिक्षा ही नहीं बल्कि जीवन का बोध करायें। वह उन्हें ऐसी शिक्षा दें जो कि न केवल उन्हें जीविका दे बल्कि एक जीवन दृष्टि प्रदान करे। उन्होंने कहा कि मनुष्य को तभी पहचान मिलती है जब वह समाज व देश के लिए त्याग करता है। आदर्श शिक्षा व्यवस्था में क्लास के साथ-साथ व्यावहारिक शिक्षा की भी आवश्यकता है। शिक्षा का वास्तविक अर्थ व्यक्तित्व की अंतर्निहित क्षमता, दक्षता और कुशलता का प्रस्फुटन होना है। अतिथियों का स्वागत एवं विश्वविद्यालय की विकास यात्रा का वर्णन व्याख्यानमाला के संयोजक प्रो.प्रदीप कुमार पाण्डेय एवं संचालन डा.दिनेश सिंह तथा धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव डा.अरूण कुमार गुप्ता ने किया। विश्वविद्यालय की तरफ से मुख्य वक्ता ओमपाल सिंह का स्मृति चिन्ह एवं अंगवस्त्रम् से कुलपति प्रो.सिंह ने सम्मान किया। राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ की तरफ से ओमपाल सिंह, कामता नाथ, के.के सिंह एवं सुरेश त्रिपाठी आदि ने कुलपति प्रो. सिंह को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया।

जनसंदेश टाइम्स

परख सच की

विराट ने 100 गेंद के प्रारूप पर विरोध किया -13

टीम में फिट नहीं बैठ रहे शिवराज -15

इलाहाबाद

शिक्षा के क्षेत्र में दुनिया में भारत रहा अग्रणी : ओमपाल

जनसंदेश न्यूज

इलाहाबाद। भारतवर्ष ने दुनिया को ऐसा ज्ञान दिया जिससे वह जगद्गुरू एवं सोने की चिड़िया कहलाया। शिक्षा के क्षेत्र में भारत दुनिया में अग्रणी रहा। नालन्दा एवं तक्षशिला विश्वविद्यालय जैसे ज्ञान के केन्द्र भारत वर्ष की धरोहर रहे है।

उक्त विचार ओमपाल सिंह, राष्ट्रीय सह-संगठन मंत्री, राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ, उप्र ने बुधवार को उप्र राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय में त्रयोदश दीक्षान्त समारोह विशेष व्याख्यानमाला की श्रृंखला के प्रथम व्याख्यान पर मुख्य वक्ता के रूप में व्यक्त किया। श्री सिंह ने कहा कि आज भारतवासी अपना लक्ष्य भूल गये है। अब पुनः आवश्यकता है कि वर्तमान विसंगतियों एवं दुष्परिणामों को दूर करते हुए भारत को वैश्विक स्तर पर गौरवशाली एवं स्वर्णिम स्थान दिलाया जाय। उन्होंने कहा कि वैश्विक स्तर पर वही देश आगे है जहां शिक्षकों का सम्मान होता है। कहा कि इस समय देश तीन तरह के संकटों के दौर से गुजर रहा है। जिनमें आर्थिक संकट, स्वास्थ्य का संकट और तीसरा सबसे गंभीर संकट शिक्षा व्यवस्था में व्याप्त चुनौतियां है। उन्होंने आगे कहा कि भारतवर्ष के प्राचीनकाल की सभ्यता और संस्कृति सर्वमान्य और सफल थी। शिक्षकों एवं अभिभावकों की अहम भूमिका है कि वे बच्चों को समझने का प्रयास करें न कि उन्हें समझायें। बच्चों के अंतर्मन को खोलने का प्रयास शिक्षक ही कर सकते है। शिक्षक को अपने अंदर मातृत्व का भाव जागृत करना पड़ेगा तभी यह संभव हो पायेगा।

संबोधित करते राष्ट्रीय सह संगठन मंत्री

छात्रों को केवल शिक्षा ही नहीं बल्कि जीवन का बोध करायें : कुलपति

गुविवि में त्रयोदश दीक्षान्त समारोह विशेष व्याख्यानमाला का आयोजन

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो.कामेश्वर नाथ सिंह ने कहा कि शिक्षकों को अपने जीवन के यथार्थ बोध एवं दिशा बोध का ज्ञान होना चाहिए। शिक्षकों का यह नैतिक दायित्व है कि वे अपने छात्रों को केवल शिक्षा ही नहीं बल्कि जीवन का बोध करायें। वह उन्हें ऐसी शिक्षा दें जो कि न केवल उन्हें जीविका दे बल्कि एक जीवन दृष्टि प्रदान करे। उन्होंने कहा कि मनुष्य को तभी पहचान मिलती है जब वह समाज व देश के लिए त्याग करता है। आदर्श शिक्षा व्यवस्था में क्लास के साथ-साथ व्यावहारिक शिक्षा की भी आवश्यकता है। शिक्षा का वास्तविक अर्थ व्यक्तित्व की अंतर्निहित क्षमता, दक्षता और कुशलता का प्रस्फुटन होना है।

अतिथियों का स्वागत एवं विश्वविद्यालय की विकास यात्रा का वर्णन व्याख्यानमाला के संयोजक प्रो.प्रदीप कुमार पाण्डेय एवं संचालन डा.दिनेश सिंह तथा धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव डा.अरूण कुमार गुप्ता ने किया। विश्वविद्यालय की तरफ से मुख्य वक्ता ओमपाल सिंह का स्मृति चिन्ह एवं अंगवस्त्रम् से कुलपति प्रो.सिंह ने सम्मान किया। राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ की तरफ से ओमपाल सिंह, कामता नाथ, के.के सिंह एवं सुरेश त्रिपाठी आदि ने कुलपति प्रो. सिंह को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया।

राष्ट्रीय एकता के प्रति समर्पित

UNITED ESTABLISHED 1951

संस्थापक
स्व. श्री शिवरामदास गुलाटी

युनाइटेड भारत

इलाहाबाद, बृहस्पतिवार 30 अगस्त 2018- मूल्य 1.50 रुपया, पृष्ठ 8

RNI UP HIN/2001/2941 AD/227/09-15-17

शिक्षा के क्षेत्र में दुनिया में भारत रहा अग्रणी : ओमपाल

- छात्रों को केवल शिक्षा ही नहीं बल्कि जीवन का बोध करायें : कुलपति
- मुविवि में विशेष व्याख्यानमाला का आयोजन

इलाहाबाद, 29 अगस्त ।

भारतवर्ष ने दुनिया को ऐसा ज्ञान दिया जिससे वह जगद्गुरू एवं सोने की चिड़िया कहलाया। शिक्षा के क्षेत्र में भारत दुनिया में अग्रणी रहा। नालन्दा एवं तक्षशिला विश्वविद्यालय जैसे ज्ञान के केन्द्र भारत वर्ष की धरोहर रहे हैं। उक्त विचार ओमपाल सिंह, राष्ट्रीय सह-संगठन मंत्री, राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ, उ.प्र ने बुधवार को उ.प्र राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय में त्रयोदशी दीक्षान्त समारोह विशेष व्याख्यानमाला की श्रृंखला के प्रथम व्याख्यान पर मुख्य वक्ता के रूप में व्यक्त किया। श्री सिंह ने कहा कि आज भारतवासी अपना लक्ष्य भूल गये हैं। अब पुनः आवश्यकता है कि वर्तमान विसंगतियों एवं दुष्परिणामों को दूर करते हुए भारत को वैश्विक स्तर पर गौरवशाली एवं स्वर्णिम स्थान दिलाया जाय। उन्होंने कहा कि वैश्विक स्तर पर वही देश आगे है जहां शिक्षकों का सम्मान होता है। कहा कि इस समय देश तीन तरह के संकटों के दौर से गुजर रहा है। जिनमें आर्थिक संकट, स्वास्थ्य का संकट और तीसरा सबसे गंभीर संकट संबोधित करते राष्ट्रीय सह संगठन मंत्री शिक्षा व्यवस्था में व्याप्त चुनौतियां हैं। उन्होंने आगे कहा कि भारतवर्ष के प्राचीनकाल की सभ्यता और संस्कृति सर्वमान्य और सफल थी। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो.कामे वर नाथ सिंह ने कहा कि शिक्षकों को अपने जीवन के यथार्थ बोध एवं दिशा बोध का ज्ञान होना चाहिए। शिक्षकों का यह नैतिक दायित्व है कि वे अपने छात्रों को केवल शिक्षा ही नहीं बल्कि जीवन का बोध करायें। वह उन्हें ऐसी शिक्षा दें जो कि न केवल उन्हें जीविका दे बल्कि एक जीवन दृष्टि प्रदान करे। अतिथियों का स्वागत एवं विश्वविद्यालय की विकास यात्रा का वर्णन व्याख्यानमाला के संयोजक प्रो.प्रदीप कुमार पाण्डेय एवं संचालन डा.दिनेश सिंह तथा धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव डा.अरूण कुमार गुप्ता ने किया। वि वविद्यालय की तरफ से मुख्य वक्ता ओमपाल सिंह का स्मृति चिन्ह एवं अंगवस्त्रम् से कुलपति प्रो.सिंह ने सम्मान किया। राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ की तरफ से ओमपाल सिंह, कामता नाथ, के.के सिंह एवं सुरेश त्रिपाठी आदि ने कुलपति प्रो. सिंह को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया।

संबोधित करते राष्ट्रीय सह संगठन मंत्री

पायनियर

लखनऊ, बृहस्पतिवार, 30 अगस्त, 2018

शिक्षा के क्षेत्र में सदैव अग्रणी रहा है भारतः ओमपाल सिंह

- छात्रों को शिक्षा के साथ जीवन का बोध कराना जरूरीः प्रो. सिंह
- मुविवि में 13 वें दीक्षांत समारोह के विशेष व्याख्यानमाला का आयोजन

पायनियर समाचार सेवा। इलाहाबाद

भारत वर्ष ने दुनिया को ऐसा ज्ञान दिया, जिससे वह जगद्गुरू एवं सोने की चिड़िया कहलाया। शिक्षा के क्षेत्र में भारत दुनिया में अग्रणी रहा है। नालन्दा एवं तक्षशिला विश्वविद्यालय जैसे ज्ञान के केन्द्र भारत वर्ष की धरोहर रहे हैं। यह बातें राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ उत्तर प्रदेश के राष्ट्रीय सह संगठन मंत्री ओमपाल सिंह ने बुधवार को उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय में कहीं। श्री सिंह 13 वें दीक्षान्त समारोह विशेष व्याख्यानमाला की श्रृंखला के प्रथम व्याख्यान के मौके पर मुख्य वक्ता के रूप में भारतीय शैक्षिक परम्परा एवं महत्व पर केन्द्रित पर व्याख्यान दे रहे थे। श्री सिंह ने कहा कि आज भारतवासी अपना लक्ष्य भूल गये हैं। अब पुनः आवश्यकता है कि वर्तमान विसंगतियों एवं दुष्परिणामों को दूर करते हुए भारत को वैश्विक स्तर पर गौरवशाली एवं स्वर्णिम स्थान दिलाया जाये। वैश्विक स्तर पर वही देश आगे हैं, जहां शिक्षकों का सम्मान होता है। मौजूदा समय में देश तीन तरह के संकटों के दौर से गुजर रहा है। जिनमें आर्थिक संकट, स्वास्थ्य का संकट और तीसरा सबसे गंभीर संकट शिक्षा व्यवस्था में व्याप्त चुनौतियां आदि हैं। अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने कहा कि शिक्षकों को अपने जीवन के यथार्थ बोध एवं दिशा बोध का ज्ञान होना चाहिए। शिक्षकों का यह नैतिक दायित्व है कि वे अपने छात्रों को केवल शिक्षा ही नहीं बल्कि जीवन का बोध करायें। वह उन्हें ऐसी शिक्षा दें जो कि न केवल उन्हें जीविका दे बल्कि एक जीवन दृष्टि प्रदान करे। विश्वविद्यालय की ओर से मुख्य वक्ता ओमपाल सिंह को स्मृति चिन्ह एवं अंगवस्त्रम कुलपति प्रो. के एन सिंह ने भेंट किया। अतिथियों का स्वागत व्याख्यानमाला के संयोजक प्रो. प्रदीप कुमार पाण्डेय ने किया। संचालन डा. दिनेश सिंह एवं धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव डा. अरूण कुमार गुप्ता ने किया।

ओमपाल सिंह को स्मृति चिन्ह भेंट करते कुलपति प्रो. के एन सिंह

भारत संवाद

Sunday, September 2, 2018

छात्रों को केवल शिक्षा ही नहीं बल्कि जीवन का बोध कराये-कुलपति

इलाहाबाद(भारत सवाद) भारत वष न दुानया को ऐसा ज्ञान दिया जिससे वह जगद्गुरू एवं सोने की चिड़िया कहलाया। शिक्षा के क्षेत्र में भारत दुनिया में अग्रणी रहा। नालन्दा एवं तक्षशिला विश्वविद्यालय जैसे ज्ञान के केन्द्र भारत वर्ष की धरोहर रहे हैं। उक्त उद्गार श्री ओमपाल सिंह, राष्ट्रीय सह-संगठन मंत्री, राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ, उ0प्र0 ने बुधवार को उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय में व्यक्त किए। श्री सिंह त्रयोदश दीक्षान्त समारोह विशेष व्याख्यानमाला की श्रृंखला के प्रथम व्याख्यान के अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में भारतीय शैक्षिक परम्परा एवं महत्व पर केन्द्रित व्याख्यान दे रहे थे।

श्री सिंह ने कहा कि आज भारतवासी अपना लक्ष्य भूल गये हैं। अब पुनः आवश्यकता है कि वर्तमान विसंगतियों एवं दुष्परिणामों को दूर करते हुए भारत को वैश्विक स्तर पर गौरवशाली एवं स्वर्णिम स्थान दिलाया जाय। उन्होंने कहा कि वैश्विक स्तर पर वही देश आगे है जहां शिक्षकों का सम्मान होता है। श्री सिंह ने कहा कि इस समय देश तीन तरह के संकटों के दौर से गुजर रहा है। जिनमें आर्थिक संकट, स्वास्थ्य का संकट और तीसरा सबसे गंभीर संकट शिक्षा व्यवस्था में व्याप्त चुनौतियां हैं।

उन्होंने कहा कि भारतवर्ष की प्राचीनकाल की सभ्यता और संस्कृति सर्वमान्य और सफल थी। शिक्षकों एवं अभिभावकों की अहम भूमिका है कि वे बच्चों को समझने का प्रयास करें न कि उन्हें समझायें। बच्चों के अंतर्मन को खोलने का प्रयास शिक्षक ही कर सकते हैं। शिक्षक को अपने अंदर मातृत्व का भाव जागृत करना पड़ेगा तभी यह संभव हो पायेगा।

अध्यक्षता करते हुये कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह ने कहा कि शिक्षकों को अपने जीवन के यथार्थ बोध एवं दिशा बोध का ज्ञान होना चाहिए। शिक्षकों का यह नैतिक दायित्व है कि वे अपने छात्रों को केवल शिक्षा ही नहीं बल्कि जीवन का बोध करायें। वह उन्हें ऐसी शिक्षा दें जो कि न केवल उन्हें जीविका दे बल्कि एक जीवन दृष्टि प्रदान करे। प्रो0 सिंह ने कहा कि मनुष्य को तभी पहचान मिलती है जब वह समाज व देश के लिए त्याग करता है। आदर्श शिक्षा व्यवस्था में क्लास के साथ-2 व्यावहारिक शिक्षा की भी आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि शिक्षा का वास्तविक अर्थ व्यक्तित्व की अंतर्निहित क्षमता, दक्षता और कुशलता का प्रस्फुटन होना है।

प्रारम्भ में अतिथियों का स्वागत एवं विश्वविद्यालय की विकास यात्रा का विस्तार में वर्णन व्याख्यानमाला के संयोजक प्रोफेसर प्रदीप कुमार पाण्डेय ने किया। व्यायानमाला का संचालन डॉ0 दिनेश सिंह ने तथा धन्यवाद प्रारम्भ में अतिथियों का स्वागत एवं विश्वविद्यालय की विकास यात्रा का विस्तार में वर्णन व्याख्यानमाला के संयोजक प्रोफेसर प्रदीप कुमार पाण्डेय ने किया। व्यायानमाला का संचालन डॉ0 दिनेश सिंह ने तथा धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव डॉ0 अरूण कुमार गुप्ता ने किया। विश्वविद्यालय की तरफ से मुख्य वक्ता श्री ओमपाल सिंह का स्मृतिचिन्ह एवं अंगवस्त्रम से कुलपति प्रो0 सिंह ने सम्मान किया। राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ की तरफ से श्री ओमपाल सिंह, श्री कामता नाथ, श्री के0के0 सिंह एवं श्री सुरेश त्रिपाठी आदि ने कुलपति प्रो0 सिंह को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया।